

मपि गच्छति ॥ इति गाले कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥
कानन रक्त कर्तुं ॥ इति शोरि कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥
इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥
इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥

आदीप्य च नव्य गंगा जलं च सप्त कुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥
पुरुषा ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥
दक्षम प्रायश्चित्तं कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥
श्री लता गदा नमः ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥ इति मधु कर्तुं ॥

१० वसुदेवः २४

हृदनावल॥ मदनममना (थामानः) यद्गुप्तामीनकनन॥ कन्दर्पोदयकोशनम्
॥ कामैयकैः ॥ न॥ स्मन॥ सम्वना निर्मनसिज॥ कसुमयूनननयज॥ ययधन्य
नगियनि॥ मकनधज्जान्मरु॥ वृक्षसुविष्यकतु॥ दानिनुइउषायनि॥
लक्ष्मी॥ यद्मालयायद्मा॥ कमला॥ शीरुनिषिया॥ ॥ चिन्तालावमागमा॥ कीनादि
ननयानिमा॥ ॥ शिखीलक्ष्मीयन॥ पाथ॥ ऊन्यस्यकसूदगन॥ कोभादकीगदाख

वसुदेव

॥ ४० ॥

कोसुलमणि

मनुष्य

श्री॥ नन्दक॥ कोसुलमणि॥ गनुत्मानगनु॥ उक्ताकावेननय॥ खगधन॥
तागानकाविष्णुनथ॥ सुयर्क॥ यन्नमन॥ गमुनी॥ यययनि॥ गिव॥
श्रीलीमरुधन॥ शिष्यन॥ गव॥ गधन॥ गद्वन॥ यन्दगखन॥ लनग॥ खयु
वन॥ गिनि॥ गनि॥ गमृ॥ गमृ॥ यय॥ कलिवासा॥ पिताकीपमथ॥ धिय॥ उ
ग्र॥ कयदीशाक॥ गितिक॥ कपालरु॥ तामदवा॥ मदादवा॥ विनूयाद्वसि

लोचनः। कश्चिन्नूतगः सर्वकः धूर्जटिर्नीललाहि नः। देनः समनरुपां हर्षः। शुभ
 कैमुपूनाककः। गंमधनां चकत्रियुः। उरुध्वसी वृषध्वजः। वामकः (गौतवाः)
 हीमः। ^{६६ महादेव} ह्मादूत उमायतिः। ^{१२५ जग} कपटः। ^{१२६ निवधु} यिनाकाजगवन्धनः। यमथ
 ॥ ^{१२७ निवधु} यात्रिषदां। ^{१२८ निवधु} वाक्मीयायां सुमाननः। ^{१२९ निवधु} वाक्मीमाहृष्यनीयेव कोमानीयेष्वीत
 थ। ^{१३० निवधु} वात्राहीचनथं। ^{१३१ निवधु} वामुः। ^{१३२ निवधु} सफमाननः। ^{१३३ निवधु} निरुतिर्दुर्निर्गय्यमहिमादि
^{१३४ निवधु}

कर्मसंधा। ^{१३५ निवधु} ज्जिमा महिमायेव लयिमा गलिमानथ। ^{१३६ निवधु} यादिः। ^{१३७ निवधु} यां काम्यं शमित्व
 निवत्वं च विदुगयः। ^{१३८ निवधु} उमा कायायनी (मेनी) ^{१३९ निवधु} काला हेमवनी सनी ॥ ^{१४० निवधु} निवाहवा
 नी नूदाही ^{१४१ निवधु} सनीही ^{१४२ निवधु} सनीही ^{१४३ निवधु} जय ^{१४४ निवधु} यावर्षी ^{१४५ निवधु} दग्ध ^{१४६ निवधु} मृजनी ^{१४७ निवधु} वरि ^{१४८ निवधु} कामि ^{१४९ निवधु} का
 ॥ ^{१५० निवधु} विनायकां ^{१५१ निवधु} विद्युताज ^{१५२ निवधु} हेमा ^{१५३ निवधु} गुन ^{१५४ निवधु} गना ^{१५५ निवधु} धिय ^{१५६ निवधु} ॥ ^{१५७ निवधु} ज्यै ^{१५८ निवधु} कदक ^{१५९ निवधु} रुल ^{१६० निवधु} लम्ब ^{१६१ निवधु} लम्बा ^{१६२ निवधु} दन ^{१६३ निवधु} ग
 जानना। ^{१६४ निवधु} कार्त्तिक ^{१६५ निवधु} कथो ^{१६६ निवधु} मरु ^{१६७ निवधु} हन ^{१६८ निवधु} हान ^{१६९ निवधु} जमा ^{१७० निवधु} यज ^{१७१ निवधु} नन ^{१७२ निवधु} यो ^{१७३ निवधु} वगी ^{१७४ निवधु} नन्द ^{१७५ निवधु} न ^{१७६ निवधु} स्क ^{१७७ निवधु} न्द

^{२५} नो^{१७}स्ति^{१८} नानदा^{१९}या^{२०} ॥ सु^{२१}न^{२२}व^{२३}य^{२४} ॥ स्या^{२५} सु^{२६}ध^{२७}र्मा^{२८} द^{२९}व^{३०}स^{३१}रा^{३२} ॥ यी^{३३}यू^{३४}ष^{३५}म^{३६}मृ^{३७}नै^{३८}सु^{३९}धा^{४०} ॥ म^{४१}न्या^{४२}कि^{४३}
^{४४}नी^{४५}वि^{४६}य^{४७}ऊ^{४८} ॥ सु^{४९}न^{५०}दी^{५१}सु^{५२}न^{५३}दी^{५४}रि^{५५}का^{५६} ॥ म^{५७}नू^{५८}सु^{५९}म^{६०}नू^{६१}रु^{६२}मा^{६३}डी^{६४} ॥ न^{६५}त^{६६}स^{६७}ान^{६८}सु^{६९}ना^{७०}ल^{७१}य^{७२} ॥
^{७३}य^{७४}स्यै^{७५}न^{७६}द^{७७}व^{७८}न^{७९}वा^{८०} ॥ म^{८१}न्या^{८२}न^{८३}या^{८४}नि^{८५}आ^{८६}न^{८७}क^{८८} ॥ स^{८९}ना^{९०}न^{९१}क^{९२}ल्य^{९३}वृ^{९४}क्षे^{९५}य^{९६}सि^{९७}वा^{९८}रु^{९९}
^{१००}नि^{१०१}च^{१०२}न्द^{१०३}नै^{१०४} ॥ स^{१०५}न^{१०६}त्वे^{१०७}मा^{१०८}त्रा^{१०९}वे^{११०}क्ष^{१११}रु^{११२} ॥ सु^{११३}र्वे^{११४}द्या^{११५}वे^{११६}ष्टि^{११७}नी^{११८}सू^{११९}नो^{१२०} ॥ ना^{१२१}स^{१२२}या^{१२३}वे^{१२४}ष्टि^{१२५}नो^{१२६}द^{१२७}सु^{१२८}
^{१२९}वा^{१३०}ष्टि^{१३१}न^{१३२}यो^{१३३}च^{१३४}गा^{१३५}वृ^{१३६}नो^{१३७} ॥ मि^{१३८}या^{१३९}च^{१४०}द्रु^{१४१}ष्य^{१४२}न^{१४३}सु^{१४४} ॥ सु^{१४५}र्वे^{१४६}ष्टि^{१४७}उ^{१४८}र्व^{१४९}णी^{१५०}मू^{१५१}खा^{१५२} ॥ उ^{१५३}र्व^{१५४}णी^{१५५}

^{१५६}म^{१५७}न^{१५८} क^{१५९}ल^{१६०}मा^{१६१}वि^{१६२}य^{१६३}स^{१६४}ता^{१६५}गि^{१६६}ला^{१६७}क^{१६८}मा^{१६९} ॥ सु^{१७०}क^{१७१}णी^{१७२}म^{१७३}श^{१७४}या^{१७५}या^{१७६}या^{१७७} ॥ क^{१७८}थ^{१७९}न^{१८०}य^{१८१}न^{१८२}सा^{१८३}वृ^{१८४}क्षे^{१८५}
^{१८६}णी^{१८७}क^{१८८}गु^{१८९}रु^{१९०}ला^{१९१}म^{१९२}द^{१९३}ना^{१९४}च^{१९५} ॥ न^{१९६}य^{१९७}ना^{१९८}च^{१९९}ग^{२००}था^{२०१}ष्ट^{२०२}मी^{२०३} ॥ हा^{२०४}रु^{२०५}द्रु^{२०६}क्षे^{२०७}व^{२०८}सा^{२०९}या^{२१०} ॥ ग^{२११}न्ध^{२१२}वृ^{२१३}क्षि^{२१४}दि^{२१५}वा^{२१६}
^{२१७}क^{२१८}सा^{२१९} ॥ ज^{२२०}मि^{२२१}वे^{२२२}ष्टि^{२२३}न^{२२४}भा^{२२५}व^{२२६}क्रि^{२२७} ॥ वि^{२२८}मि^{२२९}क्षे^{२३०}ध^{२३१}नै^{२३२}ऊ^{२३३}य^{२३४} ॥ कृ^{२३५}यी^{२३६}ग^{२३७}या^{२३८}नि^{२३९}र्द्ध^{२४०}न^{२४१}ता^{२४२} ॥ आ^{२४३}ग^{२४४}व^{२४५}
^{२४६}दा^{२४७}सु^{२४८}न^{२४९}या^{२५०} ॥ वे^{२५१}र्द्धि^{२५२}ष्टि^{२५३}वृ^{२५४}क्षे^{२५५}व^{२५६}र्मा^{२५७} ॥ अ^{२५८}वि^{२५९}क्षे^{२६०}ष्टि^{२६१}उ^{२६२}र्व^{२६३}वृ^{२६४}क्षे^{२६५} ॥ अ^{२६६}ग^{२६७}या^{२६८} ॥ अ^{२६९}वृ^{२७०}क्षे^{२७१}
^{२७२}रु^{२७३} ॥ कृ^{२७४}ष्टि^{२७५}न^{२७६}या^{२७७}व^{२७८}का^{२७९}न^{२८०}त^{२८१} ॥ अ^{२८२}दि^{२८३}ग^{२८४} ॥ अ^{२८५}वा^{२८६}यु^{२८७}स^{२८८}खा^{२८९} ॥ नि^{२९०}खा^{२९१}वा^{२९२}नै^{२९३}ष्टि^{२९४}क्षे^{२९५}नि^{२९६}ष्टि^{२९७}

[illegible][illegible]

मे

भयानाम २५

मद्यमका २

मद्यमका २

भौतिकमला ७२ वम

कलमूर्कधूमयानयः कादमिनीमयमाला विषमयुतवैरियी रुनिनकेडि
 नमय निमयिनिगदिव। गम्याऽगदवाजादी नम्राय ४३ धयला ॥ गति
 लोदामिनीविद्युच्चयलाययलायिव। सुर्कथूर्वकृतिषाप्रमयक्रानिनिनमय
 धीं सुहायुधं कधन रुयवसकनादिन वैरिबर्बनविद्यान स्वगाहादवगु
 शोसमो धानासम्यागजान ४। शीकभाइमूक ४४ मगा ४४ वैषायलुरुकनका

११

विभु न नवामगक

मयचुनैरिद्रिदिनी चकचावधयुसि ल्वनदिनयवानदी जयिधानगिना
 धान यिधानचुदनानिन। रिमीं ४४ यनुमा ४४ यनु ४४ मयवाधवधौवि
 धू ४४ सुधौं ४४ गुयां ४४ नावधा ४४ निधायगि ४४ जडा ४४ वरुक ४४ सामा ४४ (कोम)
 गमक ४४ कलानिधि ४४ दिठनाऊ ४४ धना नद्वय ४४ दयाकन ४४ कलायुवाउ
 (कोला) ४४ विम्या ४४ मधुलनिष ४४ रिं ४४ कलख ४४ व ४४ पुम ४४ दिहम ४४ सय

मनोवि० वसिष्ठ० मन्त्रि० नमो भगवते वासुदेवाय ॥ प्रलम्बप्रलम्बद्वयवत्कृष्णसुखं यामगा ॥

॥ शुक्रादेयशुक्रकाच उडाना रागजवः कविः ॥ ज्ञानकः ॥ अंशोमांसादि
गोमंमदीसुगं नोहि ॥ तथावृधः ॥ समासोनिगनेयप्रो ॥ गमसुना
कृष्णरत्नः ॥ हि कथा विधनुदः ॥ संयुक्तमनीयं ॥ मुखं ध्विगिखति
नशीनामीनामूदयालनं ॥ गुरुमववृषादयः ॥ सूनसूर्ययमादिद्यद्वादशा नम
दिवाकना ॥ रासकना ॥ रासकनडध ॥ यराकनविहकना ॥ रासद्विवसस्यस्य

॥१३॥

रुनिद ॥ अर्धभूतमायः ॥ विवर्तनार्कमार्कधु ॥ मिहिना नूतयूषदा ॥ अमर्षिस्त
नमिर्मिर्ष ॥ ध्विप्रलानुविभाचनः ॥ विहवसुर्वहयनि ॥ स्त्रिबीयनिनहयनि ॥
लानुर्वहसुर्वहमां ॥ सुयनः ॥ मविगानवि ॥ मा ॥ नयि ॥ लोदधु ॥ अमर्षिस्त
नियार्थिका ॥ सूनसूर्ययमादिद्यद्वादशा नम
त्रयसूर्यकमधुल ॥ किन ॥ समयूखी ॥ गतरिचुतिधिवय ॥ लानुर्वह

सूर्ययापिपुतामधुल ॥

मनीविःली. पूंमथांदादिमिःक्रिया ॥ स्यःयलानुग्रुविदिह. रंश्चविद्युनिदी
 पयः॥ प्राविः॥ (म)दिनरुद्रोव. प्रकाः॥ (म)आननयः॥ कावूकवावूमन्थायूः
 कइयूगिषूगदनि. निमंनोद्वेखनगद. नृगणयूमनीचिका ॥ ॥ दिग्गमा ॥ १५४
 ॥ ॥ कालादिक्षायनरुद्रावि. समथायथयकमिः॥ यनियङ्कूममूखि. नदाया
 स्थिथयादया॥ यमादिनाकनीवातु. कीवदिवसवासनो. ययूवा. रुमूखकल्य.

कालानुत्पानका. कालमयममहपापा

मूषः॥ ययूवहीजयि. यलनयेदिनाकयु. सायंसंध्यायि. ययूस॥ याद्रायनाद्र
 मधाद्रा. सिहन्धमथगर्बनी. निमनिशीथिनीनायि. मियामाकृदादादया.
 विरावमीगमस्विनो. नऊनीयामिनीगमी. नमिमागमहीनायि. कोह्रीवन्दि
 कयादिना. आगमिबलमानाद. यकयानिजियदिना. गहनार्थनिष्ठमव
 द्वा. यदायानऊनीमूख. अर्धनागनिष्ठा. (थे)दो. दोयामयुदनोसमी. हयव

प्रतिपत् ३१ पूर्णिमा प्रातः ५१ अमावास्या रात्रि पंचमि ॥ पूर्णिमा अमावास्या ३१ पक्षात् ॥

पूर्णिमा २

संविष्टयनियं त्यक् दग्धा र्यद ननी यका कोय र्द (धो) द्यो वृमा ही दुयुर्मिमा
कलादी न सा नम नि ॥ पू (ह) ना का निष्ठा कन ॥ अमा वा स्या त्वमा वस्या दर्श ॥ सूर्य
नृसंगम ॥ सादृष्टेन्द्र ॥ सिनीवाली ॥ सानकेन्द्र कला कुरु ॥ उपना (म) गुरु नाद ॥ गं
रुति दो वयु धि च ॥ साय यथायन को द्वा वे ग्न्य स्या न ड पादि न ॥ नृक था क्का यष्य
वको दिवा कन निष्ठा कन ॥ असाद ॥ निमवां रु का सारिं गं मु ना ॥ कला ॥ गां
मिवापि १२५ का लन को द्वा थका ३० याल वलनं कला थक

१३॥

मुविम नृक दं रु गु मूरु रु द्वा द श मि या गं रु विं द द्वा ना य ॥ य द्म द ग य व व
यको यूर्वा यनो गु क् क थो मा स रु ना व शो ॥ दो द्वा मा या दि मा सो स्या द्दु रु के न य
नं रि रि ॥ अय न दं ग गि रू द ग्द रि द्वा क स्य व स न धा स म ना रि दि व का ल दि वू व दि
वृ व व न ॥ यष्य यू का यो र्मा सी यो वी मा ह यु य ण ॥ ना म्ना स यो वा मा या द्वा
धे व म का द श म य न ॥ मार्ज ॥ र्म ह का मार्ज ॥ ज ग रु य मि क रु य ॥ यो थ ने

विगलपावधि

मिनवधि

विगलपावधि

५३

५४

^{१३}स्विसवि ^{१४}त्यगियहयि ^{१५}यगना ^{१६}धौ ^{१७}ज्ञानधवगी ^{१८}मध ^{१९}संकल्य ^{२०}कर्ममानस ^{२१}विला
^{२२}शोभने ^{२३}मस्कान ^{२४}ध्य ^{२५}ज्ञा ^{२६}संखा ^{२७}विचान ^{२८}ध ^{२९}जुष्वा ^{३०}रान ^{३१}रु ^{३२}क ^{३३}उ ^{३४}रु ^{३५}विविकित्ता
^{३६}तु ^{३७}सं ^{३८}धाय ^{३९}संद ^{४०}ह ^{४१}दाय ^{४२}नो ^{४३}वा ^{४४}थ ^{४५}ममो ^{४६}नि ^{४७}र्य ^{४८}यनि ^{४९}ध्य ^{५०}यो ^{५१}मि ^{५२}था ^{५३}दृ ^{५४}दि ^{५५}नो ^{५६}हिक ^{५७}क
^{५८}वा ^{५९}या ^{६०}दा ^{६१}डा ^{६२}रु ^{६३}वि ^{६४}न ^{६५}न ^{६६}समो ^{६७}हि ^{६८}दा ^{६९}न ^{७०}ना ^{७१}दा ^{७२}को ^{७३}शानि ^{७४}मि ^{७५}था ^{७६}म ^{७७}नि ^{७८}र ^{७९}म ^{८०}ध ^{८१}सं ^{८२}वि ^{८३}दा
^{८४}गू ^{८५}ध ^{८६}य ^{८७}नि ^{८८}रु ^{८९}न ^{९०}निय ^{९१}मा ^{९२}शु ^{९३}व ^{९४}सं ^{९५}शु ^{९६}वा ^{९७}श ^{९८}जु ^{९९}मी ^{१००}का ^{१०१}ना ^{१०२}यू ^{१०३}य ^{१०४}ग ^{१०५}म ^{१०६}य ^{१०७}नि ^{१०८}शु ^{१०९}व ^{११०}स ^{१११}मा ^{११२}ध ^{११३}य

१७६

महाकाशन

भवगुहान

^१मा ^२क्ष ^३धी ^४हान ^५म ^६न ^७व ^८वि ^९रु ^{१०}न ^{११}जि ^{१२}ल्य ^{१३}ग ^{१४}सु ^{१५}या ^{१६}श ^{१७}मू ^{१८}कि ^{१९}के ^{२०}व ^{२१}ल्य ^{२२}नि ^{२३}र्वा ^{२४}ह ^{२५}गु ^{२६}था
^{२७}नि ^{२८}ह ^{२९}य ^{३०}सा ^{३१}मृ ^{३२}ग ^{३३}मा ^{३४}क्ष ^{३५}य ^{३६}व ^{३७}ग ^{३८}था ^{३९}हान ^{४०}म ^{४१}वि ^{४२}दा ^{४३}रु ^{४४}म ^{४५}नि ^{४६}ह ^{४७}मि ^{४८}या ^{४९}नू ^{५०}य ^{५१}ग ^{५२}दा
^{५३}ग ^{५४}ध ^{५५}न ^{५६}स ^{५७}सु ^{५८}सु ^{५९}ध ^{६०}वि ^{६१}व ^{६२}या ^{६३}जु ^{६४}मी ^{६५}म ^{६६}च ^{६७}न ^{६८}रु ^{६९}न्दि ^{७०}या ^{७१}था ^{७२}ध ^{७३}ह ^{७४}षी ^{७५}क ^{७६}वि ^{७७}व ^{७८}यी ^{७९}न्दि
^{८०}य ^{८१}क ^{८२}र्म ^{८३}न्दि ^{८४}य ^{८५}तु ^{८६}वा ^{८७}या ^{८८}दि ^{८९}म ^{९०}ना ^{९१}न ^{९२}श ^{९३}दि ^{९४}धी ^{९५}न्दि ^{९६}य ^{९७}तु ^{९८}व ^{९९}न ^{१००}सु ^{१०१}क ^{१०२}वा ^{१०३}या ^{१०४}सि ^{१०५}म ^{१०६}धू ^{१०७}ना
^{१०८}ल ^{१०९}व ^{११०}न ^{१११}क ^{११२}दू ^{११३}गि ^{११४}को ^{११५}म ^{११६}ध ^{११७}न ^{११८}सा ^{११९}य ^{१२०}सि ^{१२१}न ^{१२२}ह ^{१२३}सु ^{१२४}ख ^{१२५}उ ^{१२६}मी ^{१२७}वि ^{१२८}व ^{१२९}वि ^{१३०}वि ^{१३१}वि ^{१३२}वि ^{१३३}वि ^{१३४}वि ^{१३५}वि ^{१३६}वि ^{१३७}वि ^{१३८}वि ^{१३९}वि ^{१४०}वि ^{१४१}वि ^{१४२}वि ^{१४३}वि ^{१४४}वि ^{१४५}वि ^{१४६}वि ^{१४७}वि ^{१४८}वि ^{१४९}वि ^{१५०}वि

ऊनयामनाहन

हालाधक वनातच्छिह्न हनलपरुव

मला गंधजनमनादुप^{विह} आभाद^{हमला} सातिनिहोनी^{प्रख} वायलिङ्ग^ख ल्यमागू^ख धन^ख
समाक^ख वी^ख युनिहोनी^ख सुन^ख रि^ख द्या^ख द^ख न^ख य^ख द^ख ॥ ॐ^ख सुग^ख न्ध^ख ॥ सुग^ख न्धि^ख ॥ स्या^ख योमा^ख
दी^ख म^ख ख^ख वा^ख स^ख न^ख ॥ पू^ख नि^ख ग^ख न्ध^ख सु^ख द^ख र्ज^ख (न्ध^ख वि^ख ॥ स्या^ख योमा^ख ग^ख न्धि^ख य^ख न^ख ॥ शु^ख क^ख शु^ख
य^ख शु^ख वि^ख ॥ य^ख न^ख वि^ख ग^ख द^ख ॥ य^ख न^ख या^ख दु^ख न^ख ॥ अ^ख व^ख दा^ख न^ख ॥ सि^ख ना^ख ॥ मे^ख श्री^ख व^ख ला^ख को^ख ध^ख व^ख
लो^ख र्क^ख न^ख ॥ रु^ख नि^ख द^ख ॥ या^ख दु^ख न^ख ॥ या^ख दु^ख नी^ख ब^ख त्या^ख दु^ख र्मु^ख धू^ख स^ख न^ख ॥ द^ख धू^ख नी^ख ला^ख सि^ख न^ख ॥ ध्या^ख म^ख

[illegible]

गवसा। लाहिनिका लाहिनिका नाग। लायादिनायिवा। (महा) (महा) थयिग
 झी। यिह लाहनिनी त्वियं॥ दनिन कुन (थे) वेगा (महा) धनी सिगा वया। नीलेव
 वसुवा नामि नीलीयादी निचोष (धो)॥ ॥ इति धावर्जध॥ (महा) ॥ वाझागुला
 नगी लाया गीर्वा म्वादी सुनखनी॥ वाहान उकिं लेयिन लायिन वचन वच॥
 जयसं (महा) यगद ॥ स्या सुलुहा वसुवा वक ॥ निहू वन वथा वीक क्रिया वाकान

२०॥

काचिगा॥ धूमि ॥ सुविद आमाय सुयी धर्म सुगदि धि ॥ मिया म्कामय रुषी
 निवदा सुय सुयी॥ लिह यादि धूमन सु माकान युधवी सुमो॥ ॥ इति लास ॥ पुन
 वरु सुदा लाया सुय सुना॥ आ नीदि कीदधु नीति सुक विद्यार्थ म्मथ ॥ आ
 स्वायिको यल बाध ॥ पुन ही य लद व ॥ यव न्ध कल्य नाक ध यव दि काय रु
 लिका॥ सुनि सुधर्म सुदिना सुमाह नि सुसं गुरु ॥ सम स्या पु सुमासा थ किं वदनी

लोकनसंज्ञाया

लोकवाणी

मदमबालविद्या

ऊनश्रुति॥ वास्तुयवृत्तवृत्तन॥ उदक॥ ह्यादथा॥ कय॥ अखा॥ कअरिधानेवन
 मधय॥ चनामच॥ इतिनाकानधका॥ ई॥ सुदुगिर्वदुहिः॥ कुग॥ विवादाववहन
 ॥ ह्या॥ इयन्नासंमुवाद्युर्व॥ उयाद्यागउदाहन॥ हापनसयथ॥ यमान॥ यि॥ अन्न
 याग॥ युक्ता॥ च॥ यगिवाकी॥ लन॥ सम॥ मिथ्या॥ रिथा॥ म॥ ह्या॥ खान॥ म॥ थ॥ मिथ्या॥ रिगैर
 न॥ अ॥ रि॥ ह्या॥ य॥ य॥ द॥ सु॥ ग॥ वृ॥ ह्या॥ द॥ न॥ जा॥ ग॥ ऊ॥ य॥ ग॥ की॥ लि॥ सम॥ ह्या॥ च॥ सु॥ व॥

॥२१॥

नागऊः॥ पा०

मुनिशाय

मलपालहाना

वाचयाना

सायन॥ मुनि॥ अ॥ मु॥ नि॥ दि॥ मि॥ न॥ क॥ म॥ च॥ य॥ वृ॥ तु॥ द्या॥ द॥ धा॥ का॥ क॥ मि॥ यो॥ वि
 का॥ ना॥ य॥ ॥ अ॥ क॥ री॥ न्या॥ दि॥ रि॥ ध्व॥ न॥ अ॥ य॥ ल॥ क॥ य॥ नि॥ च्चो॥ द॥ य॥ नी॥ वा॥ दा॥ य॥ वा॥ द॥
 व॥ न॥ उ॥ य॥ का॥ ॥ अ॥ क॥ र॥ म्मा॥ च॥ क॥ सा॥ नि॥ न्दा॥ च॥ ग॥ र्द॥ ॥ ॥ या॥ न॥ य॥ म॥ मि॥ वा॥ द॥ ॥ ह्या॥
 ह॥ स॥ न॥ ल॥ य॥ का॥ न॥ मी॥ ॥ य॥ ॥ म॥ नि॥ न्द॥ उ॥ या॥ ल॥ म॥ सु॥ उ॥ ह्या॥ न्य॥ नि॥ ला॥ ष॥ ॥ न॥ य॥ न्दा॥ का॥
 न॥ धा॥ य॥ ॥ ह्या॥ दा॥ का॥ ॥ अ॥ म॥ धू॥ न॥ य॥ नि॥ ॥ ह्या॥ दा॥ ला॥ व॥ ॥ म॥ ला॥ य॥ ॥ उ॥ ला॥ य॥ न॥ थ॥ क॥ व॥

अनन्ताना

^{वाप २ चाय २} च॥ ^{वाप २ चाय २} अनूलायामुद्रुर्गव विलाय ४ यनिदवन ॥ ^{विनाधवचन २} विपुलाय विलाधकि ४ संला
^{मिधवचन २} या राषटी मिथ ४ ^{लिदव २} सुयलाय ४ ^{इधुम २} सुवचन ४ ^{इधुम २} मयलाय ४ ^{इधुम २} मुनिद्रुव ४ ^{सद २} संदह वागवाचि
^{१५ अमगल २} कंसा ४ ^{१५ अमगल २} कदासु निषूरुन ॥ ^{१५ अमगल २} उषनी वागकल्यादी ४ ^{१५ अमगल २} स्यात्कल्या ४ ^{१५ अमगल २} दुष्टुला मि
^{१५ अमगल २} का ॥ ^{१५ अमगल २} अथ मधून सील्य ४ ^{१५ अमगल २} संगर्गददयं गम ॥ ^{१५ अमगल २} निधून यनूव्यमम ४ ^{१५ अमगल २} मशीलसून
^{१५ अमगल २} गियिथ ४ ^{१५ अमगल २} मयथर्मकलकि ४ ^{१५ अमगल २} यनयनयनाहन ॥ ^{१५ अमगल २} लूपवल्न ४ ^{१५ अमगल २} यदं गुरु ४ ^{१५ अमगल २} निनरु

॥२२॥

^{मलिगवचन २} त्वनिगादिन ॥ ^{१५ अमगल २} अमुद्रुर्गसनिधुव ४ ^{१५ अमगल २} मवर्ध ४ ^{१५ अमगल २} स्यादनर्थक ॥ ^{१५ अमगल २} अनदनमवाच्य ४ ^{१५ अमगल २} दाह
^{१५ अमगल २} गनुमृयाथर्क ॥ ^{१५ अमगल २} अथ ग्लिदमविस्त्य ४ ^{१५ अमगल २} विनर्थ ४ ^{१५ अमगल २} त्वनृगवच ४ ^{१५ अमगल २} मयनथामृगसम्य
^{१५ अमगल २} गमूनिविषूगदगि ॥ ^{१५ अमगल २} गद्वे निनादनिनद ४ ^{१५ अमगल २} धनिधननवस्यना ४ ^{१५ अमगल २} खाननिधा
^{१५ अमगल २} षनिर्जाद ४ ^{१५ अमगल २} नादनिखाननिखना ४ ^{१५ अमगल २} अनवा ४ ^{१५ अमगल २} नावसं ४ ^{१५ अमगल २} नाव ४ ^{१५ अमगल २} विनावा ४ ^{१५ अमगल २} अथममन ४
^{१५ अमगल २} सनिगवसुय ४ ^{१५ अमगल २} ना ४ ^{१५ अमगल २} हस ४ ^{१५ अमगल २} ना ४ ^{१५ अमगल २} पु ४ ^{१५ अमगल २} सि ४ ^{१५ अमगल २} डि ४ ^{१५ अमगल २} नि ४ ^{१५ अमगल २} का ४ ^{१५ अमगल २} नि ४ ^{१५ अमगल २} का ४ ^{१५ अमगल २} का ४ ^{१५ अमगल २} का ४

२१३०६

क्रंनभाद्युष्ठाद्यभदिनपलावीभाभादिनथनाहाहृ३

[illegible]

1122

330

4000

सुमनाल्लोक

कस्यपालनादिप्रधानाथवीणाया नामविर्गति

तं ग्रीन धा य वा द्यु द को ११

[illegible]

ॐ नै घ स य ना ध म य . सा या म् ध ध धां न् म न् ज्ञ म् आ र्णि म्

三

तमिषसंनया

उव न ३

क्षम ५

दव २ (अंशंगुदक विप्र) तमिषदनि

स्याऽप्यनाहानिर्वधनं वाद्यपुष्टदा उमनू मडु डि उमममना ४ मईल ४ यधवा
 नय नरु की ला सिका मम ॥ विलं विनं दु न मध्वं गत्व माधा यनं कमा ५ गाल ४ का
 लक्रिया मानं लयं ४ साम्म मथा मिया ॥ गां उव न टं नाद्यं लास्यं नृयं च न रुने ६
 गोर्यमि कं नृयमी न वाद्यं नाद्यमिदं ययं ॥ चकूं ४ ४ थ चकूं ४ ४ थ चकूं ४ ४ थ
 गिन रु क ४ ॥ मी वष धनी यू नू था नाथा को गदि काई का ॥ रगिनी यनि ना वू ला

२४॥

पारव ५ मा

वव २

नाजाया काय ३

नाजाया ३

एवा विद्वान् थ वू क ४ ॥ उन का यू व ना उं सु कु मा ना र ह दाय क ४ ॥ ना जा र दान का द
 व ॥ सु सु गा र रु दानिका ॥ दवी क ग रिष काया ॥ मि न ना सू रु र दि ती ॥ जू व द्म धम व
 ध को ॥ ना ज ४ थाल सु ना दिय ४ ॥ जू म्मा मा ग थ वा ला म्मा ॥ दा सू ना यं मु मा नि व ४ ॥ जू नि
 का र गि नी कृ षा नि षा नि र्व द (६) म म ॥ दं उ दं उ द ला दानं नी यं च ठां म र्वा य गि
 जू ग ला ना ग वि द्ध पा ॥ वयं का रि न जो म मो ॥ नि र्व रु ल्वं ग म र्वा त्यां द वि षा गि क

अजवाब

सक नरावन

सात नरावन

नवनरा

॥ २५ ॥

सा विक् ॥ १८ ॥ सा नवीन क नू द्ध ॥ ३० ॥ हा म्य र यान का ॥ ४ ॥ वीर त्त नो ड च न मा ॥ ४१ ॥ सा न
 ४१ ॥ वि नू द्ध ल ॥ ४१ ॥ उ त्सा र व द्ध ना वी न ॥ ४१ ॥ का नू द्ध क नू द्ध द्ध ॥ ४१ ॥ कृ पा द यानू क या
 म्या द नू को ॥ ४१ ॥ य ॥ ४१ ॥ हा म्य र यान का ॥ ४१ ॥ वीर त्त नो ड च न मा ॥ ४१ ॥ सा न
 या ३० ॥ सा ४१ ॥ वि नू द्ध ल ॥ ४१ ॥ उ त्सा र व द्ध ना वी न ॥ ४१ ॥ का नू द्ध क नू द्ध द्ध ॥ ४१ ॥ कृ पा द यानू क या
 र यं क र्ण य नि र यं नो ड रू द्ध म मी वि षू ॥ ४१ ॥ वि नू द्ध ल ॥ ४१ ॥ उ त्सा र व द्ध ना वी न ॥ ४१ ॥ का नू द्ध क नू द्ध द्ध ॥ ४१ ॥ कृ पा द यानू क या

॥ २५ ॥

उत्तर नरावन

मन नरावन

३ अर्द्ध का

य ॥ १८ ॥ सा नवीन क नू द्ध ॥ ३० ॥ हा म्य र यान का ॥ ४ ॥ वीर त्त नो ड च न मा ॥ ४१ ॥ सा न
 सा न वि रू द्ध म न नि ॥ ४१ ॥ जू ना द न ॥ ४१ ॥ य नि र व ॥ ४१ ॥ य नि र व मि न मि क्र या ॥ ४१ ॥ नी
 हा व मा न ना व द्ध ॥ ४१ ॥ जू व रू ल म रू द्ध ॥ ४१ ॥ म न्दा द्ध डी रू या वी ज ॥ ४१ ॥ ल क्का सा य व
 या न्दा न ॥ ४१ ॥ सा नि मि नि का रि का रू य न रू वि ष य म्पू हा ॥ ४१ ॥ जू द्धा नि नी वी
 स्या तु ॥ ४१ ॥ दा षा ना वा गु ॥ ४१ ॥ य यि ॥ ४१ ॥ वे न वि ना ॥ ४१ ॥ वि द्ध वी ॥ ४१ ॥ म न्द ॥ ४१ ॥ को तु

८४ मं ३

लिपासी गप ३

सुक्लियाँ ॥ यः सत्ताया नूतनयं ॥ विपुनी सान् ॥ यथि ॥ काय का धर्म मर्ष नायः
 पुनियानूदु (धर्मियो) ॥ सुवो पुवानि गली लू ॥ मूमाद स्थिरु विनुम ॥ धिमान
 धियम हाद ॥ यम स हाथ दाद दे ॥ ॥ का का हा सु रु हा ग् ॥ का लि ध्या मना
 नथ ॥ कामा तिला व सुर्व ॥ सम हा ला ल हा दया ॥ उ या धि नो धर्म विना ॥ यू
 म्या धि मान ही व थ ॥ म्या विना सु नि ना धान ॥ मूल्क (छा) ल्क लि क ह म ॥ उ

२७

सा हा धव साय ॥ सा ॥ सुवीर्य मगि ग कि ला क ॥ कय टा म्हा वा उ दं हा ॥ व ध यं ॥ च द्र
 के न व ॥ कृ सु नि नि क ति ॥ ॥ य मा दान व धान ना ॥ को नू ह ल को नु क च ॥ क नु क
 च क नू ह ल ॥ म्हा धा विला सु वि धो क ॥ वि नु मा ल लि नं ग थ ॥ हे ला ली ल य मी हा वा
 ॥ डि या ॥ ॥ अन रा व जा ॥ इ व क लि य नि हा म्हा ॥ की ज ली ला व न म्म व ॥ वा
 आ प द ॥ ॥ ल क व ॥ की ज ख ला व कू द न ॥ य म्मा नि दा य ॥ ख द ॥ ॥ ल य न

५५

^{धामद्वय} ^{धामात्रवनरवाय} ^{हमामवगमनासना} ^{अतिवसन, हला}
 स्वयं स्वना ॥ अत्र हलाका नमुयि ॥ सुमो सुवगमं सुमो ॥ म्यादाचु निगकं हाम ॥
^{सुमक, हला} ^{मानन, मयमने, हला} ^{चि, मिसरुहने, हला}
 सात्यासु ॥ समनामिर्न ॥ मधमं म्यादि रुमिर्न ॥ नामां वा नामरुषं ॥ कदि गं नूदि
^{रवाया} ^{अमका नयया} ^{संवा, द, हला, विरह} ^{दादया} ^{११}
 गंदू रं ॥ हरलु विवृष्ट रन ॥ विषलं रविमं वादा ॥ लिं गं सुवलनं सम ॥ म्यात्रिडा
^{हल} ^५ ^{१४} ^{अलं} ^{मिरवा, द, मयाक} ^{मि} ^{चिको लाद, अक} ^{२१}
 शयनं स्वाय ॥ स्वप्न ॥ संवगं ॥ म्ययि ॥ गंडीयमीला ॥ चकटि ॥ चूकटि ॥ चूकटि ॥ ह्रियः ॥
^{मलो, हमिवा} ^२ ^{१०} ^{संवाच} ^४ ^{१५}
 ॥ अट्टि ॥ म्या दहो म्या द्दि ॥ संमिद्वि यक नीलिम ॥ स्वयं च स्वरावस्थ ॥ निमृगं स्थाय ॥

^{स्वाय} ^२ ^{उत्सव} ^{११९}
 वयथू ॥ कथाथं दं ॥ उड्डर्षा मरु उड्डव उड्डव ॥ ॥ निमृगं वग्नं ॥ ॥
^{५ पाताल}
 अक्षु उवनया गाल ॥ वलिमन्न नसा गल ॥ नागलाका थकूर नं ॥ शुचिर्न विवर्न
^{वालया १००} ^{मल} ^{१५} ^{रवाला} ^३
 विलं ॥ चिदं निर्वथनं नाक ॥ नंधं धनं वयासूचि ॥ गाली वटो गुविश्वयु ॥ सु
^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९}
 नंधं शुचिर्न विषू ॥ अन्धका नं मिया धानं ॥ नमिर्न निमिर्न नम ॥ धानं नम रं
^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९}
 नम रं ॥ की (एव नम रं नम ॥ विष्वक् नम रं नाग ॥ काडवया रुदीधना ॥ (ग

^{सा खान वि}
 अनको वास विपद् महापद्मं दत्त ककुली लक ककुली गरीबो चो दो नागा प्रकीर्तिताः १
^{आयन वि}
 धान को वासुकि सु सूर्य ना अथ (मन म) गिलिंते ४ म्या द उ ग न शयुर्वोद स
^{वा ठ वि २} ^{धुनि वि २} ^{धमन वि २}
 ह्युली जल ग डो जल बाल ४ समो ना जिल द न्द्र हो ॥ मालू ध नामा तुला हि नि
^{रुभा का वि २}
 र्म का मूक कं चूक ४ सूर्य ४ यदा क र्मु उ (म) तुजं (म) हि र्मु उं ग म ४ ॥ आशी विषा
 विष धन ४ ध्य की बाल ४ मनी स्य ४ कछुली गूरया च द्द शवा का कादन ४ रुही ॥
 द वी क प्रादी र्य यष्टा द द शू का विल गाय ४ उ न ग ४ य न्न (म) श गी जि झ ग ४ य व

^{सर्वो रा २५} ^{१ विद्या क उत्पत्ति} ^{विद्या रुक्ष २} ^{विषु वि २}
 नाशन ४ विद्या रुय विषा ह्म दि स्तु टा या गुरु दा द या ४ समो कं चूक निम्मा को
^{३ विष} ^{हाक विष} ^{अच विष} ^{साय विष} ^{अनंगन उ नि विष}
 द्दो गुरु गन ली विष ॥ पृ सि क्री व व का काल काल कूट द ला रु ल ४ सा ना दिक ४
^{सि र विष} ^{हाक विष} ^{युय विष} ^{आ दु विष} ^{आसि विष} ^{धमन लका विष} ^{रुष}
 (म) लि क था व द्द यूर ४ य दी य न ४ दान दो व ल ना रं ध्य विष र द जू मी न व ॥
^{विष ला ज व द्य २} ^{वि उ मा वा २}
 विष वे द्यो जी गु लिका बाल य द्द हि गु ठि क ४ ॥ गू गिया गाल श गि व र्ज ४ ॥
^{न न क ४} ^{का मुन के र} ^{गुरा} ^{सूर्य ग}
 ॥ ॥ स्या नान क रू न न का नि न या द ग्ने गि हि या गि र्द दा रु य धा वी चि म रु नो

^{१०} ^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}

३२

^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}

गंगाविष्णुपदी ऊरुगनया सुनिमग्न

^{५१} मा इवामकलकन्याका ^{नर्मदागीम ५} कनयायाहदानीना ^{कननदीया ४} वादुदाहेनवाहिनी ^{कनइनदी २} ॥ गिरदुसुग
^{११} गइ ४ स्या ^{विपाजनदी २} दियाम ^{११} पुविपाट्फि ^{११} यी ^{११} ॥ ११ ॥ ^{११} (म)दिनस्थवाइ ४ स्या ^{११} स्तुल्या ^{११} ल्याक ^{११} पिमास ^{११}
^{११} निग ^{११} ॥ ११ ^{११} नावगीवयवगी ^{११} वन्दरागम ^{११} सनस्वगी ^{११} कावनी ^{११} सनिग ^{११} न्या ^{११} ११ ^{११} सुरुद ४ सिंधू ^{११} ॥ ३२
^{११} संगम ४ ॥ दथा ४ पु ^{११} मलीययस ^{११} यद ^{११} वा ^{११} विवू ^{११} गुरुनो ^{११} दवीकाया ^{११} ११ ^{११} नसा ^{११} च ^{११} हवदावि
^{११} क ^{११} नवो ^{११} ॥ ११ ^{११} गन्धिक ^{११} गुक ^{११} कान ^{११} रुल ^{११} कनक ^{११} संधक ^{११} ॥ ११ ^{११} इत्यलंक ^{११} वलय ^{११} मथनील ^{११}

दवीकान
 द उर्यानि
 दविक

सनरुनेदीउ
 लमिशगुसात्रव

^{११} वज्रमच ॥ ११ ^{११} वीवर्न ^{११} वनील ^{११} मित्र ^{११} सिन ^{११} कमुद ^{११} केनवे ^{११} ॥ ११ ^{११} लूक ^{११} म ^{११} वा ^{११} कन्द ४ स्या ^{११} दा
^{११} नि ^{११} ११ ^{११} गुक ^{११} मि ^{११} का ^{११} ॥ ११ ^{११} उलनीली ^{११} गु ^{११} (न)वाल ^{११} (न)वलीथ ^{११} कमुदगी ^{११} कमुदि ^{११} न्या ^{११} नलि ^{११} न्या
^{११} गु ^{११} सिनी ^{११} यद्विनी ^{११} मूखा ^{११} ॥ ११ ^{११} वायू ^{११} सि ^{११} यद्व ^{११} नलि ^{११} न ^{११} मत्र ^{११} विन्द ^{११} म ^{११} हो ^{११} त्यल ^{११} ॥ ११ ^{११} मय ^{११} य ^{११} क
^{११} न ^{११} ११ ^{११} य ^{११} क ^{११} न ^{११} र ^{११} ग ^{११} म ^{११} न ^{११} स ^{११} ॥ ११ ^{११} न ^{११} स ^{११} न ^{११} सी ^{११} न ^{११} र ^{११} ॥ ११ ^{११} वि ^{११} स ^{११} य ^{११} स ^{११} न ^{११} न ^{११} अ
^{११} ११ ^{११} न ^{११} म ^{११} न ^{११} र ^{११} हा ^{११} मि ^{११} च ^{११} ॥ ११ ^{११} य ^{११} ११ ^{११} नी ^{११} क ^{११} सि ^{११} ग ^{११} म ^{११} अ ^{११} ॥ ११ ^{११} म ^{११} थ ^{११} न ^{११} क ^{११} स ^{११} न ^{११} न ^{११} र ^{११} ॥ ११ ^{११} न ^{११} क ^{११} अ ^{११} त्य

पुनालोमिया न्युमान्। वामभूलं ध्वनाकं ४५ वलीकं युनयुं सुकं ॥ जयनं वत्समा
 मध्वं यथान ४ यदवी सुगि ४। सुनदि ४ यद्वनि ४ यद्यां वरुं न कयदी गिव ॥ जति
 यं थ ४ सुयं थ ४ सत्य थ ४ सच्चि न धति ॥ वा (ध) दू न (ध) विय थ ४ कद धा काय
 थ ४ समा ४ ॥ जयं थ ४ स्वयं थ ४ गुल्य ४ गं गट क च गु या थ ॥ या न न दू न ४ न्या धा का
 ना ना व ल्म दू र्ज म ॥ गवू नि ४ सु का ४ गयू र्ग ॥ न ल्य ४ कि सु च गु ४ गार् ॥ यं ठा य थ

३७

॥ सात्मा के न म या ध्या यो वि द ह मि धि ला पु नी म हा द या कां ति
 ४ सुं सु न द ॥ न ल्यु न ह्या य नि च्च न ॥ ॥ गित्ति मि व र्ज ४ ॥ ॥ यू ४ सु यू नी न
 ग र्था वा ॥ यू रु न यू ट ह द न ॥ सु नी य नि ग मा त्म कु य नू ल न ग ना त्म र्न ॥ न च्च
 खान ग र्न व ॥ ४ ॥ व ४ ४ ४ ज न स मा ४ थ ४ ४ ॥ जय द ४ सु नि य द्या र्था वि य नि ४ य द्य वी
 थि का ॥ न थ्वा यु गाली वि गि र्वा ॥ सा च्च या व य म मि र्था ॥ या का ना व न ४ ४ गाल ४
 या ची न या न ग वृ नि ४ ॥ रि लि ४ सु कृ य म र्ज क य द न न र्ज की क र् ॥ गृ द ॥ ग

^{कयल} ^{खगंड} ^{दूत} ^{दधलुरवा} ^{लिवियादान}
 अधस्तादनुमिगिला नासादनुयनिहिग ॥ यकनमनकदार्नस्य ॥ त्यकदाननुपक
^{पटलक} ^{यो} ^{विहायकपोव} ^{नल} ^{जानाल}
 क। वलीकनीवपटल याकथयटलं कदि ॥ मयानसीगुवउली कवनवकय
^न ^{वधनयाक} ^{दान} ^२ [॥]
 नदि। कयाटयालिकायानु विटंकयूनयूसक ॥ सीडादार्नयनीदान ॥ सादिन
^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 दिरुवदिका। गान (६) सीवरुदार्न यूनदाननु (७) यून ॥ कूटयूदार्नियदरुन
^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 खरुसिन्नथिबु। कयाटमननगुल गदि क यमलनना ॥ अनादार्नसासा

॥ ३८ ॥

^{हलि २} ^{गुरि} ^{का} ^{वपक २}
 न नि ४४ विस्त्रधिरुदी। सीमाऊनी (७) धनीसा लीसावदनरुया ॥ दिफम
^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 खनि ४४ सनदी सनिव (७) निकवदी। समो सवसथग्रामो वेमलुवोरुनमिया
^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 ॥ ग्रामानुडयहालीसा सीमसीम मिया मूर। याव अलीनयलीसा त्यकदी
^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 ४४ वलालय ४४ ॥ नित्यूनवर्ज ४४ ॥ मदी (७) धिरुनिझारु ददार्नध
^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 नयवर्ग ४४ अदि (७) धिरुनिझारु वल (७) धिरुनिझारु ४४ लाकालाक ध्यक

वृक्षवाटिका॥^{१॥}युमानाकीउउद्यानं^{२॥}नाह॥^{३॥}साधनर्णवनं॥^{४॥}साधनदवयुमदवन
^{५॥}मनु॥^{६॥}युभाविरं॥^{७॥}वीथालिनावलि॥^{८॥}यंकि॥^{९॥}गुणीलखासुनाउय॥^{१०॥}वत्यावनस
^{११॥}मरुसा॥^{१२॥}देवुनारिनवाहिदि॥^{१३॥}वृक्षामहीनुरु॥^{१४॥}हाखी॥^{१५॥}विटयीयादयसुनू॥^{१६॥}ज
^{१७॥}नाकरु॥^{१८॥}कु॥^{१९॥}मल॥^{२०॥}यलाशीडुडुमागमा॥^{२१॥}वानस्यथ॥^{२२॥}रुले॥^{२३॥}यूष्या॥^{२४॥}लेनयूष्याद
^{२५॥}नस्यगि॥^{२६॥}आषधि॥^{२७॥}रुलयाकाना॥^{२८॥}सादवक्ष॥^{२९॥}रुलेगुहि॥^{३०॥}वक्षारुला॥^{३१॥}वकशा

॥४०॥

यूरुलवान्दलिन॥^{१॥}रुली॥^{२॥}यूरुलीतूरुलेसूरुलु॥^{३॥}वाकवविकवसूरुगो॥^{४॥}रुल
^{५॥}व्येगविकसिग॥^{६॥}सूनवक्षदयमिषू॥^{७॥}सूरुवाताधुव॥^{८॥}हांक्॥^{९॥}कस्यभाखागि
^{१०॥}रु॥^{११॥}इय॥^{१२॥}अयका॥^{१३॥}उसंवगुलो॥^{१४॥}वलीपुवुगमिलुग॥^{१५॥}लगायगानिनीवीनूः
^{१६॥}गुलिमूलय॥^{१७॥}ययि॥^{१८॥}नमद्यानारुउकुय॥^{१९॥}उलेध॥^{२०॥}व्यकुय॥^{२१॥}यस॥^{२२॥}जुमी
^{२३॥}यका॥^{२४॥}रु॥^{२५॥}धःसा॥^{२६॥}मूलाकखाव॥^{२७॥}धरुना॥^{२८॥}सम॥^{२९॥}भाखालग॥^{३०॥}ह्यन्य॥^{३१॥}भाखाभा

अदि वनो प्रसिद्धि या गुलि गंध

पादुली लां की न पंर क

दा र्या शामु मूल यि पुष्प की व यिया टला । दा धि डु मं ध्य ल द ल १ पिय ल १ कं ज
ना ग न १ ॥ अथ कं थ क यि लं सु द धि लं ग्रा हि म म थ १ ग सि न्द धि र ल १ पुष्प
रु ल द न ग ठ व यि ॥ उ ड् म न ज नु रु ला य रू (म रू म दू ध क १ का वि दान च म
निक १ कू द ला य ग य व क १ स य य (ध वि ष ल ल व क् ष म न दी वि ष म कू द १ ज्ञान
ध्व धे ना उ वृ क् ष म्या कं व बु नं गु ला १ ॥ अ न व नं वा धि द्या न् क न माल सु व र्ण का १

सू क् म्बी न द न १ ० उ म् उ म्बी न उ र ला ॥ व नू (ध व न द १ म नु रू क् ष म कं मा न क
१ यू ना (ग य नू व म् उ क् ष क स ना द व व ल र १ या नि र ड नि म्ब न नू र्म न्द न १ या
नि जा ग का १ गिन (ग म्प द ना न मी न थ ड् न गि म् क क १ वं रू लं ग्धि उ क् चो थ धो
यी न न क यी न नो ॥ आ म्ना ग क म धू क तु गु उ पु ष म धू ड् मो । वा न य रू म धू क्ठी
लो उ ल उ य म धू ल क १ यी लो गु उ रु ल १ म् सी ग सि म् गु गि नि म् र व । अ क्का

^{धं परदेता स उ मिति २} उकर्य नालो द्वा ^{अंका नसि २} वंका (०) तु ^{लाहामि ४} निकाचक ॥ यला ^{पा २५ १३} गकिं शुक्र ४ य (११) ^{मिति सा} वागय ^{वागमिमा ३} धव न
^{वागमिमा ३} स। नथा ^{लैखमिति ६} गुपूयं विदुलं ^{सा र्जजनसि ५} शीग वानी नवं रुला ॥ ^{काउसारजन} द्योय निवाध विदुलो ^{॥४३॥} नादयी चो वूव
^{ह अर्थसिमा २} गस। ^{आलसिमा ५} (११) र्जजन ^{विलायसि} न शिगू गीदू ^{३५} गन्ध काकी नभावका ॥ नका सोम धूनिगू १ स्या ^{३५} द
^{३५} निख १ रु ^{उलसि ३} निल १ सभो। ^{भायुत्वा ६} विलिख ^{लेति ६} मित्य ^{३५} (११) लूखो ^{३५} मालून ^{३५} शादुला वयि ॥ ^{३५} यक्ष ^{३५} ज टी य
^{३५} र्क टी स्या ^{३५} न्न ^{३५} (११) धाव दूया दट ॥ ^{३५} भवेने १ ^{३५} भवना लाधु ^{३५} सिनी ट ^{३५} सिलमा र्क नो ॥ ^{३५} आमु

^{अं. सि ३} धूगान ^{वाक} सलामो ^{नखाक अं. सि २} सरुका ^{गुगुलसि ५} नागि सो नर ॥ ^{कसिमा ५} कुम्भा ^{विचालसि} शूषल कक्कीव ^५ कोजिका ^५ गुगुल १ य
^५ न ॥ ^५ (११) लू १ ^५ (११) श्या नक १ ^५ शान ^५ उदालावदू ^५ वा नक १ ^५ ना ^५ आद न ^५ यियाल १ स्या ^५ स न
^५ कर्क ^५ र्द नू १ यट ॥ ^५ गंरनी ^५ मर्व गारुडा ^५ का ^५ भनी ^५ मधूयल्लू का। ^५ शाय ^५ र्नी ^५ रडय ^५ र्नी च
^५ का ^५ भनी ^५ र्थ ^५ यथ ^५ दया १ ॥ ^५ कर्क ^५ धूर्व ^५ दनी ^५ कालि १ ^५ काल ^५ कवल ^५ रु ^५ निल ^५। ^५ शो ^५ वीन ^५
^५ वद ^५ न ^५ थाटा ^५ ^५ यथ ^५ स्या ^५ स्वाद ^५ क १ क १ ॥ ^५ विर्क ^५ कन ^५ १ ^५ मू ^५ वा ^५ वृक्षा ^५ ^५ गंधिला ^५ वायु ^५ यादयि।

॥

॥

नागवर्गसि

ज्वरि २

गनस्वारीसि ४

पुनावर्गनागवर्ग (ग) नादयीहमिजम्बुका ॥ गिन्दुक ४ सुर्जक ४ काल् स्फन्ध ४ यगिमि
 सानक ॥ काकेन्दु ४ कलक ४ काक्यीलक ४ काकगिन्दुक ॥ (गलीठा माटलायंठा या
 टलिमाद मूकको ॥ गिलक ४ इनक ४ गीमान् समोयिचूलमावूको ॥ गायर्धिकाक
 मूदिका कृती केदयकदुलो ॥ कुमूक ४ यहिकाखा ४ म्या ॥ ल्यहीलाकायसादन ४ ॥
 नूदमुपूष ४ कुमूका ॥ बुद्ध (ध) बुद्धदात्र ॥ रूलवनीयप्रियक कदवीमुदलिपि

॥४४॥

का ४ था ४ य ४ पा ०

वानाद

४

पिताकसि ६

य ॥ वीनवृत्ता ४ सुकनागिन्मुखीहलागकीशिव ॥ गदर्या ४ कंदलाल कयीगनसू
 या ४ र्यका ४ ॥ यद ४ यगिलिजीविवा ॥ मिका ॥ थये ॥ गमालक ॥ सुर्जकासनवधूक ॥ प
 ययियकजीवका ४ ॥ मालपुसुर्जकवा ४ य ॥ कर्णका ४ सुसुसंवन ४ ॥ नदीसुर्जकी
 नगनू ॥ निडड ४ ककुरा ४ न ४ ॥ नाकादनरुलाधक ॥ कीनिकायामथदथा ४ ॥ कुदी
 गायसगनू ॥ सुर्जवर्मिमदुलवो ॥ यिचिला ॥ पुनदीमावा ॥ हिनायू ४ ॥ मलिदथा ४ ॥

^४ क्विचि^१ शिलिङ्गं^२ सुविहीनक^३ ॥ अक्षं^४ सुष^५ कर्षरु^६ ला^७ रगवास^८ कलिङ्गम^९ ॥ अरु^{१०}
यात्र^{११} यथा^{१२} यथा^{१३} वय^{१४} स्मयूगनामृता^{१५} ॥ रुनी^{१६} गकी^{१७} हेमवनी^{१८} यनकी^{१९} (ग्रयसीनि^{२०}
वा^{२१} यीगडू^{२२} सलन^{२३} यूनि^{२४} का^{२५} वथि^{२६} दुमा^{२७} त्यल^{२८} ॥ कर्त्तिका^{२९} न^{३०} यनि^{३१} व्या^{३२} धा^{३३} लक्^{३४}
वालिक^{३५} वाउ^{३६} दु^{३७} ॥ यन^{३८} स^{३९} कंठ^{४०} किरु^{४१} ला^{४२} निवू^{४३} लाम्बु^{४४} ऊ^{४५} ऊ^{४६} ल^{४७} ॥ काका^{४८} दुम्ब^{४९} नि^{५०}
कारु^{५१} म^{५२} लयू^{५३} ऊ^{५४} यन^{५५} रु^{५६} ला^{५७} ॥ अनि^{५८} स^{५९} सर्व^{६०} गारु^{६१} दु^{६२} दिगु^{६३} निर्या^{६४} समाल^{६५} का^{६६} ॥ पि^{६७}

॥४७॥

रुद्रि^१ ला^२ यथा^३ यथा^४ यथा^५ यथा^६ यथा^७ यथा^८ यथा^९ यथा^{१०} यथा^{११} यथा^{१२} यथा^{१३} यथा^{१४} यथा^{१५} यथा^{१६} यथा^{१७} यथा^{१८} यथा^{१९} यथा^{२०} यथा^{२१} यथा^{२२} यथा^{२३} यथा^{२४} यथा^{२५} यथा^{२६} यथा^{२७} यथा^{२८} यथा^{२९} यथा^{३०} यथा^{३१} यथा^{३२} यथा^{३३} यथा^{३४} यथा^{३५} यथा^{३६} यथा^{३७} यथा^{३८} यथा^{३९} यथा^{४०} यथा^{४१} यथा^{४२} यथा^{४३} यथा^{४४} यथा^{४५} यथा^{४६} यथा^{४७} यथा^{४८} यथा^{४९} यथा^{५०} यथा^{५१} यथा^{५२} यथा^{५३} यथा^{५४} यथा^{५५} यथा^{५६} यथा^{५७} यथा^{५८} यथा^{५९} यथा^{६०} यथा^{६१} यथा^{६२} यथा^{६३} यथा^{६४} यथा^{६५} यथा^{६६} यथा^{६७} यथा^{६८} यथा^{६९} यथा^{७०} यथा^{७१} यथा^{७२} यथा^{७३} यथा^{७४} यथा^{७५} यथा^{७६} यथा^{७७} यथा^{७८} यथा^{७९} यथा^{८०} यथा^{८१} यथा^{८२} यथा^{८३} यथा^{८४} यथा^{८५} यथा^{८६} यथा^{८७} यथा^{८८} यथा^{८९} यथा^{९०} यथा^{९१} यथा^{९२} यथा^{९३} यथा^{९४} यथा^{९५} यथा^{९६} यथा^{९७} यथा^{९८} यथा^{९९} यथा^{१००}

^{वाहिवालि ५} धृक् ॥ सिन्धुवानं न्यसूनिमो निगुंछी न्यामिक ^५ खयि ॥ ^५ वधाखनागनीधव गाअ
^५ जीमूगं ^५ ययि ॥ ^५ गीरुसिनी ^५ तुहूनी ^५ गृहगुनानुमलिका ॥ ^५ हयदीगनरीरूथ
^५ होवाहू ^५ गावना ^५ रुवा ॥ ^५ गालिका ^५ तुसुवका ^५ निगुंछी ^५ नीलिका ^५ वसा ॥ ^५ सिगसो ॥ ५५ ॥
^५ धनसूनसा ^५ हनवंध्रथमागधी ॥ ^५ गनिका ^५ यूथिकाम्बा ^५ सायी ^५ गरुमयूथिका
^५ जूमि ^५ मूक ॥ ^५ यूडक ॥ ^५ सा ^५ दासनी ^५ माधवी ^५ लना ॥ ^५ सुमना ^५ मालनी ^५ जागि ॥ ^५ सफलानवमा

^५ लिका ॥ ^५ माया ^५ वंदनक ^५ कंमु ^५ वंधूका ^५ वंधूजी ^५ वक ॥ ^५ सहा ^५ कुमानी ^५ गनवि ^५ नम्लान
^५ सुमहा ^५ सहा ॥ ^५ गव ^५ (ग) ^५ वक्र ^५ नवक ^५ सुययी ^५ नक ^५ नूठक ॥ ^५ नीला ^५ मिष्टी ^५ द्वया ^५ वीध
^५ दासी ^५ वीरु ^५ गाल ^५ ध्यसा ॥ ^५ (ग) ^५ नीयक ^५ सु ^५ मिष्टी ^५ सा ^५ सु ^५ सिन्धु ^५ नवका ^५ नूठ ^५ यीगा ^५ क
^५ नूठका ^५ मिष्टी ^५ नसि ^५ सु ^५ रुचनी ^५ द्वया ॥ ^५ आ ^५ पु ^५ र्य ^५ उ ^५ वा ^५ र्य ^५ व ^५ उ ^५ र्य ^५ गिल ^५ स ^५ य ^५ न
^५ । ^५ यु ^५ नी ^५ हा ^५ स ^५ ग ^५ या ^५ स ^५ व ^५ ज ^५ न ^५ द ^५ य ^५ मा ^५ न ^५ का ॥ ^५ के ^५ क ^५ न ^५ ग ^५ थि ^५ ला ^५ व ^५ र ^५ ॥ ^५ के ^५ न ^५ वी ^५ न ^५ के ^५ नी ^५ न ^५ के

^{धरुन} उन्नतः किंवा धरुन ^{उधनस्वान ७} धरुन कनका कयः। मागुलामदनं ^{उधनसि} धरुन ^{मलीखान} धरुन ^{मलीखान} धरुन
^{नवसि २} कः॥ ^{कृतासि २} धरुन ^{मलीखान} धरुन ^{मलीखान} धरुन ^{मलीखान} धरुन ^{मलीखान} धरुन ^{मलीखान} धरुन ^{मलीखान} धरुन
^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन
^{विगहा ३} धरुन ^{विगहा ३} धरुन ^{विगहा ३} धरुन ^{विगहा ३} धरुन ^{विगहा ३} धरुन ^{विगहा ३} धरुन ^{विगहा ३} धरुन ^{विगहा ३} धरुन
^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन
^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन ^{ममसि ५} धरुन

॥ ५ ॥

^{मवसिसवसि ६} द्वादनीवृद्धः नृणां जीवनि कं ययि ॥ वत्सादनी किन्नरूहः गुरुचीगणिका मृगाः।
^{गुगु २} जीवनि काशामवल्लीः विष्णुलामधुयधयि ॥ पूर्वधवीमधुनसा मानटागनी
^{सुसप्त} म्रवाः। मधूलिकाधनूः (गुणी) मयधुनीलीयधयि ॥ या मयधुनी विचकली
^{वाहाय} मयनी (गुयसीनसा) नकाशीलायायवलीः याचीनावनगीकि को ॥ कद्रुवट
^{वाउ} रना (मक) नादिदी कद्रुनादिदी। मत्स्यपिला कद्रुदीः चक्रां गीगद्रुलादनी ॥

जन्ममुपाजुजधंजुं कुंरुतायावृषायदी। सव्यथाकाशूकजिम्बि४ कयिक चू
 ४४मर्कटी॥ विशयविशयवग्रधु उवनीशंवनीवृषा। पृथक् (४) दीसूत (४) ध्या
 नलुमूषिकयधयि॥ जमाग्न४ (४) खनिका धमाग्नवमयूनको। पृथक् यध
 कीशयधु किमि (४) खनमंजनी॥ रुजिकावाक्रीयद्या लगीवाक्रीयदिका।
 अज्ञानवलीवाल्य शकवर्चनवर्चका॥ मंजिष्टाविकहाडिगी समंमकाल

मषिका। मंरूकयधु रंछुनी रंछुयाजनवलीयि॥ याभायवाभाद्रस्य४
 य धनूर्यास४ कनासक४। नादिनीकचू नानका समूडा नाद्रनालरा॥ १०
 पृथक् यधु पृष्ठियधु विशयधु शिवलिका। काद्रविनासिहयूची कल
 सिद्धोवनिर्गुह॥ निर्दिग्विकासृशी वाद्यी वृहती कंटकानिका। यवादलीक
 लीङ्गडा द४ स्य४ नाद्रिकययि॥ नीलीकाला क्रीतिका ग्रामीणामधूयदि

का । तं किं नीशा रुली गुह्यं दूती धाला च नीलिनी ॥ ज्वलन्मुकुटः सामनाजी स्रव
 ली ॥ सामवल्लिका । कालभषी कृष्णरुला वाकची युगिरुल्ययि ॥ कृष्णाय कृत्या वे
 दहि मागधी च यला कृष्ण । दुषधायि यिली ॥ मोक्षी काला धक नयियली ॥
 कयिवली कालवल्ली ॥ ७५ ॥ यमीवामिनः पूमान् । वर्या युव विर्क काक विंवी गुंज
 पुकृष्णला ॥ यलं क मा विदु गन्ध ॥ श्वदं सुखा दूदं ठक ॥ ७६ ॥ अर्कटका ॥ अश्नका व

नर्गमठः ॥ विष्ववि वायु निविषा निविषाय विवात्रुणा ॥ ७७ ॥ मरुदोषधः
 बाधः ॥ ७८ ॥ दीभावीदुग्धिका ॥ ७९ ॥ शतमूली वक्रमूला ॥ ८० ॥ त्रिदीवनी वनी । अथ यका
 ही नूयदी ॥ ८१ ॥ नानयधः ॥ ८२ ॥ शतवर्णा ॥ ८३ ॥ अरुन् नथयी गङ्गा कालय क रुनि उवाही वा
 वीय च य वा दानू रुनि डाय ऊनी ययि ॥ ८४ ॥ वषा ग शुष्क षण्मुं ध ॥ ८५ ॥ मलामी ग नय वि
 का ॥ ८६ ॥ शुक्रा रुमवगा वेद्य मा गृहिं क्रौ गुवा हा का ॥ ८७ ॥ वषा ठ नूय ॥ ८८ ॥ सिंहा म्या वासका

^{आनसू} वाजिदकक^१ आसुनागिनि^२ कर्ष^३ स्या^४ दिष्क^५ कानायना^६ डिना^७ ॥ इ^८ गन्धा^९ तुका^{१०} उ
^{कायलकखान} इ^{११} काकिला^{१२} उ^{१३} क^{१४} न^{१५} इ^{१६} ना^{१७} ॥ मलय^{१८} ॥ स्या^{१९} इ^{२०} गिनि^{२१} व^{२२} ॥ मधु^{२३} निका^{२४} मिमी^{२५} ॥ मि^{२६} य^{२७}
^{मिनाखान} यथ^{२८} सी^{२९} इ^{३०} अ^{३१} व^{३२} उ^{३३} इ^{३४} सु^{३५} क^{३६} सु^{३७} ही^{३८} गु^{३९} ज^{४०} । सम^{४१} न^{४२} द^{४३} ॥ ध^{४४} व^{४५} ल^{४६} म^{४७} मा^{४८} या^{४९} वि^{५०} न^{५१} द^{५२} ॥
^{विठिहि} ॥ ग^{५३} तु^{५४} ल^{५५} ॥ थ^{५६} क^{५७} मि^{५८} य^{५९} ॥ थ^{६०} वि^{६१} उ^{६२} र्ग^{६३} य^{६४} न^{६५} र्ग^{६६} र्क^{६७} । व^{६८} ला^{६९} वा^{७०} द्या^{७१} ल^{७२} का^{७३} य^{७४} ॥ न^{७५} वा^{७६} तु^{७७} ग^{७८} ध^{७९} य^{८०}
^{२ साहान} थिका^{८१} ॥ म^{८२} दि^{८३} का^{८४} ॥ म^{८५} ल^{८६} नी^{८७} डा^{८८} का^{८९} ॥ स्या^{९०} दी^{९१} म^{९२} धू^{९३} न^{९४} र्ग^{९५} नि^{९६} व^{९७} । र्ग^{९८} र्ग^{९९} न^{१००} र्ग^{१०१} नि^{१०२} ॥ सु^{१०३} व^{१०४} र्ग^{१०५} नि^{१०६} ॥ सु^{१०७} व^{१०८} र्ग^{१०९} नि^{११०} ॥

॥ ७१ ॥

^१ ॥ ग^१ य^२ व^३ न^४ व^५ न^६ ॥ वि^७ र^८ णी^९ ना^{१०} व^{११} नी^{१२} ॥ ध^{१३} मा^{१४} ॥ य^{१५} लि^{१६} यो^{१७} तु^{१८} सू^{१९} ष^{२०} णि^{२१} का^{२२} । का^{२३} ला^{२४} म^{२५} लू^{२६} न^{२७} वि^{२८}
^{होकर} द^{२९} ला^{३०} ॥ इ^{३१} व^{३२} डा^{३३} का^{३४} ल^{३५} म^{३६} षि^{३७} का^{३८} ॥ म^{३९} धू^{४०} क^{४१} कू^{४२} न^{४३} क^{४४} य^{४५} षि^{४६} । म^{४७} धू^{४८} का^{४९} म^{५०} धू^{५१} य^{५२} षि^{५३} का^{५४} । वि^{५५} द^{५६} नी^{५७}
^{गान्धिवानि} डी^{५८} न^{५९} शु^{६०} कू^{६१} इ^{६२} । ग^{६३} ध^{६४} कू^{६५} इ^{६६} च^{६७} या^{६८} सि^{६९} ना^{७०} ॥ जू^{७१} न्या^{७२} डी^{७३} न^{७४} वि^{७५} द^{७६} नी^{७७} स्या^{७८} । म^{७९} र्ग^{८०} ॥ ध^{८१} व^{८२} न^{८३} र्ग^{८४} ग^{८५} षि^{८६}
^{को.गुति} का^{८७} । ला^{८८} डी^{८९} ली^{९०} म^{९१} न^{९२} दी^{९३} ना^{९४} य^{९५} । यि^{९६} य^{९७} ली^{९८} ॥ कू^{९९} ला^{१००} द^{१०१} नी^{१०२} ॥ ख^{१०३} ना^{१०४} ॥ क^{१०५} ना^{१०६} वी^{१०७} दी^{१०८} या^{१०९} । म^{११०} यू^{१११} नाली
^{जुअमू} य^{११२} म^{११३} र्ग^{११४} क^{११५} ॥ म^{११६} यी^{११७} ॥ ध^{११८} मा^{११९} सा^{१२०} नि^{१२१} वा^{१२२} स्या^{१२३} । द^{१२४} न^{१२५} ना^{१२६} ल^{१२७} ल^{१२८} सा^{१२९} नि^{१३०} वा^{१३१} । या^{१३२} म^{१३३} म^{१३४} दि^{१३५} ॥ सि^{१३६} दि^{१३७} ल

^{पुलक} ^{मजा} ^४ ^{१३} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}

॥ ७२ ॥

^{विं} ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}

कुंदरसि ४

बाल ४

वाधनकं कुम

कुन्दकुन्दरु॥ वालंकीवलवर्हि॥ दीवांकशम्भुनामव॥ कालानुसार्थवृद्धाश्म-
 पुष्यशीतजिवानिदु॥ लेलयंगलयर्गु॥ देयागन्धकूटीमूना॥ गन्धिनीगज
 हकातु॥ सुवहासुनरीनसा॥ मरुनक्षकुन्दरुकी॥ गलकीकादिनीगिव॥ ज्वन्तिका
 लामुहिकु॥ धातुकीधरुषिका॥ पृथीकावन्दुवालेला॥ निष्कटिर्बदलधसा॥
 सुआयकं विकारुत्क॥ कार्णगीविपुटाकुटि॥ वाधिकृषयात्रिणवा॥ वाय्यायाकल

॥ ७३ ॥

हरिपुष्पी ३

अवलसि ६

मूल्यर्ल॥ शैविनीयानपुष्पीमा॥ कृष्टिनीधविदुन्नक॥ आटांमलासठगाली॥
 गिवागंमलकीगिव॥ यथोउत्रीकपोउय॥ मथरुन्न॥ कुवनक॥ कुमि॥ कच्छ॥
 काननका॥ नंदीवृक्षधनादमी॥ वंजधनरुनीक्षम॥ दृष्यउगढहामका॥
 वाजयूर्धवायुनख॥ कनैजंजकुकात्रक॥ सुषिनाविडमगा॥ कयागीधिन्नदी
 नली॥ धमन्यजनकशीव॥ रुनूरुदविलाहिनी॥ शुकि॥ शैख॥ खल॥ काल॥ द

ल२

नकी ५

गुवरी ६

लनखमथरुकी ॥ कादीमस्मागुवत्रिका मृलालकसुनाडुज ॥ कठनटदशयून
 वालययत्रियलव ॥ सुव(मयून)अनर्द केवलीमूकानिच ॥ ग्रंथियर्क शु के
 वर्हि ॥ यूर्यभे (मयकृकृन) मनुमालातुयिगुना यृकादवीलगालयू ॥ समू
 डाकावधू ॥ काटि वर्गलंकायिकययि ॥ गयस्त्रिनीउठामासी ॥ उठिलालामसा मि
 बी ॥ लवकारंमुकठटुगं लवचानवनागकी ॥ कश्चूनकाडाविउक ॥ काल्यकाव

॥ ७४ ॥

धमूखाक ॥ आष(ध्वा)जागिमाशंमू नजगोसर्वभोषध ॥ आकाख्यपर्ययथादि
 गदूलीयात्यमानिष ॥ विगल्यागिगिखानना रुलितीशकयूथायि ॥ म्याद
 दगन्धचुगला न्यावगीवृद्धदानक ॥ ई (म)वाकी तुमस्याकी वयस्मासाम
 वल्लनी ॥ यूर्यधरेमवगी स्वर्णकीनीहिमावगी ॥ रुययूकी तुकाभ्याजी मा
 षयर्कमहासुहा ॥ पुंठिकनीनकरुल विविकायील्यययि ॥ वर्वनाकनीगुगी

हलकसाकनपका आदिबूहा
कंकाकउ. काटवभादिताक लन स कि हि स कं
तंग पु सि रु मि
भाक

वैला ५

वत्निष्ठान ५

तृतीय लिखान ४

खनयूष्याजगंधिका । नलायर्धु सुवहा नास्त्रायूकनसावसा ॥ वां (गनी चक्रिकाव
 न् ॥ ७ ॥ अम्बा सामुलाहिका । मरुसवधीचूक्रामु वगस ॥ ४ ॥ गवधयि ॥ नमस्कात्रीग
 दुकारी समं गखदिनीययि । जीवनी जीवनी जीवा जीवनी यामधुं ध्यसा ॥ कूर्च
 शीर्षामधूनक ॥ ४ ॥ गङ्गां गजीवका ॥ कि न न न गिका नूनिभा नार्यगिको थसफ
 ला ॥ विमला गगलाहनि रु नाचर्मकषययि । वा यमालीखादूनसा वयस्मा थ

॥ ७ ॥

इवन

दति ५

अजमूर

मूकूलक ॥ निकुम्हादनि काययक् (ग्रन्थ दम्बनयधयि । जूजभादा गूगम
 धा वेद द कृयमानिका ॥ मूल योक् न काष्मीनु यद्रयगति योक् न । ज्व
 थगिच नायद्रा चानटीयद्रवातिनी ॥ कायिल्ल कर्क गं ध्यन् न कां (गभाच
 नीययि । ययूना उह्मिगका दई युं ध्यकु मईक ॥ यद्राठ उन दाखा ध्य प
 लीरु सुसुकन्दक ॥ लगार्क इडमो गव रुनिग थम होषध ॥ लशुन गृजनाति

^{सिद्धि} ^{घात} ^{वृद्धकनधुवाक} ^{गुण} ^{मृग}
 मीठु मूलकं हिलमायिका। वासूकं शाकरवाऽस्य ईर्वातु शगराद्विका॥ मृदु मेवी
^{चतु} ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 र्याग्नयौ नूतनकोथसासिना। (नामीशागवीर्याव मधुनीगकुलादगः॥
^{मधुनामं} ^{कण्ठ} ^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 कृत्रिन्दाभयनामा मूला मूलाकर्म मिया। म्याहृद मूलाकागुधु वृजलाव क
^{नदमूला} ^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 लाचटा॥ वै (गल्लकानक मीन त्वविस्तार रुधजा॥ शगयव्यायवरुला वधूमल
^{नवप्रथम} ^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 नगजना॥ वधवः कीवकासस्य यस्तनकानिला च गः (विगल्लकानक मीन त्व

^{सिद्धि}
 विस्तार रुधजा॥ शगयव्यायवरुला वधूमल नगजना॥ विंदावः कीवको
^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 ग्रंथिर्नायवयव्युषी गुंडकजनकः शगः नजमुधमनः याट गलाथकागम
^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 मिया॥ ब्रह्मगन्धयाटगनः यूतमनिरुवल्जजा॥ नसाल ब्रह्महृदाः यूतः
^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 कान्तानकादयः॥ म्याडीनवीनगनः मूलम्याडीनममिया॥ जूरयनलदह
^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 वः ममलजलाशयः॥ लामऊकलपूलयः मवदारुषकायथः॥ नजदयसु
^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}

^{सिंह आदि} ^{कृष्ण}
 धर्मगर्भं चामाकयमस्वाजयि । जम्भीकूर्णकृत्वा दहं यद्विषमं च कुरुते ॥ यो
 न सो गीर्धिकं धाम ^{यत्तु स धाम} यवज्ज ^{यत्तु स धाम} कनो हिष । नृणां निरुणयल्लो ^{आल्लो} माला ^{आल्लो} नृणक ^{आल्लो} न
 सु (ध) ॥ शय्यां बाल ^{आल्लो} नृणां ^{आल्लो} धामा ^{आल्लो} यवमं ^{आल्लो} नृणमं ^{आल्लो} कूर्णं ^{आल्लो} नृणमं ^{आल्लो} संह ^{आल्लो} नि ^{आल्लो} सु ^{आल्लो} धामा ^{आल्लो} न ^{आल्लो} यो
 पुनरु ^{आल्लो} संह ^{आल्लो} नि ^{आल्लो} ॥ नृणां ^{आल्लो} ना ^{आल्लो} जा ^{आल्लो} क ^{आल्लो} य ^{आल्लो} लाला ^{आल्लो} नानि ^{आल्लो} कलं ^{आल्लो} मु ^{आल्लो} ली ^{आल्लो} ग ^{आल्लो} नी ^{आल्लो} । यो ^{आल्लो} य ^{आल्लो} पु ^{आल्लो} य ^{आल्लो} म ^{आल्लो} ॥ क
 मूका ^{आल्लो} नृ ^{आल्लो} वा ^{आल्लो} क ^{आल्लो} ॥ ख ^{आल्लो} य ^{आल्लो} न ^{आल्लो} म ^{आल्लो} पु ॥ रु ^{आल्लो} ल ^{आल्लो} मू ^{आल्लो} द ^{आल्लो} ग ^{आल्लो} म ^{आल्लो} न ^{आल्लो} च ^{आल्लो} हि ^{आल्लो} न ^{आल्लो} ल ^{आल्लो} स ^{आल्लो} हि ^{आल्लो} न ^{आल्लो} म ^{आल्लो} य ^{आल्लो} ॥ ख ^{आल्लो} कूर्ण

॥ ७७ ॥

^{३३} ^{कगकी} ^{गाल} ^{खरुसि} ^{१६५}
 न ॥ कगकी गाली ^{खरुसि} खरुनी ^{खरुसि} च ^{खरुसि} नृण ^{खरुसि} इ ^{खरुसि} मा ॥ ॥ गृ ^{खरुसि} नि ^{खरुसि} व ^{खरुसि} नो ^{खरुसि} व ^{खरुसि} धि ^{खरुसि} व ^{खरुसि} र्ग ^{खरुसि} ॥ ॥ सिंह
 म ^{खरुसि} (ग ^{खरुसि} नृ ^{खरुसि} ॥ य ^{खरुसि} च ^{खरुसि} धामा ^{खरुसि} द ^{खरुसि} र्य ^{खरुसि} क ^{खरुसि} ॥ क ^{खरुसि} ग ^{खरुसि} नी ^{खरुसि} द ^{खरुसि} नि ॥ ग ^{खरुसि} इ ^{खरुसि} ल ^{खरुसि} वी ^{खरुसि} पि ^{खरुसि} नो ^{खरुसि} वा ^{खरुसि} य ^{खरुसि} न ^{खरुसि} इ ^{खरुसि} मु ^{खरुसि} म ^{खरुसि} ग ^{खरुसि} द ^{खरुसि} न ॥
 ॥ व ^{खरुसि} ना ^{खरुसि} द ^{खरुसि} ॥ धू ^{खरुसि} क ^{खरुसि} ना ^{खरुसि} य ^{खरुसि} सि ^{खरुसि} ॥ का ^{खरुसि} ल ^{खरुसि} ॥ पा ^{खरुसि} यी ^{खरुसि} कि ^{खरुसि} नि ॥ कि ^{खरुसि} ठि ॥ द ^{खरुसि} इ ^{खरुसि} धा ^{खरुसि} नी ^{खरुसि} रु ^{खरुसि} द ^{खरुसि} ना ^{खरुसि} मा ^{खरुसि} का
 ज ^{खरुसि} ल ^{खरुसि} द ^{खरुसि} न ^{खरुसि} ॥ य ^{खरुसि} धि ॥ क ^{खरुसि} पि ॥ य ^{खरुसि} व ^{खरुसि} ग ^{खरुसि} ॥ य ^{खरुसि} व ^{खरुसि} ग ^{खरुसि} ॥ ग ^{खरुसि} म ^{खरुसि} म ^{खरुसि} व ^{खरुसि} ली ^{खरुसि} म ^{खरुसि} र ^{खरुसि} वा ॥ म ^{खरुसि} क ^{खरुसि} ॥ य ^{खरुसि} वा ^{खरुसि} न ^{खरुसि} न
 की ^{खरुसि} ॥ ग ^{खरुसि} म ^{खरुसि} व ^{खरुसि} नो ^{खरुसि} का ^{खरुसि} ज ^{खरुसि} थ ^{खरुसि} र ^{खरुसि} लू ^{खरुसि} क ॥ म ^{खरुसि} क ^{खरुसि} ॥ क ^{खरुसि} र ^{खरुसि} ल ^{खरुसि} र ^{खरुसि} लू ^{खरुसि} का ^{खरुसि} ग ^{खरुसि} धु ^{खरुसि} क ^{खरुसि} ख ^{खरुसि} ड ^{खरुसि} ख ^{खरुसि} ड ^{खरुसि} नि ^{खरुसि} ॥ ल ^{खरुसि} ला

^{सामान्य हंस} सुखगगन ^४ कांममानसो कस ^{नाज हंस} नाज देसा मुगवचू चन ^{हो} हो दिने ^{सिगा} सिगा ^{१६१}
^{१६२} मलिनेर्मलिकारवा ^{हो} ह ^{नाय हंस} धर्क ^{१६३} ना ^{१६४} सिग ^{१६५} गने ^{१६६} शनानि ^{१६७} ना ^{१६८} टि ^{१६९} ना ^{१७०} नि ^{१७१} वला ^{१७२} का ^{१७३} विसक ^{१७४}
^{१७५} ठिका ^{१७६} ॥ ^{१७७} देस ^{१७८} स्या ^{१७९} था ^{१८०} वि ^{१८१} द ^{१८२} न ^{१८३} ठा ^{१८४} ॥ ^{१८५} सान ^{१८६} स ^{१८७} स्य ^{१८८} नु ^{१८९} ल ^{१९०} क ^{१९१} ॥ ^{१९२} ज ^{१९३} तु ^{१९४} का ^{१९५} जि ^{१९६} न ^{१९७} य ^{१९८} ग ^{१९९} स्या ^{२००} ॥ ^{२०१} स्या ^{२०२} ना ^{२०३} श्री ^{२०४} ने ^{२०५} ल ^{२०६} य ^{२०७}
^{२०८} यिका ^{२०९} ॥ ^{२१०} वर्ध ^{२११} ध ^{२१२} म ^{२१३} दिका ^{२१४} नी ^{२१५} ला ^{२१६} ॥ ^{२१७} स ^{२१८} न ^{२१९} द्या ^{२२०} म ^{२२१} धू ^{२२२} म ^{२२३} दिका ^{२२४} ॥ ^{२२५} य ^{२२६} न ^{२२७} गिका ^{२२८} य ^{२२९} लिका ^{२३०} स्या ^{२३१} ॥ ^{२३२} द ^{२३३} श ^{२३४} मु ^{२३५} व ^{२३६} न ^{२३७} म ^{२३८}
^{२३९} दिका ^{२४०} ॥ ^{२४१} द ^{२४२} शी ^{२४३} ग ^{२४४} क ^{२४५} णि ^{२४६} न ^{२४७} ल्या ^{२४८} स्या ^{२४९} ॥ ^{२५०} क ^{२५१} ॥ ^{२५२} नी ^{२५३} व ^{२५४} न ^{२५५} ठा ^{२५६} द ^{२५७} य ^{२५८} ॥ ^{२५९} द ^{२६०} श ^{२६१} नी ^{२६२} मी ^{२६३} नू ^{२६४} का ^{२६५} वी ^{२६६} नी ^{२६७} ॥ ^{२६८} मि ^{२६९} लि ^{२७०} का ^{२७१}
^{२७२} म ^{२७३} स ^{२७४} क ^{२७५} ॥ ^{२७६} य ^{२७७} कि ^{२७८} का ^{२७९} लि ^{२८०} स्या ^{२८१} ॥ ^{२८२} द ^{२८३} शी ^{२८४} नी ^{२८५} म ^{२८६} क ^{२८७} ल ^{२८८} म ^{२८९} द ^{२९०} श ^{२९१} ॥ ^{२९२} उ ^{२९३} ल ^{२९४} य ^{२९५} स्या ^{२९६} क ^{२९७} ॥ ^{२९८} उ ^{२९९} द ^{३००} श ^{३०१} का ^{३०२} व ^{३०३} लि ^{३०४} न ^{३०५} ॥

^{लपवाकी उ} चस ^{का वेशि २} मा ^१ ॥ ^२ स ^३ मो ^४ य ^५ न ^६ ग ^७ श ^८ ल ^९ श ^{१०} ॥ ^{११} स्व ^{१२} द्या ^{१३} ना ^{१४} क ^{१५} णि ^{१६} नि ^{१७} ग ^{१८} द ^{१९} ॥ ^{२०} म ^{२१} धू ^{२२} व ^{२३} ग ^{२४} म ^{२५} धू ^{२६} क ^{२७} ना ^{२८} ॥ ^{२९} म ^{३०} धू ^{३१} लि ^{३२}
^{३३} द ^{३४} धू ^{३५} प ^{३६} लि ^{३७} न ^{३८} ॥ ^{३९} दि ^{४०} न ^{४१} र ^{४२} य ^{४३} प ^{४४} लि ^{४५} ॥ ^{४६} व ^{४७} द ^{४८} न ^{४९} म ^{५०} ना ^{५१} ल ^{५२} य ^{५३} ॥ ^{५४} म ^{५५} यू ^{५६} ना ^{५७} व ^{५८} र्दि ^{५९} ॥ ^{६०} व ^{६१} र्दी ^{६२} नी ^{६३} ल ^{६४}
^{६५} क ^{६६} ॥ ^{६७} अ ^{६८} नु ^{६९} ज ^{७०} ग ^{७१} नु ^{७२} क ^{७३} ॥ ^{७४} शि ^{७५} खा ^{७६} व ^{७७} ल ^{७८} ॥ ^{७९} शि ^{८०} खा ^{८१} के ^{८२} की ^{८३} ॥ ^{८४} म ^{८५} य ^{८६} ना ^{८७} दा ^{८८} नू ^{८९} ला ^{९०} स्या ^{९१} यि ^{९२} ॥ ^{९३} क ^{९४} का ^{९५} वा ^{९६} णी ^{९७} म ^{९८} यू ^{९९} न ^{१००}
^{१०१} स्या ^{१०२} ॥ ^{१०३} स ^{१०४} मो ^{१०५} च ^{१०६} न ^{१०७} द ^{१०८} क ^{१०९} म ^{११०} व ^{१११} को ^{११२} ॥ ^{११३} शि ^{११४} खा ^{११५} नू ^{११६} ज ^{११७} शि ^{११८} खा ^{११९} उ ^{१२०} म ^{१२१} ॥ ^{१२२} यि ^{१२३} क ^{१२४} व ^{१२५} र्द ^{१२६} न ^{१२७} यू ^{१२८} स ^{१२९} क ^{१३०} ॥ ^{१३१} स्व ^{१३२} ग ^{१३३} वि ^{१३४} द ^{१३५}
^{१३६} ग ^{१३७} वि ^{१३८} द ^{१३९} ग ^{१४०} म ^{१४१} वि ^{१४२} द ^{१४३} य ^{१४४} स ^{१४५} ॥ ^{१४६} स ^{१४७} क ^{१४८} नि ^{१४९} य ^{१५०} दि ^{१५१} श ^{१५२} क ^{१५३} नि ^{१५४} ॥ ^{१५५} श ^{१५६} क ^{१५७} न ^{१५८} श ^{१५९} क ^{१६०} न ^{१६१} दि ^{१६२} जा ^{१६३} ॥

^{मगल} यनयिययियनगं यनत्यननथां उजाशं नमो कावाजिविकिनं विविक्किनयनगं
^{नवमगल २६} य॥ नी अठवा गत्र लनः यिचु नानरु संगमा ॥ गवा विगवा हानीना मकु ॥
^{गोखरवो वाउमगल वाउकाय} कानउव ॥ सुव ॥ गिरि निः ककु शलावा जीवं जीव ॥ थकानक ॥ कायविकि ॥
^{मिमिकु यगवति विमवाट वरुआदि} दितका वरु का वरु का दय ॥ गत्र लन दकु दय ॥ यगं यगं वन नूनरु ॥ मीयद निः
^{पयू २ ॥ २ ॥ ल्या ० ॥ ३ ॥ ३ ॥ खउ} यदमूलं च वृक्षाटि रुरु मियो यती नाडी न संती ना नयना ॥ खगग नि किं या ॥ य
^{विदाय अवाय मंगलकयाअय}

॥ ५२ ॥

७२

^{खउ २} गी काया दिदी नं दुं कलाया नी उम मियो ॥ या न ॥ या का रं का रं रं ॥ यथू क ॥
^{मग लयामवा मीप्रमथन} वक ॥ शि शु ॥ मीयू मी मिथून नंदं दं यू मनु यू गलं यू गं ॥ समूह निरु वे वरु ॥
^{मनावधान} दारु विमन वजा ॥ मी मोय नि कन वान वान सं द्या ट सं दया ॥ समू दय ॥ समू दय ॥
^{मवलावगल २२ ॥ अगयूरम कवेभान ॥ प्रागिसमूह} समवाय ॥ थया गद ॥ मियो गु सं रु नि वृ न्दं नि कन नंदं क दम्व कं ॥ वृ न्दं रं द ॥ म
^{खजातिवधन वकान-अन} वृ ग्गं ॥ सं दया ॥ थो गु ऊ नु रि ॥ मजा नी थ ॥ कलं यू थं गिन ॥ थं यू न यू म कं ॥ यशू नां
^{मगल हक्ति हलीन आदि वधन चूथ अय}

^{मनुष्य आदिमदसमाज}
^{पशुमनुष्य} मआन्यवां ^{यवउधर्मदृष्ट} समाअथमधर्मिणं । ^{मनुष्यवर्धन} स्यान्निकायः ^{वाजादि} पूजनाशी ^३ रूक्मनः ^{१३} कूटमसि ^{१५} यी ॥
^{वर्षवर्ध} कायाग ^{१६} (१) केसायून् ^{१७} गेलिनादीनिग ^{१८} (६) । ^{१९} गृहमेका ^{२०} यद्विमृष्टा ^{२१} (२२) कास्मिन् ^{२३}
^{मृगादिः} ककाश्चनं ॥ ^{२४} ॥ ^{२५} गिर्हिदादिवर्जः ॥ ^{२६} ॥ ^{२७} मनुष्यामानुषामर्था ^{२८} मनुजामा ^{२९}
^६ नवाननाः ॥ ^{३०} सूर्यमासः ^{३१} यंचकनाः ^{३२} यूरवाः ^{३३} यूरवाः ^{३४} यूरवाननः ॥ ^{३५} मीथाषिदवला ^{३६}
^{३७} यावा ^{३८} नानीमीमकिनीवधूः ^{३९} युगीयदुर्गिनीवामा ^{४०} व ^{४१} तामहिलानथा ॥ ^{४२} विहाय ^{४३}
^{४४}

॥६३॥

॥१॥

^{लीडमिता} स्व ^{१५} नारी ^{१६} नृ ^{१७} कामिनी ^{१८} वामला ^{१९} चना ॥ ^{२०} पुमदारगतिनी ^{२१} काना ^{२२} ललना ^{२३} चनिग ^{२४}
^{२५} म्विनी ॥ ^{२६} सुन्दरी ^{२७} नमधा ^{२८} नामा ^{२९} कायना ^{३०} मेवरा ^{३१} निनी ^{३२} वना ^{३३} ना ^{३४} दामरु ^{३५} कासि ^{३६} न्यु ^{३७}
^{३८} रुमा ^{३९} वन ^{४०} वद्विनी ॥ ^{४१} कना ^{४२} रिष ^{४३} काम ^{४४} दिषी ^{४५} अगि ^{४६} न्या ^{४७} न्या ^{४८} नृ ^{४९} य ^{५०} म्रिय ^{५१} ॥ ^{५२} पत्नी ^{५३} या ^{५४} शिग ^{५५}
^{५६} ही ^{५७} नी ^{५८} च ^{५९} द्विनी ^{६०} या ^{६१} म ^{६२} रु ^{६३} ध ^{६४} मि ^{६५} धी ॥ ^{६६} लया ^{६७} जा ^{६८} या ^{६९} थ ^{७०} पू ^{७१} र ^{७२} मि ^{७३} दा ^{७४} ना ^{७५} ॥ ^{७६} म्पारु ^{७७} क ^{७८} दु ^{७९} म्विनी ॥ ^{८०}
^{८१} पुन ^{८२} न्यी ^{८३} सु ^{८४} च ^{८५} नि ^{८६} ग ^{८७} तु ^{८८} म ^{८९} ती ^{९०} सा ^{९१} धी ^{९२} य ^{९३} नि ^{९४} व ^{९५} ना ॥ ^{९६} क ^{९७} न ^{९८} सा ^{९९} य ^{१००} ति ^{१०१} का ^{१०२} धू ^{१०३} र ^{१०४} धि ^{१०५} दि ^{१०६} न्ना ^{१०७} थ ^{१०८} स ^{१०९}

जागि

^{स्वयं वन} यम्यना । ^{पुनः पुनः} यगि म्यना च वया च ^{कलसी} कूलसी ^{कलया} कलया लिका ॥ ^{कल्या} के न्या ^{कुमा} कुमात्री ^{मेत्री} मेत्री तु न
^{नागना} णिका १ ^{नागना} नागना ^{लेवा} लेवा । ^{मधमा} मधमा ^{दृष्ट} दृष्ट न ^{सुनू} सुनू ^{दी} दी ^{युवनि} युवनि १ ^{सम} सम ॥ ^{समा} समा १ ^{स्त} स्त
^{वाजनी} वाजनी ^{वध} वध ^{स्थिति} स्थिति ^{दी} दी ^{सुख} सुख ^{वाहिनी} वाहिनी ॥ ^{द्व} द्व ^{वागी} वागी ^{कामू} कामू ^{काम्या} काम्या ^{दृष} दृष ^{मयी} मयी ^{तु} तु ^{को} को
^{मूकी} मूकी ॥ ^{काना} काना ^{थिनी} थिनी ^{तु} तु ^{माया} माया ^{नि} नि ^{सी} सी ^क क ^न न ^{सा} सा ^{रि} रि ^{सा} सा ^{निका} निका ॥ ^{यु} यु ^{स्थ} स्थ ^{ली} ली ^ध ध ^{पि} पि ^{दी} दी ^{वन्ध} वन्ध ^क क ^स स
^{नी} नी ^{कूल} कूल ^ट ट ^{लवनी} लवनी ॥ ^{स्वे} स्वे ^{नि} नि ^{दी} दी ^{यां} यां ^{शु} शु ^{ला} ला ^च च ^{म्या} म्या ^द द ^{मि} मि ^{थी} थी ^{मि} मि ^{शु} शु ^{ना} ना ^{वि} वि ^{ता} ता ॥ ^{जु} जु ^{वी} वी ^{ना} ना ^{नि} नि ^{या} या ^{नि} नि

^{विधवा} सुग ॥ ^{विध} विध ^व व ^{सम} सम ॥ ^{जा} जा ^{लि} लि १ ^{सखी} सखी ^{वय} वय ^{म्या} म्या ^च च ^{यगि} यगि ^व व ^{ली} ली ^स स ^र र ^ट ट ^{का} का ॥ ^{वृ} वृ ^{द्धा} द्धा
^{यति} यति ^{क्री} क्री ^{या} या ^{हू} हू ^{तु} तु ^व व ^{हू} हू ^{या} या ^{हू} हू ^{तु} तु ^ध ध ^म म ^{नि} नि ॥ ^{शू} शू ^{डी} डी ^{शू} शू ^उ उ ^{म्य} म्य ^य य ^{या} या ^{म्या} म्या ^{वृ} वृ ^{डा} डा ^न न ^{जा} जा ^{नि} नि ^व व
^व व ॥ ^{जु} जु ^{ली} ली ^{तु} तु ^म म ^{रु} रु ^{शू} शू ^{डी} डी ^{जा} जा ^{नि} नि ^{यू} यू ^{था} था ^ग ग ^{था} था १ ^{समा} समा १ ॥ ^{जा} जा ^{या} या ^{दी} दी ^{स्व} स्व ^य य ^{मा} मा ^{या} या ^{म्या} म्या ^न न ^द द
^{प्रिया} प्रिया ^द द ^{प्रिया} प्रिया ^ध ध ^{यि} यि ॥ ^उ उ ^{या} या ^ध ध ^{या} या ^{यू} यू ^{या} या ^ध ध ^{यी} यी ^{म्या} म्या ^{दा} दा ^{वा} वा ^{या} या ^{थि} थि ^व व ^{स्व} स्व ^न न १ ॥ ^{जु} जु ^{वा} वा ^{या} या ^{दी} दी
^{तु} तु ^{यू} यू ^{था} था ^ग ग ^{म्या} म्या ^द द ^{थी} थी ^द द ^{प्रिया} प्रिया ^न न ^थ थ ॥ ^उ उ ^{या} या ^ध ध ^{या} या ^{नू} नू ^{या} या ^ध ध ^{यी} यी ^{या} या ^न न ^{ली} ली ^{यू} यू ^म म ^ल ल ^द द ^ध ध ॥ ^{वी} वी

वीनयासी

वीनपुनःपयामास

४ नकमचावृत्तसी

कृदिनी

नयलीवीनराया वीनमागुवीनसू॥ जाताययायजागाव॥ यसूगावयसूगिका॥ सी
 नग्निकाकाटवीसा इनीसं चानिकसम॥ कायायनोद्वृद्धाया कायायवसनाधवा
 ॥ सेनधायनवसमसा स्ववसमगिल्यकानिका॥ जगिक्रीसादवृद्धाया यथाक॥ यू
 नचानिधी॥ वानसी गहिकावसम॥ नूयाजीवीथसाउने॥ सत्कनवानमूखासा॥ ल
 इनीमंरलीसम॥ वियग्निकात्वीदहिका॥ देवहाथनउसला॥ सीधमिधविनाशयी॥

७७

मलिनीयूष्यवययि॥ अगुमययूदकाथ॥ साडउ॥ यूष्यमाकर्व॥ शुद्धालुद्ध
 दवती॥ नि॥ कलायिगगरुवा॥ जायनसत्वासाडुवि॥ धनकर्वनीचगर्विनी॥ ग
 हिकादसुमहिक॥ गमर्वि॥ धयोचनं॥ ध॥ यूनवृ॥ दिधिवू॥ रू॥ दिमसादिधिवू
 ॥ यगि॥ सु॥ द्वि॥ अ॥ दिधिवू॥ सेवयसु॥ क॥ रू॥ मिनी॥ का॥ नीन॥ क॥ न॥ का॥ जा॥ ग॥ सु॥ ग
 थ॥ शु॥ र॥ म॥ सु॥ ग॥ सो॥ रा॥ गि॥ न॥ य॥ ॥ सा॥ त्या॥ न॥ मे॥ ला॥ य॥ सु॥ य॥ न॥ मि॥ य॥ ॥ ॥ ये॥ र॥ च॥ स॥ य॥ ॥ सा॥ त्ये

निजियाकाय

अमाचमायाकाय

८. स्वमीयं॥ ययि८॥ स्वमी॥ सुगामा८॥ स्वमी॥ वेव॥ वेमा८॥ याविमा८॥ ४॥ अथवा८॥
 क नय॥ ४॥ द॥ चूल॥ ४॥ मगी॥ सुग॥ ४॥ कोल८॥ य॥ कोल८॥ न॥ हि८॥ की८॥ सुगी॥ यदि॥
 नदा८॥ कोल८॥ टि८॥ नया॥ ४॥ कोल८॥ या८॥ पि८॥ वा८॥ म८॥ ४॥ आ८॥ म८॥ उ८॥ सु८॥ नय॥ ४॥ सु८॥ न८॥ सु८॥ ग८॥ यू८॥ यः॥
 क्रिय८॥ स्वमी॥ ॥ आ८॥ द८॥ द८॥ हि८॥ न८॥ सु८॥ व८॥ य८॥ का८॥ क८॥ न८॥ या८॥ ४॥ समा॥ ॥ स्व८॥ जा८॥ न८॥ त्यो८॥ न८॥ मो८॥ न८॥ म्यो॥
 गा८॥ न८॥ सु८॥ उ८॥ न८॥ क८॥ यि८॥ न॥ ॥ उ८॥ न८॥ यि८॥ यि८॥ सु८॥ मी८॥ गा८॥ ॥ उ८॥ न८॥ नी८॥ र८॥ मि८॥ नी८॥ स्व८॥ मा८॥ ॥ न८॥ न८॥ द्या८॥ तु८॥ स्व८॥ मा८॥

॥५५॥

ह्याचक्रय २

दाशकिजायास्त्रीपनिध्व२यागनधाय

ययू॥ न८॥ की८॥ यो८॥ नी८॥ सु८॥ ग८॥ म८॥ ४॥ ॥ ला८॥ या८॥ सु८॥ जा८॥ न८॥ व८॥ र्म८॥ सु८॥ ॥ या८॥ न८॥ न८॥ ४॥ सु८॥ ४॥ य८॥ न८॥ स्य८॥ न८॥ ॥ यु८॥ जा८॥ व८॥
 नी८॥ जा८॥ न८॥ ४॥ या८॥ ॥ मा८॥ तु८॥ ला८॥ नी८॥ तु८॥ मा८॥ तु८॥ ली८॥ ॥ य८॥ गि८॥ य८॥ त्वा८॥ ४॥ य८॥ सु८॥ ४॥ य८॥ ४॥ ४॥ य८॥ न८॥ सु८॥ यि८॥ ना८॥ न८॥ या८॥
 ४॥ यि८॥ न८॥ या८॥ न८॥ यि८॥ न८॥ वा८॥ ४॥ ॥ मा८॥ तु८॥ कु८॥ ना८॥ तु८॥ मा८॥ तु८॥ ल८॥ ४॥ ४॥ मा८॥ ला८॥ सु८॥ र्ग८॥ न८॥ न८॥ ४॥ य८॥ त्वा८॥ ४॥ ४॥ स्वा८॥ मि८॥
 ना८॥ द८॥ व८॥ द८॥ व८॥ नो८॥ ॥ स्व८॥ मी८॥ या८॥ ला८॥ मि८॥ न८॥ य८॥ ४॥ ॥ मा८॥ मा८॥ ना८॥ द८॥ हि८॥ तु८॥ ४॥ य८॥ गि८॥ ४॥ ॥ यि८॥ ना८॥ म८॥ रु८॥ ४॥ यि८॥ न८॥ यि८॥
 ना८॥ न८॥ ल्यि८॥ ना८॥ य८॥ यि८॥ ना८॥ म८॥ रु८॥ ४॥ ॥ मा८॥ तु८॥ मी८॥ ना८॥ म८॥ रु८॥ द्या८॥ व८॥ ॥ सु८॥ यि८॥ ना८॥ सु८॥ ना८॥ द८॥ य८॥ ४॥ ॥ सु८॥ मा८॥ ना८॥ द८॥ य८॥ मा८॥

कमचक्रि

^{१ छिन्नो लके च} ^{कश्च वेत्तक कश्च} ^{सामकथी ३}
 दि का ॥ किलास सिध के कुतु यामयामा विवर्द्धिका ॥ केतु ॥ खरू ॥ च केतु या ॥
^{गवकथी} ^{चलनिकः ॥ यी २} ^{यान ३} ^{ध्यात्रिक} ^{घाल गी ध्यात्रिक}
 विस्तर ॥ यिठ क मिषू ॥ उ (ध) मि या मी र्म मन् ॥ की व नौ जी व द ॥ यू मान ॥
^{वाक २ या द क व क र} ^{गायु च्या क २} ^{मल म ग वं ध प्रा ग २} ^{॥ ३ ॥}
 का (ध) म धु ल के कू ष ॥ वि थ ई नाम का र्ण मी ॥ ज्ञाना रु मु वि व न्ध ॥ स्या गुरु व
^{गहनो १} ^{गहनी भाग १} ^{थी व गे २} ^{अम की व व} ^{विदधि भाग}
 न कु वा रि का ॥ य च्छु दि का व मि ष्व मी ॥ यू मा रु व म थू ॥ स मा ॥ वा धि रु दा वि
^{कै सु १} ^{महन १} ^{लिनि गि} ^{मिहिनि भाग} ^{अकषा द न १} ^{ज्ञाना वा च्य निग}
 उ धि ॥ मी ॥ दान म रु ह म न्द ना ॥ जू ष म नी मू य क च्छु स्या ॥ तू र्व शु का व ध मि
^{मार्गि ह अं द न क न} ^{मृग २ ल} ^{पञ्चा ह व गे ल ग द न}

^{वेद्य ५} ^{नाग नाल ल ल}
 पू ॥ ना ग रु य गै रं य ग द का ना रि य (वे द्यो वि कि ल क ॥ ब र्ण नि ना म य
^३ ^{नाग भाग १} ^{नृ ला हा क ड ला} ^{प्रागी}
 ॥ क ह्य उ ला था नि र्ग ना ग दा ग ॥ ग्लान ग्लान्ता ज्ञा म या वी वि दू षा वा धि ना य
^{अग्नि भाग १} ^७ ^{ककुल ला क २} ^{इड ककुल ला क ला २}
 दू ॥ जू तु ना य यि ग ल्या न ॥ स मा या म न क च्छु नो ॥ द ड (ध) ड ड प्रा गी सा
^{अर्ध भाग १} ^{वाग प्रा गी} ^१ ^१ ^१
 द (ध) ना ग य गै रं स ॥ वा ग की वा ग प्रा गी स्या ॥ सा नि सा ना नि सा न की ॥ स्यू ॥
^{मिखा व ल क ४} ^{मिखा स्या क} ^{हाय चा व} ^१ ^१ ^१
 कि म्ना के वू ल चि ल्ला ॥ कि नै दि वा य मी ॥ उ न ल उ न्मा द व नि ॥ (ध) षा द (ध) ष
^{पि ला १}

इगथयाकाच

कामनकाच महामख

वाकायाकाच

सि तु क (अ नू का) ॥ गि त्रा सु नि क त्रा टि ॥ मी ॥ या ॥ र्वा सु नि तु या ॥ शु का ॥ जूं गं यु नि
 का व य वा ॥ व य ना थ क ल व र ॥ ग म र्ग व य ॥ मं र न न ॥ ग नी र व र्षा वि ग र ॥ १
 का या द र ॥ क्री व य ॥ सा ॥ सि या मू र्ति सु नू सु नू ॥ या दा गं य य द या द ॥ य दं यि ध
 न (स मि या) ॥ ग रु थि यू टि क गु र्वा ॥ य मा या वि न ध रु था ॥ जं या तु य र ग जा
 नू ॥ य र्वा षी व द मि या ॥ स वि क्री व य मा नू ॥ सु र्वा धि ॥ य र्वा वं द व ॥ ग र्द ल

पानपान ३

स्यरुनका लिंगनथवमका

रुनकि २

जं

कनचुक

यान या यू नो व सि नो र न (धा द था) ॥ क र ना (अ ति रु न कं क टि ॥ अ ति ॥ क क
 अ गी ॥ य र्वा नि ग म्ब ॥ मी क द्या ॥ क्री व गु ज य न यून ॥ कृ य को गु नि ग म्ब र्वा ॥ द
 य री न कू र्द न ॥ सि या सि रं क टि या थ ॥ व य रु व द मा व या ॥ र गं या नि र्द
 या ॥ गि (अ म्म म्म रु न (ग र्वा र सी ॥ मू का रु का वृ ष ण ॥ य र्वा वं ग म ध न र्वा
 यि वि धु कू दी ज ॥ ना द न नू द रु नो कू यो ॥ वृ व क नू कू वा र्वा र्वा न ना का उ

^{लाहावद्वर्गिन ५} तुजा कर्न । ^{नमल} उभावत्सं वव कः ^{इदमेवा} यः ^{वाहल २} पृष्ठं नु च न मन ना ॥ ^{२ ज} एक (न्धा) तुज गिनी सांसी ^{वाहल २}
^{५१} संधी न हो व ^{वाहया संधि} अरु ^{या क} धी । ^{वा क} वा क मूल उ हो क को ^{१३} या ^{लाहा} र्व म सी ^{वृत्ता २} ग या न व ॥ म ध म वा
^{उठया} व ल ग न ^२ य म ^{ल क द न} (धा) सी ^{ला क च} दो य नो द या ॥ तुज वा क य व ^{३ पोलाहा} षो दा ॥ ^{वाला पवी} सा ^१ क ^१ ख नि रु
^{काचलान वृत्ता चलन} क ^५ र्य न ॥ ^१ जू ^{१३} स्या ^{१३} य ^{१३} नि ^{१३} य ^{१३} ग ^{१३} धु ॥ ^{१३} स्या ^{१३} त्य ^{१३} का ^{१३} ष ^{१३} रु ^{१३} स्या ^{१३} वा ^{१३} य ^{१३} ध ॥ म नि वं ध दा क
^१ नि ^१ ष ^१ क न स्य क न हो व रि ॥ ^१ यं ^१ च ^१ ष ^१ म ^१ र ^१ व ॥ ^१ ग ^१ य ॥ ^१ या ^१ नि ^१ रु ^१ ऊ ^१ नी ^१ स्या ^१ त्य ^१ द ^१ गिनी

१२

^{लाहा पर्वि} ॥ ^१ जू ^१ गु ^१ ल ॥ ^१ क ^१ न ^१ ष ^१ म ^१ र ^१ व ॥ ^१ स्य ^१ ॥ ^१ यं ^१ स्यं ^१ गु ^१ ष ^१ ॥ ^१ य ^१ द ^१ गिनी ॥ ^१ म ^१ ध ^१ म ^१ न ^१ म ^१ ि ^१ का ^१ वा ^१ यि
^{विकला पर्वि} क ^१ नि ^१ ष ^१ वा ^१ च ^१ नि ^१ गा ^१ ॥ ^१ क ^१ मा ^१ न ॥ ^१ यून ^१ र्क ^१ व ^१ ॥ ^१ क ^१ न ^१ नू ^१ र ^१ ॥ ^१ न ^१ र ^१ वा ^१ सी ^१ न ^१ र ^१ व ^१ त्रा ^१ मि ^१ यां ॥ ^१ या
^{विपना} द ^१ ग ^१ ग ^१ ल ^१ (म ^१ क ^१ ध ^१ रु ^१ ऊ ^१ ना ^१ दि ^१ य ^१ न ^१ न ॥ ^१ जू ^१ गु ^१ ष ^१ रु ^१ क ^१ नि ^१ ष ^१ स्या ^१ दि ^१ न ^१ सि ^१ द ^१
^१ द ^१ ग ^१ गु ^१ ल ॥ ^१ या ^१ (ध ^१ मे ^१ च ^१ य ^१ द ^१ य ^१ न ^१ ल ^१ य ^१ रु ^१ रु ^१ वि ^१ रु ^१ ग ^१ गु ^१ लो ॥ ^१ दो ^१ स ^१ द ^१ गो ^१ स ^१ द ^१ न ^१ ल ^१ य
^१ न ^१ लो ^१ वा ^१ म ^१ द ^१ दि ^१ (ध ^१ मे ॥ ^१ या ^१ नि ^१ नि ^१ क ^१ रु ^१ ॥ ^१ य ^१ स ^१ ग ^१ लो ^१ यून ^१ व ^१ अ ^१ लि ॥ ^१ यून ^१ मा ^१ न ॥ ^१ य ^१ का ^१ ष

^{कृच्छि २} विष्णु गकना ^{श्रुक्छि} रुक्मामुद्या ^{नि१} युवद्वया ^{विकलाकृच्छि} । सनति ^८ म्यादन ^८ मुनि ^८ कनिष्ठनमूक्षिन् ^८
^८ वामावाका ^८ सुकनथा ^८ सुनथा ^८ सिर्यगनन ^८ । उर्वविष्णु गदा ^८ यावि ^८ नृमा ^८ धः ^८
^८ यो नृषयिषू ^८ ॥ क ^८ (८) गलाथग्रीवाया ^८ निनाधि ^८ कधनययि ^८ । कमूग्रीवागिन ^८ ॥ १३ ॥
^८ खासा ^८ वदू ^८ धीके ^८ टेकाटिका ^८ । वकु ^८ सावदन ^८ गुंठ ^८ मानन ^८ लयन ^८ मूर्ख ^८ ॥ क्री ^८ व ^८
^८ या ^८ धी ^८ गंधवदो ^८ या ^८ धना ^८ सा ^८ चना ^८ शिका ^८ । ॐ ^८ धा ^८ धनो ^८ पुन ^८ दन ^८ सु ^८ दौ ^८ द ^८ न ^८ वा ^८ स ^८

^{मन} शि ^८ ॥ जू ^८ द ^८ ॥ म्या ^८ चि ^८ वृ ^८ क ^८ ग ^८ ज ^८ क ^८ या ^८ लो ^८ ग ^८ ल्य ^८ ना ^८ रु ^८ नू ^८ ॥ न ^८ द ^८ ना ^८ द ^८ श ^८ ना ^८ द ^८ ना ^८ न ^८ द ^८ ना ^८ ल ^८
^८ ठु ^८ का ^८ कू ^८ द ^८ ॥ न ^८ म ^८ ह ^८ न ^८ म ^८ ना ^८ जि ^८ क्का ^८ । या ^८ ना ^८ वा ^८ ष ^८ म ^८ ह ^८ क ^८ णी ^८ । ल ^८ ला ^८ ट ^८ म ^८ लि ^८ क ^८ (म ^८ धि ^८)
^८ नू ^८ द ^८ द ^८ म्या ^८ यु ^८ वा ^८ मि ^८ यो ^८ ॥ कू ^८ च ^८ म ^८ मु ^८ यु ^८ वा ^८ म ^८ ध ^८ । ना ^८ न ^८ का ^८ दू ^८ ॥ क ^८ नी ^८ ति ^८ का ^८ । ला ^८ च ^८ न ^८
^८ न ^८ य ^८ न ^८ न ^८ य ^८ मी ^८ क ^८ ध ^८ व ^८ दू ^८ न ^८ कि ^८ णी ^८ । दृ ^८ म् ^८ द ^८ सी ^८ वा ^८ ग ^८ न ^८ य ^८ म् ^८ ना ^८ द ^८ न ^८ वा ^८ ग ^८ म ^८ व ^८ ॥
^८ जू ^८ या ^८ (म ^८ न ^८ य ^८ या ^८ न ^८ को ^८) क ^८ ण ^८ को ^८ या ^८ ग ^८ द ^८ धी ^८ न ^८ । क ^८ ध ^८ ण ^८ द ^८ ग ^८ द ^८ हो ^८ (ग ^८ र ^८) ॥ ८ ^८ मि ^८ ॥ ८ ^८ मि ^८

गवर्णं शवः॥ उरुमार्गं शिरः॥ शीर्षं मूर्धनामसु कामिया॥ चिकुनः कनलावालः॥
 कवः कः॥ शिरानुरः॥ गदुदके शिककेसु मलकां धूर्धु कनला॥ गलला
 यमनकाः काकयः॥ शिखधुकः॥ कवनी कः॥ यः धर्मिलः॥ संयगा
 कवाः॥ शिखाचूजकः॥ यः शिखनमुसटाऊटा॥ वधिः॥ यवधीः॥ शीर्षधः॥
 शिरस्यो विषयकः॥ याः॥ यः॥ यः॥ कलायार्थः॥ कचायनः॥ गनुरः॥

प्रामलामः॥ गदुदोः॥ मयुमुखः॥ आकल्यवः॥ नयथः॥ यगिकर्मयसाधनः॥ यः॥
 गविषलंकलः॥ लंकनिषुः॥ यमधुनः॥ यसाविगलंकनः॥ यः॥ यः॥ यः॥
 लुगः॥ विगः॥ जिषुः॥ विषुः॥ हः॥ गुस्यादलंकियाः॥ जलंकात्रह्वारनः॥ यः॥
 निस्कात्राविहवर्णः॥ मनुनः॥ वाधमः॥ कटः॥ किनीटः॥ पुनर्युसकः॥ वृजमधिः॥ शिः॥
 नात्रलः॥ गनलादानमधुगः॥ वालयाः॥ यात्रिगथाः॥ यययाः॥ ललाटिकाः॥

^{नैत्रिका २} कर्णिकागल ययं स्यात् ^२ कसपय ककुल ^२ गलपतयानिसा ^२ मालासिखविभ्रादि ^{लैवावति}
^{लुसिखन} क॥ ^३ ख (ये) ^३ यालं ^३ विक (थान) ^३ सुत्रिका ^३ मो ^३ कि ^३ के ^३ क ^३ न ^३ । ^३ दाना ^३ मू ^३ का ^३ वली ^३ यवः ^३
^३ दू ^३ न्दो ^३ शो ^३ ग ^३ न ^३ य ^३ शि ^३ क ^३ ॥ ^३ दान ^३ ह ^३ दाय ^३ शि ^३ ह ^३ दा ^३ ॥ ^३ कु ^३ कु ^३ गु ^३ कु ^३ द ^३ ॥ ^३ ग ^३ रु ^३ ना ^३ ॥ ^३ जू ^३ द ^३
^३ दाना ^३ मा ^३ ध ^३ व ^३ क ^३ ॥ ^३ न ^३ का ^३ व ^३ ल ^३ क ^३ य ^३ शि ^३ क ^३ ॥ ^३ सि ^३ व ^३ न ^३ द ^३ य ^३ म ^३ ल ^३ स्या ^३ ॥ ^३ स ^३ य ^३ वि ^३ ध ^३ नि ^३
^३ मो ^३ कि ^३ के ^३ ॥ ^३ जू ^३ वा ^३ य ^३ क ^३ ॥ ^३ या ^३ नि ^३ हा ^३ य ^३ ॥ ^३ क ^३ ट ^३ क ^३ व ^३ ल ^३ थ ^३ मि ^३ य ^३ ॥ ^३ क ^३ य ^३ न ^३ म ^३ ड ^३ द ^३ गु ^३ ल ^३

^३ जू ^३ गु ^३ ली ^३ य ^३ क ^३ म ^३ मि ^३ को ^३ ॥ ^३ सा ^३ द ^३ ना ^३ गु ^३ लि ^३ मू ^३ डा ^३ म्या ^३ ॥ ^३ क ^३ क ^३ र्ण ^३ क ^३ न ^३ रू ^३ व ^३ र्ण ^३ ॥ ^३ मि ^३ क ^३ ॥
^३ द्या ^३ म ^३ ख ^३ ला ^३ का ^३ वी ^३ ॥ ^३ स ^३ य ^३ की ^३ न ^३ स ^३ ना ^३ न ^३ थ ^३ ॥ ^३ क्री ^३ व ^३ सा ^३ न ^३ स ^३ न ^३ वा ^३ थ ^३ ॥ ^३ य ^३ रू ^३ क ^३ द्या ^३ श ^३ ख ^३ ल ^३
^३ शि ^३ वू ^३ ॥ ^३ या ^३ दा ^३ ड ^३ द ^३ गु ^३ ला ^३ का ^३ टि ^३ ॥ ^३ म ^३ जी ^३ ना ^३ नू ^३ य ^३ ना ^३ मि ^३ य ^३ ॥ ^३ द ^३ स ^३ क ^३ ॥ ^३ या ^३ द ^३ क ^३ ट ^३ क ^३ ॥
^३ कि ^३ कि ^३ टी ^३ ड ^३ ड ^३ ट ^३ का ^३ ॥ ^३ ख ^३ रू ^३ ल ^३ क ^३ मि ^३ ना ^३ मा ^३ नि ^३ ॥ ^३ व ^३ रु ^३ या ^३ नि ^३ द ^३ श ^३ शि ^३ वू ^३ ॥ ^३ वा ^३ र्क ^३
^३ शो ^३ मा ^३ दि ^३ रू ^३ ल ^३ नू ^३ ॥ ^३ का ^३ य ^३ र्ण ^३ वा ^३ द ^३ न ^३ व ^३ न ^३ ॥ ^३ को ^३ व ^३ र्ण ^३ क ^३ मि ^३ को ^३ ॥ ^३ श ^३ रू ^३ ॥ ^३ नी ^३ क ^३ र्ण ^३ मू ^३ ग ^३

नाम ऊ॥ जूनारु न निष्ठुवा धि॥ नृकं च नवां वन॥ नदं मनीयं य॥ क्षीगथां वसु
थार्युमाम्॥ यज्ञार्थं धीनको लयं वदुमूल्यं मरुधनं॥ क्षीमंदकूलं स्याद्वेदुनि
वीनं यावृ नं शिवू॥ स्त्रियां वदुल्यं वसु स्यादधम॥ सूर्वसु था द्यथा॥ देव्युमा यामभ
नारु॥ यत्रिधमरु विष्मलना॥ यटच्चनं जीर्णवसुं समो न कं ककय्यटो॥ वसुमाच्छ
दनं वासु॥ वलं वसनमं शुक्॥ सखलक॥ यटास्त्री स्यात्॥ चेनासि॥ मूलधमक॥

निवातः पुच्छदयः ॥ समो नल्लककम्वलो ॥ जन्नीथा यमं चान् यत्रिधनान्य
धं ॥ दुर्के ॥ दोषावा नाहं नासं ॥ समो वृद्धिर्निका गथा ॥ संचानमूरु नीर्यं य
लके ॥ र्यामक ॥ स्त्रियां ॥ नीसान्मुयावनर्हिमानिलनिवातः ॥ जर्धन
कं वनस्त्री धां ॥ स्याच्चं गकमं दुर्कं ॥ स्यात्तिष्ठावयदीनक ॥ स्यात्प्रायाययदं हि
यत् ॥ जस्त्री विना नमूला च ॥ दूष्या द्यवस्तु वध्मनि ॥ यातिहीना ऊवतिका ॥ स्या

कंकमादिपुटका का
कंसकन २
पंवा रि

तः पट वासं ११ दय्य (होमूक वाद (होमूक वां ऊ न गाल वृक कं ॥ ॥ ॥ गिन वृवर्ग ११
॥ ॥ सुक गि (होमूक ऊन न कला न्य रि ऊ ना च यो । वं (होमूक वा य १ सु का ना ॥ ॥ ॥
वर्ग ११ सु वी क मा द य ११ वि यु क वि य वि ट् शू ड् ॥ ॥ ॥ अ तु र्व ध मि गि सु र्ग ना ॥ ॥ ॥
ऊ वी जी ना ऊ वं (होमूक वी क सु क ल र्ग र व ॥ ॥ ॥ म हा क ल क ली ना य स य स ऊ न
सा ध व ११ व क वा वि ॥ ॥ ॥ व न वा मि ॥ ॥ ॥ स न्मा सि ॥ ॥ ॥ ध व र्ग र्ग म ध य ॥ ॥ ॥
आ ध मा र्ग मी दि कं र य
आ १

नाम

मि व
॥ ॥ ॥

गु ऊ न म र्ग द व वा उ वा ११ वि यु ११ व वा क (होमूक सो ष ट् क र्मा या मा दि रि र्ग न ११
वि द्वा न् वि य ष्ठि द वा व रू ११ सु सु धी ११ का वि दा वृ ध ११ धी ना म नी षी रू ११ या रू ११
सं र्वा वा न्य धि न ११ क वि ११ ॥ ॥ ॥ धू धी मा न सु नि ११ क गी र्गि ११ र्ग व व (होमूक वि र क द ११
दू न द र्ग दी र्ग द र्ग (होमूक वि य ११ न्द मा र्ग मी ॥ ॥ ॥ उ या क्का या य क ११ म्पा र्ग ११ नि
ष का दि क र्ग ११ म नु वा र्ग क दा वा य ११ आ द र्ग ल व ध न व र्ग ११ ॥ ॥ ॥ य क्का च य ऊ
मं ग र्ग क क्का वा वा य ११ ॥ ॥ ॥ अ न क य र्ग या क क्का वा क ११ ॥ ॥ ॥

^{सत्यसतोदरीदजन ४} दः सल्लासनाः सत्याः सामाजिकाः ध्वनः ॥ ^{यश्च} जूधयूः ^{साम} ऊहः ^{मक्} हा नो यः ^{अथर्ववेदी} साममिर्वि
^{था उत्रा जगभय} दः कुमानः ॥ ^{अग्नि} आग्नीध्राधनेर्वायाः ^{यश्च} सत्विजायाचकाः ध्वनः ॥ ^{यश्च} यदिः ^{यश्च} यत्रिहृता
^{संशिल २} तमिः ^{यश्च} समं ^{यश्च} संशिलवत्तनः ॥ ^{यश्च} ववालायूयकः ^{यश्च} कः ^{यश्च} क्ववाः ^{यश्च} गुरुनावृनिः ॥ ^{यश्च} यूप
^{यश्च} अंगमनिर्ममथा ^{यश्च} दात्रु ^{यश्च} विखनविद्वथाः ॥ ^{यश्च} दक्षिणमिर्ग ^{यश्च} रूयया ^{यश्च} रुवनीथोः
^{यश्च} था ^{यश्च} अतयः ॥ ^{यश्च} जूग्नि ^{यश्च} उयमिदं ^{यश्च} नः ^{यश्च} युलीनः ^{यश्च} संस्कृताननः ॥ ^{यश्च} समूकः ^{यश्च} यत्रिचायाय

॥६१॥

^{मंशुनजपावृत्तापनायानाति} यायावः ^{यश्च} ग्नेयु ^{यश्च} यागिनः ॥ ^{यश्च} था ^{यश्च} मरु ^{यश्च} यस्या ^{यश्च} दानीयः ^{यश्च} दक्षिणमिर्ग ^{यश्च} युलीयनः ॥
^{यश्च} तमिना ^{यश्च} नाया ^{यश्च} था ^{यश्च} म्ना ^{यश्च} यी ^{यश्च} स्त्र ^{यश्च} ला ^{यश्च} च ^{यश्च} द्रुत ^{यश्च} तु ^{यश्च} क्रियाः ॥ ^{यश्च} म ^{यश्च} क्का ^{यश्च} म ^{यश्च} धनी ^{यश्च} ध ^{यश्च} या ^{यश्च} च ^{यश्च} या
^{यश्च} स्या ^{यश्च} द ^{यश्च} मि ^{यश्च} समि ^{यश्च} न्ध ^{यश्च} नः ॥ ^{यश्च} म ^{यश्च} य ^{यश्च} ती ^{यश्च} य ^{यश्च} मू ^{यश्च} र्व ^{यश्च} च ^{यश्च} न्दा ^{यश्च} रु ^{यश्च} व ^{यश्च} या ^{यश्च} क ^{यश्च} च ^{यश्च} नू ^{यश्च} य ^{यश्च} मानः ॥ ^{यश्च} अ ^{यश्च} मि ^{यश्च} द्वा
^{यश्च} सा ^{यश्च} ग ^{यश्च} ना ^{यश्च} ह ^{यश्च} ला ^{यश्च} या ^{यश्च} की ^{यश्च} न ^{यश्च} स्या ^{यश्च} द ^{यश्च} धि ^{यश्च} या ^{यश्च} ग ^{यश्च} नः ॥ ^{यश्च} धू ^{यश्च} वी ^{यश्च} र्व ^{यश्च} वा ^{यश्च} उ ^{यश्च} न ^{यश्च} न ^{यश्च} द ^{यश्च} द ^{यश्च} चि ^{यश्च} न ^{यश्च} मृ ^{यश्च} ग ^{यश्च} च ^{यश्च} र्म ^{यश्च} धा ॥
^{यश्च} पृ ^{यश्च} व ^{यश्च} दा ^{यश्च} र्क ^{यश्च} स ^{यश्च} द ^{यश्च} धा ^{यश्च} र्क ^{यश्च} य ^{यश्च} न ^{यश्च} मा ^{यश्च} न ^{यश्च} न ^{यश्च} गु ^{यश्च} या ^{यश्च} य ^{यश्च} सः ॥ ^{यश्च} रु ^{यश्च} व ^{यश्च} क ^{यश्च} वा ^{यश्च} दे ^{यश्च} व ^{यश्च} ये ^{यश्च} नः ॥ ^{यश्च} अ ^{यश्च} न ^{यश्च} या ^{यश्च} र्क ^{यश्च} मूः

॥६१॥
 ॥६१॥
 ॥६१॥

^{१३} वादिकं ^{१४} ॥ ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}

^{१३} मूलसूक्तं ^{१४} नविमूलसूक्तं ^{१५} । ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}

अतिश्रियातं वस्तु दयंकं नृणां शिवा

अतिश्रि

आगि (थय) वगिश्वा (थय) साधुनि ॥ सादो व शिकं आगनु नगिथि नो वृ क्कान
॥ पूजानमसाय विनि ॥ सय यो चो र्दक्षमा ॥ यनिवस्था तु शु शु वा यनिव यो यो
यासुन ॥ वृ ज्ञा यो यय गनं चर्या त्वी यो य (थमिनि ॥ ३ यय गी स्त्वा वमन मः
मोनमसाय ॥ आनपूर्वी म्पु याम्मा वृ त्यनियाटी अनूक म ॥ ययो य ॥ अगि या न
मु स्या त्यर्य उपा यय ॥ नियमो व गम म्पु म्पु आ व वा सा दि पू धर्क ॥ ३ यव र्क रू

गमन

विधु धि धु शे वरु

॥ २

थव क हि ष ष र्क

॥ २ ॥ ३

भा सि थ द्वा स द्वा प

थय

भानमका

॥ २ ॥ ३

परि पा टिया

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

गो न मा या

॥ २ ॥ ३

नियम

॥ २ ॥ ३

उप वा सा दि ४

॥ २ ॥ ३

मन से वा न

॥ २ ॥ ३

अव त्रि पा टि

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

य

॥ ६३ ॥

उप वा स २

सा त्र जू सा त्र सि व २

२ व द वा क य न्ना दि स व

२ व द प ल ध म स्त य मा न

२ व द प ल ध म स्त य मा न

य वा सा विव क ४ य थ म्म स ग ॥ स्या दु क्क व र्च स वृ क्क ॥ अ य नं दि न थं ज लि ॥
या (७) वृ क्कां ज लि ॥ या (७) वि बु वा वृ क्क वि न्द व ॥ अ न या म्म स न वृ क्का स
नं क ल्य वि धी क्क म ॥ म्म ४ स्या त्य थ म ४ क ल्या ॥ अ नू क ल्य मु ग ध म ४ स र्का
न पू र्व गृ र्ण नं स्या द्वा क न र्ण ४ ग ॥ म्म गु या द गृ र्ण द म रि वा द न मि गृ र्ण ॥
रि द्वा ४ य नि वा द्क म्मे न्दी या ना ग र्थ यि म स्क र्णी ॥ ग य स्वी ना य स ४ या नि कां दी वा

व द दि ष ७

७ व द दि ष ७

७ व द दि ष ७

७ व द दि ष ७

७ व द दि ष ७

७ व द दि ष ७

७ व द दि ष ७

७ व द दि ष ७

क ल्य म्म व द द्वा य वि धि ३

३ क ल्य म्म व द द्वा य वि धि ३

३ क ल्य म्म व द द्वा य वि धि ३

३ क ल्य म्म व द द्वा य वि धि ३

३ क ल्य म्म व द द्वा य वि धि ३

३ क ल्य म्म व द द्वा य वि धि ३

३ क ल्य म्म व द द्वा य वि धि ३

३ क ल्य म्म व द द्वा य वि धि ३

वृ द्वा न वि द्वा

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

मा म

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

॥ २ ॥ ३

^{मोनवृत्त} वयं भामुनिः॥ नयः॥ कृष्णसुहादाभाः॥ ^{दुःखमहनप्रापक} वर्णिना वाक्का वातिनः॥ ^{वृक्षजोती २} अथ यः॥ ^{सत्यवचनहाक} सत्यवच
^{वा. स. ३५ इत्यमर} सः॥ स्नानकस्त्रायुगवती॥ ^{जति} यनिर्जितं नित्ययममा॥ यतिनायनयः॥ ^२ यः॥ सं
^{अ. ३५ दिलासदृष्ट} तिलवृत्तवशात्॥ ^{१५} गनसुं तिलवृत्तवशात्॥ ^२ स्माद्विलुप्तं यथविनक्तं॥ ^{१५} समसः॥ ^{१५} स
^{वीरगा २} द्यानिगमः॥ ^१ यविशः॥ ^१ ययनः॥ ^१ यूनः॥ ^१ याखद्युः॥ ^१ सर्वलिङ्गिनः॥ ^१ यालाः॥ ^१ ददज
^{पवनदयकादन्द} यादाः॥ ^१ वृत्तनां॥ ^१ रमुवे॥ ^१ तवः॥ ^१ जमुकमधुलः॥ ^१ कृती॥ ^१ वगिनामा॥ ^१ सनवृषी॥ ^१ जूति

॥६४॥

^{कृष्णलि ३} नवर्मकृत्तिः॥ ^१ मुः॥ ^१ हेदं॥ ^१ रिक्ताकदम्बकं॥ ^१ स्वाध्यायः॥ ^१ स्माकृयः॥ ^१ मुल्याः॥ ^१ शिववसव
^{१५} नवसा॥ ^{१५} सर्वेन॥ ^{१५} सामयध्वसि॥ ^{१५} जयाप्रियेद्यमयर्षी॥ ^{१५} दर्शः॥ ^{१५} योर्कमासः॥ ^{१५} यागे
^{१५} यदा॥ ^{१५} नयायुथक॥ ^{१५} हानीनसाधनाय॥ ^{१५} यदनिर्णयत्कर्म॥ ^{१५} नयमः॥ ^{१५} नियममुसुज
^{१५} कर्म॥ ^{१५} नियमागनुसाधनं॥ ^{१५} उपवीर्ययुक्तसूर्य॥ ^{१५} यादुगदक्षि॥ ^{१५} एकन॥ ^{१५} यावी
^{१५} नावी॥ ^{१५} गमन्यामि॥ ^{१५} निवीर्यकलविर्ग॥ ^{१५} जूकुल्य॥ ^{१५} यतीर्थदेव॥ ^{१५} स्वल्या॥ ^{१५} कुल्यामू
^{१५}

॥७३॥

॥७४॥

^{नाजा ७} मा^{११} नृ^{११} य^{११} त^{११} य^{११} म^{११} ली^{११} कि^{११} न^{११} ॥ ^{कोट राजा सामंतवर्गि राजा दक्षिणसेवकप्राजाधाय} ना^{१३} जा^{१३} यु^{१३} य^{१३} ध^{१३} गा^{१३} ॥ ^{रथिदक्ष्या} धा^{१३} य^{१३} साम^{१३} न^{१३} ॥ ^{१५} म्मा^{१५} द^{१५} धी^{१५} ध^{१५} व^{१५} न^{१५} ॥ ^२ व^२ क^२ व^२

^{ना किंचित्कवति} ली^{१३} सा^{१३} व^{१३} री^{१३} मा^{१३} ॥ ^{१५} नृ^{१५} या^{१५} न्या^{१५} म^{१५} धु^{१५} ल^{१५} ॥ ^{१५} य^{१५} न^{१५} ॥ ^{१५} ना^{१५} ज^{१५} स^{१५} य^{१५} न^{१५} ॥ ^{१५} म^{१५} धु^{१५} ल^{१५} ॥ ^{१५} ध^{१५} य^{१५} न^{१५} ॥ ^{१५} य^{१५}

^{नाजाया आहानममिलोक} धा^{१३} म^{१३} लि^{१३} य^{१३} ॥ ^{१५} म^{१५} ह^{१५} या^{१५} ना^{१५} ह^{१५} ॥ ^{१५} स^{१५} म^{१५} म्मा^{१५} ॥ ^{१५} उ^{१५} थ^{१५} ना^{१५} ज^{१५} कं^{१५} ॥ ^{१५} ना^{१५} ज^{१५} न^{१५} य^{१५} कं^{१५} व^{१५} नृ^{१५} य^{१५} नि^{१५} ॥ ^{१५} क^{१५} वि^{१५} या^{१५} धा^{१५}

^{मंयनाहावेमंशु ४} धा^{१३} (धा^{१३} क^{१३} मा^{१३} नृ^{१३} ॥ ^{१५} म^{१५} नृ^{१५} धी^{१५} धा^{१५} वि^{१५} वा^{१५} मा^{१५} ला^{१५} ॥ ^{१५} नृ^{१५} क^{१५} म^{१५} स^{१५} वि^{१५} वा^{१५} क^{१५} न^{१५} ॥ ^{१५} म^{१५} ह^{१५} मा^{१५} या^{१५} ॥ ^{१५} य^{१५} ध^{१५} ना^{१५}

^{प्रसाहिगं} नि^{१३} ॥ ^२ यू^२ ना^२ धा^२ म्मु^२ ॥ ^{१५} यू^{१५} ना^{१५} हि^{१५} म^{१५} ॥ ^{१५} उ^{१५} ध^{१५} नि^{१५} वा^{१५} व^{१५} र^{१५} ना^{१५} धा^{१५} ॥ ^{१५} या^{१५} दि^{१५} वा^{१५} का^{१५} क^{१५} द^{१५} र्श^{१५} को^{१५} ॥ ^{१५} यु^{१५} गी^{१५} र^{१५} ना^{१५}

^{कोटवानदाया ५} द्वा^{१३} न^{१३} या^{१३} ल^{१३} ॥ ^५ द्वा^५ म्मु^५ व^५ ॥ ^५ सि^५ न^५ द^५ र्श^५ का^५ ॥ ^५ न^५ दि^५ व^५ र्ग^५ स्त्वं^५ नी^५ क^५ म्मा^५ ॥ ^५ र्था^५ ध^५ का^५ धि^५ क^५ गो^५

^२ स^२ म्मो^२ ॥ ^२ म्मु^२ य^२ का^२ धि^२ क^२ ना^२ र्ग^२ म् ॥ ^२ म्मा^२ य^२ म्मा^२ म^२ य^२ ह^२ नि^२ य^२ ॥ ^२ शो^२ नि^२ क^२ ॥ ^२ क^२ न^२ का^२ धा^२ की^२

^२ नृ^२ या^२ धा^२ क^२ म्मु^२ ने^२ धि^२ क^२ ॥ ^२ जू^२ न^२ ॥ ^२ यू^२ न^२ ॥ ^२ ल^२ धि^२ क^२ न^२ ॥ ^२ म्मा^२ द^२ न^२ र्वा^२ सि^२ का^२ उ^२ न^२ ॥ ^२ सो^२ वि^२

^२ द^२ ला^२ ॥ ^२ कं^२ दू^२ कि^२ न^२ ॥ ^२ म्मा^२ य^२ ला^२ ॥ ^२ सो^२ वि^२ दा^२ ॥ ^२ ध^२ य^२ न^२ ॥ ^२ वं^२ य^२ व^२ र्वा^२ व^२ न^२ ॥ ^२ म्मु^२ ला^२ ॥ ^२ म^२ व^२ का^२ ध^२ नृ^२

^२ जी^२ वि^२ न^२ ॥ ^२ वि^२ ष^२ या^२ न^२ क^२ ना^२ ना^२ जा^२ ॥ ^२ धा^२ र्मु^२ मि^२ य^२ म^२ न^२ ॥ ^२ य^२ न^२ ॥ ^२ उ^२ दा^२ सी^२ न^२ ॥ ^२ य^२ न^२ न^२ ॥ ^२ या^२

र्मिगुमरुमुपुष्टन॥ नियोवे निमय लोनि दिषद्वयधदुद॥ दिद्विपकादिगा
 मियुदस्युष्टववधायव॥ जुरिकागियना नावि युत्यथियनियधिन॥ वयस्य
 स्तिष्ठ॥ स्वया ज्यमिपुं सखा सुहृन् । सखा साययदीनस्या दनूना धान्व
 र्हेन॥ यथार्हवर्त्त॥ युतिवि नयस्युं धन॥ स्यध॥ यान॥ गुरुपुत्र्य
 य॥ यत्ययिगदि पूषा साम्यस्तनाओ निषिका देवहृगधकावयि । सुर्मा कूलिकमो कूलि

८१

॥८१॥

हानिकलोनिका ज्यपि॥ गालिका हानिद्वान॥ सुगी गुरुपनि॥ समो॥ लियिकना॥ दनच
 (सा॥ दनच॥ लषक॥ लिखितदनसंस्तन॥ लिपिलिपिनिर्हृत्तियो॥ स्यात्तन्धेष्टा रुनादुना॥
 दूरेनेहावकमेधी॥ जूधनीनाध॥ धन्या॥ यानु॥ यथिक॥ ययि॥ स्वामासाय॥ सुहृत्काया॥ ना
 कुंद्गजवलानिच॥ नाका॥ हानियुक्तनय॥ योना॥ हानियायिच॥ सन्धिना विगुहायान॥ मासनेडे
 धमाश्रय॥ यदू॥ हा॥ कयमिमु॥ पुलका॥ साहमनुजा॥ दय॥ हाननचतुदि॥ यिव॥ यिव॥

द्वयनीर्दनेजायलपुनऊनप्रतापथुन

कायस्माचकालायवियथानानेउपाय

७७

नीनिवदीना। सपगाय४पुलाव४५॥ यरु३४काषदधु३॥ रदीदधु४समादान॥ मिषुपाययवुष्ट
य॥ सारुसकुदमादधु४॥ सामसात्वम॥ (धसमो)। रदीपजापावृषध॥ धर्माधेयत्यनीदही॥ य॥
विषमउदीह॥ यरुगीयाद्य॥ (मचन४) विविक्विजानचुन॥ नि४॥ लाकारुथानरु४॥ नरु॥ र्वया
रु॥ वलि॥ (रु॥ नरु॥ स॥ नरु॥ व॥ विष॥) समोविमरु॥ वि४॥ धा॥ र्व॥ (मय॥ धा॥ वि॥ तान्॥) ज॥ र॥ व॥ न्या॥ य॥ क
ल्या॥ रु॥ द॥ श॥ त्र॥ य॥ सम॥ ऊ॥ र॥॥ यू॥ क॥ मो॥ व॥ यि॥ क॥ ल॥ त्॥ य॥॥ र॥ उ॥ मा॥ ना॥ रि॥ नी॥ त॥ व॥ न्॥॥ न्या॥ म॥ य॥ वि॥ ष॥ ष॥ र॥ म॥ म्
४४॥ य॥ ह॥ न्॥

७७

नीनेय २

आइहा ६

धानसासुसमर्थन॥ ज॥ व॥ वा॥ द॥ रु॥ नी॥ र्द॥ (म॥ नि॥ उ॥ श॥४॥ सा॥ स॥ न॥ र्द॥ स॥४॥॥ शि॥ रि॥ श्च॥ हा॥ व॥ र॥ स॥ सु॥ त्रु॥ म
या॥ दा॥ धा॥ न॥ सा॥ स्ति॥ नि॥४॥॥ ज॥ (म॥ य॥ ना॥ धा॥ म॥ न्॥ र्द॥ स॥ म॥ र्द॥ न॥ व॥ ध॥ न॥॥॥ द्धि॥ या॥ र्द॥ दि॥ ग॥ (धो॥ द॥ धु॥
रा॥ ग॥ ध॥ य॥४॥ क॥ ना॥ व॥ लि॥४॥॥ य॥ द्वा॥ दि॥ द॥ य॥ र्द॥ ल्को॥॥ र्दी॥ या॥ र॥ त॥ कु॥ म॥ द॥ श॥ न॥॥॥ उ॥ वा॥ य॥ न॥ म॥ य॥ म॥ अ॥
म॥ य॥ र॥ न॥ र्द॥ (धो॥ य॥ दा॥॥ यो॥ र॥ का॥ दि॥ गु॥ य॥ र्द॥ य॥॥ स॥ दा॥ या॥ रु॥ न॥ र्द॥ व॥ न॥॥॥ त॥ ल्का॥ ल॥ रु॥ त॥ दा॥ त्व॥ स्या॥ र्द॥ रु॥ न॥४॥
का॥ ले॥ ज॥ य॥ ति॥४॥॥ सा॥ द्धि॥ रि॥ क॥ र्द॥ र॥ ल॥ स॥ द्धि॥॥ उ॥ द॥ र्द॥४॥ रु॥ ल॥ म॥ र्द॥ न॥॥॥ ज॥ र्द॥ र्द॥ व॥ दि॥ ना॥ या॥ दि॥॥ उ॥ र्द॥ र्द॥ व॥ न॥ व॥
व॥ क॥ र॥ य॥

^२ ॥ मही नुजामं हि रयं स्वयं पदं पदं रयं ॥ यत्रिया त्वधिकान ॥ १॥ चामन नु यकी नु कं ॥ नृपा गणं
^२ ^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}

७८

॥६॥

^३ ^{१३} ^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}

मदविंदु २

सिधल २

अंकश २

सह २ किमिया वल्ल

साजयाय २

इलिवा

॥ जन्म को निगला रही स्या दकु (॥) रही शृनिर्दया ॥ वृषा क दो वन गी स्या ल्पना मरु ना सम ॥ यव धी सु
 न धाम्ब लू ॥ यत्रिहाम ॥ क (था दया ॥) वी ग ल सा न रु लै ध्व वा की गु ग ऊ व न्ध नी ॥ यार क धी नि गु न ग
 पु न झ ॥ ध्व पु न झ मा ॥ वा जि वा लू र्व ग न्ध र्व रु य से न्ध व स य ॥ जू जा न या ॥ कु ली ना ॥ स्यु वि नी गा ॥ र
 ध्वा दि न ॥ व ना य ऊ ॥ या न सी का ॥ का म्बा जा वा डि का रु या ॥ य य न ॥ ध्व ध्व म धी या ॥ ज व न रु ज
 वा धि क ॥ पृ थ्वा ॥ रू नी शि त ॥ क को न ॥ था वा डा न थ स्य य ॥ वाल ॥ कि ॥ ना वा म्बा ॥ ध्व व उ वा वा उ व
 वल्लमिवा

२० अठवमधी या न त्या सल २

मासल मूढ

सलन क्रि हि हा क र

सउ साधन क बा था र

सल हाल २

हि क का

झ (॥) वि द्या ॥ ध्वी न य द ॥ ध्व न दिन नै क न ग म्भ न ॥ कि ॥ ध्व तु म ध्व म ॥ ध्व ना रू वा कु या च नि ख न ॥
 नि ठा ल रु म ला द ॥ ध्व व न्ध त्व ॥ ध्वी य मा ॥ ध्व व न ॥ आ रु क्ति नै ॥ ध्वी त न क ॥ न यि नै व लि नै रू नै ॥ ग न या
 मू ॥ ध्व व ध ना ॥ ध्व ध्व पु या थ म रू यी ॥ क न का रु ख ली ना रू ॥ ध्व रू लै की व वृ न ॥ ध्व मा न ॥ पू रु ॥ रू रू
 म ली रू लै ॥ वाल रु रु नु ॥ वाल धि ॥ वि द्या वृ ल लु णि गो ॥ प ना वृ रु म रु रु वि ॥ या न व कि मि यु डा र्थ ॥
 ना झ ॥ स्य ना न थ ॥ ज सो पू य न थ ॥ ध्व कू या न न स म ना य य न ॥ क रू न थ ॥ ध्व व रु रू ॥ रु य न रू स म रु

न थ म म ०

यं। क्रीवनः। शकटासीयाः। इन्दुर्कवलिवारुर्कः॥ शिविकोयायया नस्याः। दालावः। खादिका मीयाः। उलो
 दुद्वेयवेयाधोः। दीयिचर्मोवृत्तः। यार्धुर्कवलसम्मीतः। सन्दनः। याद्युक्मली। नथका म्वलवाकाशाः
 १ कम्बलादिरिनावृत्तः॥ विष्वेयायथा नथा नथकाशा नथवृत्तः। धूः। मीक्रीवयानमूर्वः। स्यादथा इमप
 स्तनः॥ वक्तुनथ इ नस्याका नमिः। स्तीत्यात्यधिः। पूमाने। पिष्टिका नारि नक्षो गः। कीलक दुद्वया
 नलाः॥ नथगुपिर्वृत्तः। नथोः। वृवनसुयुगन्धनः। जूतकषोदावधः। रूः। यासः। इनीयू गभयू गः॥

२१

सर्वस्यादो रुनेयाने। युग्मं यतुं यधनर्तः। यनय नावारुनेयः। रुद्वेनीनकमस्त्रियाः॥ जूधन
 सारुमियकाः। रुस्याः। नारुनिषादिनः। नियकायाजिगायकाः। रुतः। रुलायसानथिः॥ स्या
 पृथक्किं रुमिचः। संहानथवृद्धम्विनः। नथिनः। सन्दनानाकाः। जूधनानाकाः। रुसादिनः॥ नथ
 याधः। स्यायाद्वानः। सनानकाः। रुहेनिकाः। सनायाः। समवगायः। सेनाः। रुहेनिकाः। वलि
 नायः। रुहेनिकाः। सारुमिः। रुहेनिकाः। यनिविः। रुहेनिकाः। सनानीः। वृद्धिनीयनिः। कः। रुकावानवा

२ ॥ ^{सकवचयाङ्गां} ^{जनी} ^{लोपना} ^{गुणलि} ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}

२ ॥ ^{विद्वंसकवधनि} ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}

संगम ७१ फलवदन मद्रास वंग

वतालिका ४

नोयस्य लीनस्य नद्यानमैरि क्रम ॥ वेतालिका वाधकना ॥ अत्रिकोया वि कोर्थका ॥ स्यमो ग
 धासु मधुका वदिन मुगिया ० का ॥ संशय कासु समया ॥ संगमा दनिवहि न ॥ नद्य दया ॥ हि यो ध
 लि ॥ यो धू नान दया नऊ ॥ नद्य दया ॥ समुत्ति ॥ अ पि अ लो ट ग मा वल ॥ य न का वे ज य नी सा ॥ स्के न न
 ध उ म हिया ॥ सा वी ना स ग न य द ॥ त मी या गि र य य द ॥ अ र्द यूर्ध्व म र्द यूर्ध्व ॥ मि ल र्द यूर्ध्व का ही यो ॥ अ
 हा यूर्ध्व का द यो ॥ त्या सा ॥ त म र्द यूर्ध्व का ही यो ॥ अ र्द यूर्ध्व का ॥ उ सा सा ॥ स्य न स्य न या र व द र्द का न ॥ उ दि न

५१

५७

पत्राक्रम सं २

११ सं ४

नवः सहावन ॥ मे र्थ ति स्त्रा म धु वा वा ग कि ॥ य न क्रमः ॥ पा ॥ स वि क्रम स वि ॥
 ग कि गा वी न या ध य त्या न ॥ द र्द यूर्ध्व का ॥ अ पि अ लो ट ग मा वल ॥ य न का वे ज य नी सा ॥ स्के न न
 ध न प वि दा न ॥ मृ ध मा र्द यूर्ध्व का ॥ अ पि अ लो ट ग मा वल ॥ य न का वे ज य नी सा ॥ स्के न न
 नी क न द्या ॥ क ल ह वि य ॥ स य हा ॥ न र्द यूर्ध्व का ॥ अ पि अ लो ट ग मा वल ॥ य न का वे ज य नी सा ॥ स्के न न
 म र्द यूर्ध्व का ॥ स य हा ॥ न र्द यूर्ध्व का ॥ अ पि अ लो ट ग मा वल ॥ य न का वे ज य नी सा ॥ स्के न न

२६

^{वाहयुद्ध २} ^{ध्यायउलील २} ^{लायवायाहाद २} ^{निः कितिर्वद}
 पशानियुद्धं वाहयुद्धं म्याहमृतं न संकलं ^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 वाहयुद्धं वाहयुद्धं म्याहमृतं न संकलं ^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 वाहयुद्धं वाहयुद्धं म्याहमृतं न संकलं ^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 वाहयुद्धं वाहयुद्धं म्याहमृतं न संकलं ^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}
 वाहयुद्धं वाहयुद्धं म्याहमृतं न संकलं ^१ ^२ ^३ ^४ ^५ ^६ ^७ ^८ ^९ ^{१०} ^{११} ^{१२} ^{१३} ^{१४} ^{१५} ^{१६} ^{१७} ^{१८} ^{१९} ^{२०} ^{२१} ^{२२} ^{२३} ^{२४} ^{२५} ^{२६} ^{२७} ^{२८} ^{२९} ^{३०} ^{३१} ^{३२} ^{३३} ^{३४} ^{३५} ^{३६} ^{३७} ^{३८} ^{३९} ^{४०} ^{४१} ^{४२} ^{४३} ^{४४} ^{४५} ^{४६} ^{४७} ^{४८} ^{४९} ^{५०} ^{५१} ^{५२} ^{५३} ^{५४} ^{५५} ^{५६} ^{५७} ^{५८} ^{५९} ^{६०} ^{६१} ^{६२} ^{६३} ^{६४} ^{६५} ^{६६} ^{६७} ^{६८} ^{६९} ^{७०} ^{७१} ^{७२} ^{७३} ^{७४} ^{७५} ^{७६} ^{७७} ^{७८} ^{७९} ^{८०} ^{८१} ^{८२} ^{८३} ^{८४} ^{८५} ^{८६} ^{८७} ^{८८} ^{८९} ^{९०} ^{९१} ^{९२} ^{९३} ^{९४} ^{९५} ^{९६} ^{९७} ^{९८} ^{९९} ^{१००}

॥ ७७ ॥

^{वाहा ६} ^{विह्वला निर्वहर्त २} ^{महासर्वका २}
 प्रदावांदावसंदाव प्रदावा विदुवांदाव ४ अपकमोपयानं चटन ४ पत्राजयं ४
 पत्राजिगपत्राहो विषूनष्टनिग्राहिगो प्रमापलनिकात्रलं विमानलं प्रवासनं प
 रासनं निरुदनं निरुदनं निर्वासनं सूरूपनं निरुथनमपासनं निरुहलं निरुहनं
 क्षलनं पत्रिवर्कनं निर्वापनं विहासनं मात्रलं पत्रिघातनम् उद्यासनं प्रमथनं
 कथनोक्तमनातिच ३ गालं रुपिं ३ विहानं घातोन्मथवधं अपि ॥ २६ ॥ स्यात्पंच

गा० कालधर्मादि संतः पुनर्यस्यः अंतीनाः अदया मृत्पुष्पनिधनाः
 या० पत्रासु पाफपचैत्वं पत्रपुनसंस्थिताः मृत्पुष्पमीनाः निधनं चि
 गा० चित्पाचिनिःस्रियः कवंधास्ती कियार्कमपमृदकलवनी ॥ अ० अ० न
 स्थापित्वनं कलपः ४४ वमस्ति या० पयही पयहो वन्या का० सा दधन
 लया प्रसिहस्य सवः ४ पा० अ० वजी वा २ स्रधनर्त्ता अ० य० जी विन कालाना

जीवातुकी विनोषधं ॥ १२ ॥ अ० निहृयि वगर्गा ॥ अ० नया अ० नया अ० र्या वेध
 समिष्टः अ० विनः अ० जीवा जी वि का वार्ता वृत्तिर्वर्त्तन जीवना स्रिया कृषि
 पा० पा० पा० वा निश्चं च निवृत्तयः ॥ स० वा अ० वृत्त नृत्त कृषि नृत्त सिलीवृत्त
 दया चिनाया चिनाया र्यथा स० र्यमृतामृता ॥ स० पानृत्त वनि र्वावः स्यादस्य
 र्यदं चन उद्धात्री इथ प्रथा गमुक सीदं वृद्धि जी विका ॥ या चैत्त य फं या नि

श्रीमद्भागवतसहितं चतुर्विंशत्यध्यायसहितं श्रीमद्भागवतसहितं

नकं नियमादापमित्यकं उरुमलोधमलोपोपथीकृयाहकोकमाना कसीः
दीकोवाइषिकेइइया जीवयवाइषिः किंजीवः कर्षककृषककृष
कृषीवलः कृषवः हयंसातेयंवाहिभाल्युहवोचिर्गं यवयवकषष्टिकं
यवादिखवनं हिगागित्यं नीनवनाधामानरंगमदिनूपनामोहीनकोइवीत्त
दिवाषधम्योहवकमंवी जाकगंरूपकृष्टं सीत्यंरूपकृष्टं हत्यवतापिगुताः
माध्यामार्घीनां उमंभीनी लघुलागीनां अलवां अलवां लीमां नीनं मगवं कोइवीत्त कोइवीत्त आदिछाप कलपकं कोलकीन
मास गिति गितिवं वलवा मग दम कोल

१८०

॥ इति वापिके प्राहिक

स्वधनसावाभंगयाव ४

विदाहसावाभंगयाव

श्रीहयंकदा ३

कनंरुगीयाकनंरुहस्यगिसीत्यमपिगिसिदिगुत्तकनगुसर्वपूर्वसम्वाकनमपीहं
दीलठकादिवापदोदोलिकाठकिकादयधर्यानीवापसुखारीकरं उरुमलोदय
सिषं पनपंसकथावप्र४ कंदाप४ केगुमस्यगुकेदा नकं स्यात्केदा नकं गलत्त
क्षानिलष्टव४ पंसिकेटि॥ लष्टरदन४ पाऊनगादनगात्रं स्वनिगुमवदा
नलोदागुलविगुमावल्धपागुयाकुमथारुलनिरीषंकटकं पंसिमधि४
खलदानन्यसंयस्युर्वधनं आगुवाहि४ पाटल४ स्यागु३ गिगु४ कयवीममो
खल४ कृषिकोलाइलं हली गमादगनीचमीन केहाम्याली युगकीलक४ इहीवालाइलसदगुयासीनालाइलसदगु

॥ इति वापिके प्राहिक

900

नै॥ क०३॥ ह०३॥ स्त०३॥ प०३॥ म०३॥ वा०३॥ क०३॥ द०३॥ य०३॥ पू०३॥ मा०३॥ न०३॥ सर्व०३॥ मा०३॥ प०३॥ नै०३॥ ली०३॥ उ०३॥ पा०३॥ ग०३॥ म०३॥ न०३॥ च०३॥
 ज०३॥ नै०३॥ द०३॥ र्चि०३॥ क०३॥ म्बि०३॥ र०३॥ व०३॥ ज०३॥ का०३॥ च०३॥ स्या०३॥ ह०३॥ र्द०३॥ र्द०३॥ न०३॥ ह०३॥ र्क०३॥ क०३॥ अ०३॥ स्मृ०३॥ ह०३॥ क०३॥ ह०३॥ नि०३॥ ग०३॥ क०३॥ छि०३॥ पु०३॥
 स०३॥ गु०३॥ ना०३॥ लि०३॥ का०३॥ क०३॥ द०३॥ म्ब०३॥ ध०३॥ क०३॥ ल०३॥ म्ब०३॥ ध०३॥ व०३॥ ध०३॥ वा०३॥ न०३॥ न०३॥ प०३॥ स्क०३॥ न०३॥ ह०३॥ हि०३॥ गि०३॥ डी०३॥ क०३॥ च०३॥ च०३॥ क०३॥ च०३॥ वृ०३॥ द्वा०३॥
 म०३॥ म०३॥ थ०३॥ व०३॥ ल०३॥ क०३॥ म०३॥ म०३॥ री०३॥ च०३॥ काल०३॥ क०३॥ क०३॥ म०३॥ ख०३॥ न०३॥ ध०३॥ म०३॥ प०३॥ ल०३॥ न०३॥ जी०३॥ न०३॥ को०३॥ ज०३॥ न०३॥ ल०३॥ ज०३॥ जी०३॥ क०३॥
 ह०३॥ क०३॥ म०३॥ गु०३॥ जी०३॥ न०३॥ क०३॥ स०३॥ प०३॥ वी०३॥ का०३॥ न०३॥ वी०३॥ पृ०३॥ थि०३॥ पृ०३॥ थु०३॥ कालो०३॥ प०३॥ क०३॥ चि०३॥ का०३॥ न०३॥ द्र०३॥ क०३॥ ह०३॥ ग०३॥ व०३॥ न०३॥
 स्या०३॥ द०३॥ थ०३॥ च०३॥ ग्रा०३॥ वि०३॥ गु०३॥ न०३॥ क०३॥ क०३॥ लु०३॥ म्ब०३॥ न०३॥ च०३॥ धा०३॥ त्या०३॥ क०३॥ म०३॥ थ०३॥ गु०३॥ ली०३॥ म०३॥ ह०३॥ ष०३॥ र्ध०३॥ म्बि०३॥ न०३॥ प०३॥ स०३॥ क०३॥ थ०३॥ र्धि०३॥

हनुमन्मथयाधुतिमाकृत

卷三

सकलधूलिमांउन्व

त्रिंशत्संघर्षना॥ नृणां सर्वकथनीयं सर्वकथनावह॥ सगुसर्वधनीसंघर्षना
 यावत्सर्वधनावह॥ माहुरीसोनरुयीगेनृमागाचष्टिही॥ अर्जुन्यघ्नाना
 हितीस्यदलमागभनेष्टिकी॥ वल्लभितरदात्संका॥ स्रष्टवलीधवलदयः
 ॥ द्विहायसीद्विधर्मागेनकाद्यात्कहायसी॥ वधभवध्वानकागुस्रवद्रही
 धर्मधिनी॥ आक्रान्तावधरनाथवहृत्तलीपयानिनी॥ कालीपसर्पापुञ्जपुः
 र्वाहिवालगरिनी॥ स्यादचलीगुस्रकनावहृत्तलीपयानिनी॥ चिन्मूलाकयसी
 ॥ धनं॥ स्रष्टवलीधवलदयः॥ स्रष्टवलीधवलदयः॥ स्रष्टवलीधवलदयः॥

कृदीनाधः प्रदुहना
मदवसा

90311

३५

साया कील मभा विवक कील को॥ नपुं सिदाम संदाम २ लहिय

नदघातनव्यावधकस्त्रिणासिमासिमीनासायवपनिवर्षप्रहृत्यन॥ उधस्तुक्तीवभापी
नपठनस्तुदामनी॥ वेधमषमकमन्तानमन्तानामन्तदन्तुका॥ कथनादनुविष्करी
मन्तनीगगनीसभा॥ उधक्रमलकमथमहागमः कनरुः लिङ्ग॥ कलरा॥ स्य॥ दृष्टलका
दानकेश्यादवन्धने॥ अजाह्वगीस्तृहकागवस्तृहगलजकेज॥ मन्तनेनानलमन्त
यमषस्तृहयनुजका॥ उधनजजवन्दस्यादोदकीनजकाजकी॥ चिकीवन्तस्तुवाः
लयानाम्नागर्हता॥ रवना॥ वेदहक॥ सार्थवाहोनेगमावानिआवनिक्ता॥ पन्थमजी॥

पहल बाहं बांग

स्त्री २

मृशक्र

श्रावण २

५५

॥ वाचापनिक ४ कयविकयक ४ स ॥ विक्रगास्यादिक्रयिक ४ कायिक ४ कायिकसम ॥
 ॥ वालिअनुवनिआस्यान्मूल्यं वत्सोपवक्रय ॥ नीवीपनिपनीमूलधनं लालाधि ॥
 ॥ कं ॥ पुगिदानं पत्रीवर्क ॥ भयलिममावपि ॥ पूमान्पत्रिधिर्ग ॥ स ॥ पुगिदानं ॥
 ॥ दण्ड ॥ कथयुमात्रिर्ग ॥ कयिक ॥ कयिक ॥ कयिक ॥ कयिक ॥ कयिक ॥ कयिक ॥ कयिक ॥ कयिक ॥
 ॥ श्रीवसुधापनं सत्यं सत्यं कान ॥ स ॥ कति ॥ कति ॥ कति ॥ कति ॥ कति ॥ कति ॥ कति ॥
 ॥ द ॥ कति ॥ कति ॥ कति ॥ कति ॥ कति ॥ कति ॥ कति ॥ कति ॥ कति ॥ कति ॥ कति ॥ कति ॥

908

२

[illegible]

का१

[illegible]

॥ गुरुद्वयक्रिया ॥ शांति ॥ सुस्तस्य ठ द का ॥ सुस्तनी पृथ्वी वा ध न्या मह क सु महा य ॥ १ ॥
 दयाल ॥ सुस्त दया महात्मा हा महाद्यम ॥ २ ॥ प्रीति ॥ निपना हि क्ता विरु निष्ठा ग सिद्धि ना ॥
 वेदानिक ॥ सुस्त मर्ष ॥ सुस्त नी क ॥ ल ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

॥ निनाकनिष्ठः हिष्ठः स्यात्सा इति गंधस्तुमद्वनः ॥ कानागुविदना विन्दर्विकापीगुविकस्वन
॥ विहृत्वना विहृतमनः प्रसानीचविसानिनी ॥ सहिष्ठः सहनः दन्तातितिष्ठः दमिताष्ट
मी ॥ क्रोधनाभिर्धनः कार्पाचिन्दनैस्त्वत्यनकापनः ॥ जागशूका जागनिगाघूर्लिताष्टप्रचल
यिगः ॥ स्वप्रकृष्टयात्र निर्जालं निर्जालं यितोसभो ॥ पनाग्रवः पनाचीनः स्यादवाद
प्यरधाम्रवः ॥ धवानेवतिदेवेष्टद्विष्टश्चद्विष्टवर्गेनेति ॥ पठसहाकेगिसाध्या
सतीर्यदयंसिनाः चति ॥ वधावदावधावकावागीष्ट ॥ वाक्यतिस्सभा ॥ वाचायूकि
पट्टीग्मीवावष्टकश्चवकनि ॥ स्थाजल्याकस्तुवावालावावाठीवद्गर्भवाक् ॥ दुर्मख

११३

[illegible]

भागविनयन हावल्याखपना लानि

हगताविर्गुणव्यय आर्थादद

दियल्लाख

जलि

समस्त

पनासंख्यासतादिका॥ गलनीर्यगुगल्यसंख्यातगनिर्गसमसर्वविधमक्षार्धक
 त्समस्तनिखिलाविनि॥ क्षर्षसमयसकलपूर्वमख॥ स्यादन्नकधननिर्गतस
 डैपलवविजलतनु॥ समीपनिकटसन्नसन्निकटसनीउव॥ पवक्षस्यसमविधस
 मम्यादोवधव॥ दयकक्षनिकायाययअधतिगाऽवय॥ संसकत्ववावहितमप
 दानकत्रमिपि॥ भदिस्मनिकटसंस्थादुर्नविषुहृष्टक॥ दवीयधदवीष्टकैसुदुअदीः
 र्धमायगीवरुलनिस्सुनैवर्ध्वनैवचगानर्ग॥ उच्चप्रास्नगादुभक्तिगामुगधवा
 मन्॥ नद्दीचक्रस्वखर्वा॥ सूनवायवनगानर्ग॥ अनालुहजिर्नजिह्मसर्मिमस्कीचिर्ग

पुतिहा

गहावपुतिहा

११७

१६

दाथगु

११

साजमकु

अशजन

बाकन

नर्ग॥ आविर्दकटिलरुर्नवल्लिगविकमित्यपि॥ मजावजिप्रगलोव्यस्तुप्रगलोक्लो॥
 क्षमधगस्तुधुवानित्यसदागनसनागना॥ स्थास्तुक्षिन्नगन॥ स्थायानकनूपगयागुय॥
 कालव्यापीसकटकुक्ष्यावभाजंगभगन॥ चनिप्रजम्भमवर्नप्रसमिर्गचनावर्नी॥ चनर्नक
 पर्नकस्यचललालचालाचल॥ चचलचपलचेवपानिलवपनिस्त्व॥ अतिनिक॥ समधि
 काहैठसंधिस्तुसहग॥ ककटकथिर्नकूर्नक॥ नैनिस्सुर्नदृष्ट॥ अथर्नसूर्लिमत्तर्लप्र
 दृष्टप्राठमधिक॥ प्रनालप्रतनप्रलप्रनागनचिर्नगना॥ प्रत्यग्रीनवानथानवीनानुग
 भानव॥ नूनध्वस्तुकमानकुकामलमृदुलमृदु॥ अचगचक्रमनुरागनपदकीवमवय

ॐ स्वस्ति नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

११६

[illegible]

[illegible]

न उपादानं विहानरूपनिक्रमः॥ अलिहानाहियहर्गनिर्ह्रात्यवकर्वली॥ अनूकानानूकान॥
दर्थस्यामगमवयः॥ प्रवाहलुप्रवृत्तिः॥ स्यात्प्रवहागमनं वहिः॥ वियाभाविद्यमायाभायम॥ सय
मस्यभो॥ हिंसाकर्मालिचानः॥ स्याज्जागर्गजागनाद्यथा॥ विभ्रान्तमायः॥ प्रत्यहः॥ स्यादपश्चान्तिः॥
काद्यथा॥ निर्वहः॥ उपहागस्यात्यनिसर्गपत्रिकिया॥ विधूर्नुप्रविच्छुषाः॥ हिंसायः॥ दना
द्यथा॥ सैकपनेममसनेनैर्यवस्थाविनाधर्नी॥ पत्रिसर्गपनीमानः॥ स्यादास्यात्वाप्तनास्तिः॥
तिः॥ विस्तानाविग्रहायासः॥ सचः॥ दस्यविस्तनः॥ स्यात्सर्वनर्मबाहविनाः॥ स्याददः॥ नि
॥ सैकवः॥ स्यात्यनिचयः॥ प्रमनस्तुविः॥ प्यः॥ नीवाकस्तुप्रियामः॥ स्यात्सनिधिः॥ सैनिकर्षः॥

^{कृदन्त} ^{सादृशकर्म} ^{पूर्य} ^{प्रसावनेच्छा} ^{कानहिम} ^{सहज}
 ॥ लवणं लवणं लवणं निष्पावणं पवनं पचं ॥ प्रसावस्यादवसनं सुसुप्तं वदनी ॥ प्रजनस्याद
 पसनं पसनं प्रसायोसमो ॥ धीः किं निष्कृमांस्तीतुर्वै सभाइति संचनं ॥ प्रहृक् गजमष्टप्र
 यामाथः प्रकुमक्ष्म्यादस्यादानमस्यानानमृष्टं संकुमस्वना ॥ प्रतिवन्धः प्रतिवहः वनायसु
 निपातनं ॥ उपलक्षस्त्वनरुवक्षसमालीलानलपनं ॥ विप्रलक्षः विप्रथागाविर्लक्षस्विति सज्जनी ॥
 विध्यावस्तुप्रतिष्ठातिनवरथा प्रतिजगना ॥ निपाठनिपलेपां मंक्रमो समुचनं ॥ अस्ति
 नवावोक्तः मलकसंगसंगभो ॥ सर्वोक्तं विचयनं मार्जलं गलं गलं ॥ पत्रिनं लक्ष
 निष्पगं संक्षुब्धं हर्षं ॥ निर्वर्णं ननु निव्यानं दर्शनालाकनक्ष्मि ॥ प्रहाराव्यानं निनमनं

^{पिलीथ} ^{उभयापत्रियाति} ^{पीजा}
 एतदं नानिनाहमि ॥ उपलक्ष्या विधायं प्रप्रायं नार्थको ॥ जार्हने चमगीया चंकी
 दीया च दृष्टार्थको ॥ एतदं त्यासा विपर्यासा व्यत्ययं विपर्ययं ॥ पर्यायागिकमंस्तु
 स्मिन्नगिषागं उपापय ॥ प्रपटीयत्समाकृत्य गृह्यात्प्रगिष्ठमसनी ॥ समं सावक्षकं गु
 ष्यास्तु गिरिमिदिदं नना ॥ निधाय गधं गयं काष्ठं काष्ठं सउदघनं ॥ सवघ्नं सु
 सवघनं संधाय ननिहन्त ॥ जाविध्या विधायनं गयं विषं क्रमनिघ ॥ उक्ता
 नध्वनिकानं ध्वं धो धा धा धप नार्थको ॥ निगमनां नविदावां जाहसु गनं धादिष ॥
 जात्रयवत्रगि वित्रगय उपत्रामं वासुयां गुनिष्ठव ॥ निष्पुगिर्निष्पवने निष्ठाव

^{४६} नमिषिहिनानि॥^{१२} जवनहनि॥^{१३} सानिस्त्ववसानं^{१४} स्यादधकत्रामूर्ति॥^{१५} उदरुसुप
^{१६} धुप्रनसमकत्रलित्रियाय॥^{१७} मया॥^{१८} गगानेयसुस्यवन्दमितोपुगवकादिकं॥^{१९} ज्ञा
^{२०} पूतिकं॥^{२१} मूलिकमवसायमचनसास॥^{२२} मावानेनांगुमाद्यसहायानांसाहायगा
^{२३} ॥^{२४} हल्याहलानांवाक्स्थवाउद्योगुद्विजाननाम॥^{२५} द्वपशुकार्तापृष्टानीपाष्टपृष्टमन्
^{२६} क्रमा॥^{२७} खलानांखलिनीखल्यापथमानस्यकनृत्त॥^{२८} प्रमताजनगधूत्यापाठभाग
^{२९} त्यापथकथक॥^{३०} अपिसाहस्रकारीषवार्मलथर्वनादिकं॥^{३१} ॥^{३२} निमैकीरुवर्ग
^{३३} नानार्थ॥^{३४} कपिकाकादिवर्गवैवायुकीर्तिता॥^{३५} हरिप्रयागभयपयपयार्थययिग
^{३६} ककादिहकात्रांगंममतागार्थसहस्रहस्रवर्गवैवायुकीर्तिता॥^{३७}

नमः
 प२९

^{३८} पृ०॥^{३९} आकाशगिदिचनाकालिकसुखवन्नजन॥^{४०} पथयथासिचक्षकः॥^{४१} त्रखजचक्षयकः
^{४२} ॥^{४३} जम्बूकाकापृवन्नलोपृथुकोचिपितारको॥^{४४} जालोकदधभाद्यानोहनीपटहमानको
^{४५} ॥^{४६} उत्तीगचिन्नयानक॥^{४७} कलकाकापवादया॥^{४८} गदकातागवदका॥^{४९} नक॥^{५०} सुमिक॥^{५१} सु
^{५२} र्यया॥^{५३} मानूतवधसिबुधपुंसिक॥^{५४} कैसिनाम्बुना॥^{५५} स्यात्पूलाकसुचक्षयसिद्धपर
^{५६} कसिक्क॥^{५७} उत्तककनिष॥^{५८} पूष्ठमूलापानकचयचक॥^{५९} कमलुभीचकनक॥^{६०} सुगनचवि
^{६१} नायक॥^{६२} किर्कहसुविगसीचक्षुकीट॥^{६३} वृष्टिक॥^{६४} प्रतिकूलपणीक॥^{६५} प्रिष्ठकदह

॥ यस्मात्सर्वमिदं ब्रह्म प्रवृत्तं जगत्तथापि ॥ यन्मागः कोसमन्तः ॥ सोऽस्मादीयादो न ऊच्यते ॥ गङ्गापि नाग
 मार्गोऽपि नागः ॥ अर्पागः किल कः पिचः ॥ सर्जः स्वरावनी माहनिष्ठयाधमयसृष्टिषु ॥ यागः सन्नहनापा
 यध्वानसर्गतिमकिषु ॥ हागः स्रवस्त्यादिरतावहः स्वयं लकायथोऽऽवातकहनि ॥ पिसिहानं
 गः सवलप्रिषु ॥ कपोचलवगः स्रवत्वरिषगः पत्राहवः ॥ यानादौ गयगः पिसियगं यूरमकुता
 दिषु ॥ स्वर्गपुष्पधुवागवज्रदिद्वयुचलितजल ॥ लक्ष्मदृष्ट्यादियं पिसिगोर्लिङ्गं चिह्नमरु
 थाः ॥ गङ्गाप्राधन्यसन्वधप्रनागं मूर्द्धगुच्छथाः ॥ र्ग्रीष्मीकाममाहात्म्यवीर्ययत्नात्कीर्त्तकीर्त्ति

१२३

॥ यन्निधानं निधानं सुधायादृष्टं रसानथाः ॥ मूलपूजादिधवर्ध्याद्यदृष्टव्यसन्धर्षाः ॥ प्रिविष्ट
 ललपुष्पाकाचाः ॥ शिखमृददुग्धजः ॥ विपर्ययसिखिन्तनपुष्पचण्डावकाः ॥ शुचिः ॥ मास्यमास्य
 चाल्यैः पिसिभक्ष्यसितप्रिषु ॥ अहिर्घागस्य हायाचरं गंक्षेत्रचिह्नियी ॥ चान्का ॥ कक्षा नृपवधस्य
 ननदीवृक्षपिसमगः ॥ प्रसन्नहालकपयकागुरुसुखकहानथाः ॥ छान्का ॥ ककिताष्टी वहिरजो
 दनविप्रालुजादिजाः ॥ अजाविप्रह नछागाः ॥ गमसाधनिवहाप्रजाः ॥ धर्मप्राजो जिनयमोकी
 जोदकपिनक्रिया ॥ वलिजहप्रपूहो नवलजावलादृष्टानाः ॥ समष्टाः ॥ शान्तवाजिप्रजास्यार्त्त

साधना

त्य

प्रणिश्रुत्वा ॥ नमः ॥ अस्माकं कुरु ॥ प्रसक्त ॥
 हृत्वा वा दंपतिं दृष्ट्वा कुरुयात् ॥ ४ ॥ कुरु
 मरुता ॥ लावलि सुत ॥ ५ ॥ कुरु ॥ लावलि सुत ॥
 लयधनं पिब ॥ भो व्याध व्याधिं सत्यं दुःखं
 सवया ॥ ६ ॥ कुरु ॥ व्याधिं सत्यं दुःखं
 पितृषु ॥ ७ ॥ कुरु ॥ व्याधिं सत्यं दुःखं
 पितृषु ॥ ८ ॥ कुरु ॥ व्याधिं सत्यं दुःखं

या ३१

[illegible]

^{दव सूर्य} न॥ ^{तस्य} देवसूर्यो ^{तस्य} विवस्वतो ^{समस्त} सनस्य ^{मगल गुरु} को नदा ^{तस्य} लूवो ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} पक्षिता ^{तस्य} क्षोण ^{तस्य} नमको ^{तस्य} कृ ^{तस्य} क्षो ^{तस्य} लो ^{तस्य} पक्षि ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} अग्न्यु ^{तस्य}
^{तस्य} र्या ^{तस्य} गो ^{तस्य} धूम ^{तस्य} क ^{तस्य} गु ^{तस्य} जी ^{तस्य} मृ ^{तस्य} तो ^{तस्य} म ^{तस्य} घ ^{तस्य} प ^{तस्य} च ^{तस्य} तो ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} ह ^{तस्य} स्मो ^{तस्य} तु ^{तस्य} पा ^{तस्य} नि ^{तस्य} न ^{तस्य} क्ष ^{तस्य} गु ^{तस्य} म ^{तस्य} न ^{तस्य} तो ^{तस्य} प ^{तस्य} व ^{तस्य} नो ^{तस्य} म ^{तस्य} नो ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} र्य ^{तस्य} गो ^{तस्य} ह ^{तस्य} सि ^{तस्य} प ^{तस्य} क ^{तस्य} ॥
^{तस्य} हू ^{तस्य} न ^{तस्य} र ^{तस्य} लो ^{तस्य} क्ष ^{तस्य} ता ^{तस्य} नि ^{तस्य} पा ^{तस्य} क्ष ^{तस्य} नि ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} या ^{तस्य} न ^{तस्य} पा ^{तस्य} य ^{तस्य} णि ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} ६ ^{तस्य} म ^{तस्य} पा ^{तस्य} न ^{तस्य} ४ ^{तस्य} प्र ^{तस्य} त ^{तस्य} पा ^{तस्य} र्ध ^{तस्य} त ^{तस्य} न ^{तस्य} मृ ^{तस्य} त ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} गृ ^{तस्य} ह ^{तस्य} रु ^{तस्य} द ^{तस्य} ध ^{तस्य} ज ^{तस्य} क ^{तस्य} तु ^{तस्य}
^{तस्य} ४ ^{तस्य} पार्थ ^{तस्य} व ^{तस्य} त ^{तस्य} न ^{तस्य} य ^{तस्य} स ^{तस्य} न ^{तस्य} ४ ॥ ^{तस्य} स्र ^{तस्य} प ^{तस्य} नि ^{तस्य} ४ ^{तस्य} का ^{तस्य} न ^{तस्य} रु ^{तस्य} द ^{तस्य} पि ^{तस्य} रु ^{तस्य} ह ^{तस्य} ह ^{तस्य} मि ^{तस्य} ध ^{तस्य} न ^{तस्य} नृ ^{तस्य} प ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} मृ ^{तस्य} द्वा ^{तस्य} रि ^{तस्य} पि ^{तस्य} को ^{तस्य} ह ^{तस्य} य ^{तस्य} पि ^{तस्य} म ^{तस्य}
^{तस्य} तु ^{तस्य} स्त्री ^{तस्य} क ^{तस्य} स ^{तस्य} म ^{तस्य} पि ^{तस्य} च ॥ ^{तस्य} वि ^{तस्य} ष्ठा ^{तस्य} व ^{तस्य} य ^{तस्य} जि ^{तस्य} ता ^{तस्य} च ^{तस्य} को ^{तस्य} स ^{तस्य} त ^{तस्य} स ^{तस्य} व ^{तस्य} नि ^{तस्य} सा ^{तस्य} न ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} थो ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} य ^{तस्य} क ^{तस्य} १ ^{तस्य} प्रा ^{तस्य} ह ^{तस्य} पि ^{तस्य} द ^{तस्य} ह ^{तस्य} ना ^{तस्य} व ^{तस्य}
^{तस्य} रु ^{तस्य} ६ ^{तस्य} म ^{तस्य} ह ^{तस्य} नि ^{तस्य} द ^{तस्य} ४ ^{तस्य} नि ^{तस्य} ४ ^{तस्य} क ^{तस्य} सा ^{तस्य} मा ^{तस्य} न ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} थो ^{तस्य} द्वा ^{तस्य} ४ ^{तस्य} म ^{तस्य} वे ^{तस्य} ध ^{तस्य} या ^{तस्य} म ^{तस्य} पि ^{तस्य} ४ ^{तस्य} ड ^{तस्य} ज ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} व ^{तस्य} रु ^{तस्य} क ^{तस्य} ४ ^{तस्य} सा ^{तस्य} स ^{तस्य} क ^{तस्य} न ^{तस्य} ॥

१२३

^{प्रकान सकल} सा ^{वर्क} प्रका ^{तस्य} न ^{तस्य} का ^{तस्य} ल ^{तस्य} वा ^{तस्य} ल ^{तस्य} थो ^{तस्य} ४ ॥ ^{तस्य} आ ^{तस्य} न ^{तस्य} रु ^{तस्य} ६ ^{तस्य} स ^{तस्य} म ^{तस्य} न ^{तस्य} नृ ^{तस्य} त ^{तस्य} स ^{तस्य} न ^{तस्य} नी ^{तस्य} वृ ^{तस्य} द्धि ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} ६ ^{तस्य} म ^{तस्य} या ^{तस्य} ४ ॥ ^{तस्य} कृ ^{तस्य} ता ^{तस्य} य ^{तस्य} म ^{तस्य} सि ^{तस्य} द्धि ^{तस्य} त ^{तस्य}
^{तस्य} दे ^{तस्य} वा ^{तस्य} क ^{तस्य} ण ^{तस्य} ल ^{तस्य} क ^{तस्य} र्म ^{तस्य} स ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} ६ ^{तस्य} म ^{तस्य} या ^{तस्य} दि ^{तस्य} न ^{तस्य} स ^{तस्य} न ^{तस्य} का ^{तस्य} दि ^{तस्य} म ^{तस्य} हा ^{तस्य} र ^{तस्य} ता ^{तस्य} नि ^{तस्य} त ^{तस्य} ह ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} ६ ^{तस्य} म ^{तस्य} वि ^{तस्य} कृ ^{तस्य} ति ^{तस्य} ४ ॥
^{तस्य} द ^{तस्य} या ^{तस्य} नि ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} ६ ^{तस्य} म ^{तस्य} वि ^{तस्य} कृ ^{तस्य} ति ^{तस्य} ४ ॥ ^{तस्य} क ^{तस्य} ह ^{तस्य} न ^{तस्य} न ^{तस्य} पि ^{तस्य} ४ ^{तस्य} द्वा ^{तस्य} का ^{तस्य} नृ ^{तस्य} प ^{तस्य} स्या ^{तस्य} स ^{तस्य} च ^{तस्य} त ^{तस्य} न ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} का ^{तस्य} ह ^{तस्य} सा ^{तस्य} म ^{तस्य} र्थ ^{तस्य} थो ^{तस्य} ४ ^{तस्य} कि ^{तस्य} मृ ^{तस्य} र्ति ^{तस्य}
^{तस्य} ४ ^{तस्य} का ^{तस्य} थि ^{तस्य} न्य ^{तस्य} का ^{तस्य} य ^{तस्य} थो ^{तस्य} ४ ॥ ^{तस्य} वि ^{तस्य} कृ ^{तस्य} ता ^{तस्य} न ^{तस्य} व ^{तस्य} सा ^{तस्य} र्थ ^{तस्य} त ^{तस्य} नि ^{तस्य} वृ ^{तस्य} स ^{तस्य} ती ^{तस्य} ना ^{तस्य} शि ^{तस्य} व ^{तस्य} ४ ^{तस्य} म ^{तस्य} ना ^{तस्य} ४ ॥ ^{तस्य} द्वा ^{तस्य} र्थ ^{तस्य} थो ^{तस्य} न ^{तस्य} प ^{तस्य} चि ^{तस्य} ति ^{तस्य} ४ ^{तस्य} सा ^{तस्य} ति ^{तस्य} ॥
^{तस्य} द्वा ^{तस्य} ना ^{तस्य} व ^{तस्य} सा ^{तस्य} न ^{तस्य} थो ^{तस्य} ४ ॥ ^{तस्य} अ ^{तस्य} र्ति ^{तस्य} ४ ^{तस्य} पी ^{तस्य} उ ^{तस्य} ध ^{तस्य} न ^{तस्य} ४ ^{तस्य} का ^{तस्य} य ^{तस्य} ४ ^{तस्य} ति ^{तस्य} ४ ^{तस्य} सा ^{तस्य} मा ^{तस्य} न्य ^{तस्य} उ ^{तस्य} न्म ^{तस्य} ना ^{तस्य} ४ ॥ ^{तस्य} प्र ^{तस्य} वा ^{तस्य} न ^{तस्य} स ^{तस्य} नृ ^{तस्य} सा ^{तस्य} नी ^{तस्य} ति ^{तस्य} नी ^{तस्य} ति ^{तस्य}
^{तस्य} ति ^{तस्य} म ^{तस्य} प्र ^{तस्य} वा ^{तस्य} स ^{तस्य} थो ^{तस्य} ४ ॥ ^{तस्य} उ ^{तस्य} द ^{तस्य} थ ^{तस्य} धि ^{तस्य} ग ^{तस्य} म ^{तस्य} प्रा ^{तस्य} कि ^{तस्य} ल ^{तस्य} ता ^{तस्य} ल ^{तस्य} नि ^{तस्य} प्र ^{तस्य} थ ^{तस्य} य ^{तस्य} ॥ ^{तस्य} वी ^{तस्य} ६ ^{तस्य} म ^{तस्य} रु ^{तस्य} द ^{तस्य} पि ^{तस्य} म ^{तस्य} ह ^{तस्य} ती ^{तस्य} ह ^{तस्य} ति ^{तस्य} रु ^{तस्य} स ^{तस्य} नि ^{तस्य}

संपदि ॥ नदीनगथो नो गनी लो गवत्य धसंगना ॥ संगा सला र्या समि गि द्य वा सा व पि दिति ॥
 ॥ न नै वै चि ॥ ६४ ॥ सु च व द्दि ज्वा ला च ह न य ॥ ज ग ती ज ग ती कृ द्वा वि ॥ ६४ ॥ पि दिति वा व पि ॥ पं की ॥
 ६४ ॥ पि दिति ॥ न स्या त्पु ला व पि चा य ति ॥ पा रि जितो च मूल गु प द्दि ॥ ६४ ॥ प द्द ह द या ॥ प्र कृ ति र्था
 नि लिं ग च क ॥ ६४ ॥ च्वा ॥ ६४ ॥ व रू य ॥ ६४ ॥ सि क ना स्म र्वा लु का पि व द ॥ ६४ ॥ व सि च ॥ ६४ ॥ ति ॥ ६४ ॥ व नि ता ज नि
 ना ल्प र्वा न ना गा र्या च या मि ति ॥ गु फि ॥ ६४ ॥ ति व्द दा स पि ध ति ध न ॥ ६४ ॥ च्वा ॥ ६४ ॥ व ह ती धृ ड् वा र्का
 की ॥ ६४ ॥ च्वा ॥ ६४ ॥ द म ह ल य पि ॥ वा सि ता मु नि र्पा ॥ ६४ ॥ वा क्ता व द्दि ज न ॥ ६४ ॥ वा र्ता ॥ ६४ ॥ लु ॥ ६४ ॥ ना ग ॥ ६४ ॥ ति ॥ ६४ ॥ च्वा ॥ ६४ ॥

॥ कलधोर्तं नृप्यहम्नां निमिलं हगुलक्ष्णं ॥ धर्तं धाम्बुधृतयोर्यगपर्याफथाऽकर्तं
 ॥ अत्याहिर्गं महाहीतिऽकर्मजीवानपदिच ॥ यकं द्वादावतर्तं प्राप्तीतं समष्टिषां ॥ बर्हपद्यच
 निप्रष्टिषतीतदृढनिमल ॥ महडाऊं चावगीर्तं जन्मस्य जितं प्रिषां ॥ ध्वर्गं नृप्यपिन जर्तं हाननृ
 धमितप्रिषां ॥ प्रिषताजगदिं गपिन कनीलादिनागिच ॥ अवदातऽसितपीतं शुद्धं वद्धाऊं नोमि
 तां ॥ यकं तिसृष्टं मप्रिच्यहीनीताथसंस्कृतं ॥ कप्रिभलक्ष्णं पतप्यनं तानवधवपि ॥ ख्या
 तहृदयगीतालिजगत्कुलजविधे ॥ विविक्तो पूतविज्जोमूर्च्छितो मूढसाक्षुथो धोचास्यप

नक उरु ॥ इानी धवन असु वीवर वर असु गत्य मारीन थवग
 त्यप्रप्रतिहोविहत्सुप्रगल्होविहभनदो ॥ दान ॥ व्यामावट हचन्ययधवत्सधोकायउत्तानि
 ॥ पर्याहा नधमार्गधविवधोवीवधोचतो ॥ परिधिर्यहियनना ॥ ४४ ॥ खाया मपसूर्यक
 ॥ वधन नतिरुध मनयापीज इधन नस्य ॥ अम्य ॥ ४५ ॥ समाधिन कानीवाकनियमर्थसमर्थन ॥ दाधाय
 ॥ दनवंध ॥ स्मात्प्रकरणादिषुनधन ॥ मुख्या न्यायिनिधि ॥ ४६ ॥ प्रकृतस्या नवहिन ॥ विधविधो
 ॥ चंद्रमसिपनिष्ठदविलवधि ॥ विधिविधनदेवपिप्रलिधि ॥ पार्थनचन ॥ वधवृद्धोपलि
 ॥ तपिस्व नध ॥ ममदधपिच ॥ द ॥ नदविधोपधोसिधनोसनिगिहिया ॥ विधविधोप्रका

१२९

नचसाधनस्यपिचविष ॥ वधजोयात्तुपास्तीचसुधनपाः ॥ मृगसुही ॥ संधाप्रतिहामर्योदोधदासीप
 ॥ ययस्यहा ॥ मधमशपयनसक्षोडधुगमस्यपि ॥ अगतिप्रसमनद्धोपलिगंमन्यनविनो ॥ व
 ॥ हवधनधिक्षप्रनिद्ध ॥ धावर्तविन ॥ अतिद्रोयवद्ध ॥ प्रसिद्धोख्यागरुषिगो ॥ धान ॥ ह
 ॥ यवकिचिप्रलाननननधिमिदिवाकरो ॥ दगात्मानोधातुददोमुखनीचोपुथगुनो ॥ यावालो
 ॥ होलपाषालोपपि ॥ होननपदि ॥ ॥ ननलो ॥ होनि ॥ होनि ॥ वद्विवहिलो ॥ पगिय
 ॥ लावरोलिधोपगहावधसादिनो ॥ दोमानधिहयानाहो ॥ वाजिनाः ॥ धवधपदि ॥ ॥ कलध

पिचो॥ गुरुस्वाहं रुनेहानं संकात्रगद्वनपिचो॥ मिखजययंसनितिमासिकार्यचमानरा॥
 र्हात॥ अकनारुवसत्वं ध्वगन्धर्वादिबगभयन॥ कं वनोवलथधंखद्विजिकोसर्पसूचको
 पूर्वो न्यालिज ४ प्रागाहपवद्वत्पिपूर्वजाना॥ वाना॥ कसो घटहसुद्धीगेतिभोतुधिधुर्व
 लिष्ठो॥ र्हासोसूक्ष्मजदीरावोर्हावद्वत्पिलाचनो॥ कदिअलार्कागर्हाविधुंर ४ प्रभ
 यपिचो॥ स्याहर्थादंरिपूसिष्टादक्षदन्दरिह्रिया॥ स्यान्महानजनकीर्वकसंरं कन
 कप्रमान॥ दप्रियपिचनारिर्नोसुनरिर्नवियस्रिया॥ तहसंसदिसत्प्रपिचध्वक्षपिवल्लह

१३२

॥ शालनशा॥ किनलप्रगलो नभीकपिठको प्रवंगमो॥ वृद्धामनाहवो कामोसोथोथो गोपनाक्रमो॥
 धर्मोपस्थमयन्यायसाहावावा नक्षामया॥ उपायपूर्वजानह उपधाचाप्यपक्रम ४ वरिष्क
 थंप्रनवदानिगमानागनावनिक॥ नेगमोद्वोवत्नामंधाननीलसिगप्रिष्ठा॥ हाहादिपूर्वोव
 दपिप्रामकाकोचविक्रम ४ गुल्मानूकयसनांधजामिहस्वहकलस्रिया ४ दिगिह्वाहा ४
 रुमायूकहर्म ४ कहिगप्रिष्ठा॥ प्रिष्ठाभोहत्रिष्टुष्टमास्याह्वानिवा निष्ठम॥ ललाम
 पठपठ ४ चहपापाधन्यकप्रिष्ठा॥ सुद्धमध्यात्ममयाद्युप्रधानपथमस्रिष्ठा॥ वामोत्तुप्र

938

वद वद रुद गुफि वाद मनुमि शत्रवाव पिमखे पयूपखे लुपिखनू रुकु पयवस्कन ॥ ४ ॥
 अमृ वा वना ॥ अमृ हं गुं ॥ अमृ हिमा गुं सुख ॥ अमृ या इदुषु म अमृ तर्क दम
 अमृ नूधन्य ॥ कषम नूधन्य धनाधनो ॥ अडथा डम (लोलाको ॥ ४ ॥ मनाद्यो पथाधनो ॥ धनानिदानः
 अमृ कन लाहा गकितल अमृ ॥ अमृ दाल्व रुयातन नववराग वादि ॥ ४ ॥ दक मवृजसा
 वाट्टावल्लिहसा ॥ व ॥ कना ॥ पदभारं गनानीरवाना असा ॥ कचा अरुपि ॥ अजात ॥ ४ ॥ (मो ॥ ४ ॥ का
 कासन नवगवम भले अमृ ॥ लं विरु ॥ अमृ पलंकी परिवार भाटे निर्मल अमृ ॥ ता
 लः प ॥ ४ ॥ म ॥ ४ ॥ र्नाचत वनो ॥ स्व ॥ ४ ॥ पिना ॥ पनिकन ॥ पय ॥ ४ ॥ पनिवानया ॥ मृका ॥ ४ ॥ चतान ॥ ४ ॥ स्या ॥ ४ ॥
 मय रुत वला सावन ॥ प्रमिद्धा संग्राम आपति वगत अमृ ॥ अमृ वान ॥ ४ ॥ किमिहलल्लवा
 नावाय सगुविष ॥ कर्षनथ प्रमिद्धा जिमखिदायत्स रंगन ॥ आउत सूर्यनवगऊडा ॥ ४ ॥ चगर्जि
 अमृ यडु तयुध मनाहयाय अमृ ॥ अमृ अनवर अमृ पञ्चादाय अमृ ॥ अमृ
 ॥ ४ ॥ अलिहाभालिया ॥ गचचोथ सनहनपिच ॥ स्याऊ गभपनी पान ॥ ४ ॥ मृकाधपनिद्ध ॥ विष
 सि कृडा कृति कापू आसन ॥ दान अमृ ॥ दानपात्र ॥ ४ ॥ तव नवका
 नाविटपीदह मृष्टि ॥ ४ ॥ पी ॥ ४ ॥ मयमानेस ॥ दानिद्धा ॥ ४ ॥ प्रतीहान ॥ ४ ॥ प्रतीहार्यप्यनीतन ॥ विपूलनकलविः

हनि अस्य सियु अस्य वल हिन नाथवगुम रिगु नो २ अस्य शवान ह्याय
धोवकु ८ ना पिगल पिषा सात्रा वल हिन नाथवगुम रिगु नो २ अस्य शवान ह्याय
वहान शत्रु मववन जापो गुल अस्य मवसावि वम काल कपन
धूत दूना दर्न महान धदने पथ काना न पन पं सकी मसु नान्य धुत दूध न द लु पना या ८
पिषा दवा दूत वन धुत पिषा की व मना कियु वा वधम दूत कनी की न न ल द घा चना नाचम
ऊघन हल सुय पुगि सना कियु यमा निल दू च डा क विष्मि ही धु वा विष्मि धु का हि क पि ह
क प हनि नो क पि ल पिषा धा क ना क प्य ना धा पि या या सा या पन ग गो ना द वा क सु ना प्य सा
ह जा नि डा प्र मी ल या धा यी सा द प मा ना पि हि नि न घा म ल क पि धा वी ग न पी व धा स

१३५

कलिहा कं गिरि मनजिक अधम लतिवा अस्य पतिरुद रिगुय स ४ मान मस्य द कां
नघा की ० कारिका पिषा कू न ध म ल पि ह द मा ग्रा प नि रुद अल्य च प नि मा ना सो मा य का स्त्र
वधान नी आल रवा ध य या धि व क ल री धा नि रा य या धा या ग्य हा जन या धा यी ऊ कु वा
हन प ह या धा नि द धा य थ या धा म रु धा रु मा य ध ला ह या धा धा र्पा धु क था नी र्प द र्प प ती धा
नी न या धा म र वा य का उ ह ल या धा र्पा र्पा र्पा न नि च य र मा रु न य रु दौ द न ध न पि चो अरि
न विष थ का थ म्ब न धा मि वा र सि च क ना धु प ध न कु भा ध पि की न म प्पु ली स्व लू पि ह
नि च डी द्वा न मा य पि मा यी नी गु हा र्द री ग क न द न हा नि क म्प द न प्र ना धि क म्प य

दाढधयागुद
धूमधः

विष्मया॥ मोन तु दूषी दूषी च सद्यः सपदि न ह् (॥) दिव्या समप ऊ। घं ह्यन च धन न न
न प्रा॥ अंगन लच म ध्व स्म ४ प्र स द्य तु ह थ अर्थ क॥ य क द्वा सा प्र ग स्था नः ही ह् ४ ४ व द ना
न ग॥ अला व न द्वा ना ना पि मा स्म मा ल च वा न (॥) प द्वा न प्र च द्वा दि च ग थ व द्वा ऊ सा द
य॥ प्र का (४) पा द ना वि स्मा दा म र्वा प न र्म म न॥ स र्म ग लु प त्रि ग ४ स र्वा वि घ गि ल्य पि॥
अ का मा न म नो का म म स थ पा ग म लु च॥ न न च वि स्मा दि त्रा धा को क वि ल्का म प्र व द न
॥ नि ष र्म द् ४ र्म ग र्म य थ॥ ख नु य थ य थ॥ मृ षा मि थ च वि ग थ य थ य थ लु य थ ग थ॥

983

४३

अद्याभवमरुतवर्तरेववर्तयत

सुनवतु पुनश्चैव त्वध्वान्तवाचकाः॥ पागगीताथर्वनूनमवध्वनिश्चिन्तय॥ सम्व
दध्वनत्वर्वागमवैद्यमात्मना॥ अत्यनीचेमहत्त्वैः प्राथाहम्यद्वन्द्वाने॥ सजा
नित्यवहिर्वाश्च स्मागीतः सुमेदध्वनिः॥ अस्मिन्स्वन्धाकावृत्तमूपः॥ नूनयत्त्वपि॥ इति
कस्यादधात्रात्रनवमाननमानना॥ पुनत्रार्थद्विनिन्दायाद्वृत्तस्य प्रससना॥ सार्यस्य
प्रगप्रागप्रागमनिकषान्तिक॥ पुनस्त्यनर्थेषमद्वृत्तपूर्वतन्मपि॥ अद्याप्यथपू
र्वेद्विध्वं पनध्वं पनहनि॥ तदागदानियुगपदकदासर्वदा॥ अगहिर्सेपनीदानीमध्व
ः॥ इत्यादौ पूर्वोक्तनाः पनाः॥ तथाऽध्वनाः न्याः न्यतत्रात्रापूर्वध्वनादयः॥ उरयश्च॥ अरयश्च॥ पनत्वः नि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ नमः नागं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यो नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यो नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यो नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यो नमो भगवते वासुदेवाय ॥

श्री ३
[श्रीः] शोशा यनमः ॥ श्रीग ३ श्रीग शोशा यनमः ॥ स्वस्ति श्रीसरस्वत्यै नमः ॥ श्रीगुरुगणेशाय नमः ॥
एकतपत्रं जगतः प्रभुत्वं नवं वयः कांतमिदं वपुश्च ॥ अल्पस्य हेतोर्बहु हातुमिच्छं विचारमूढप्रतिमा
सिमेत्वं ॥ १ ॥

बृहन्नारदः

[illegible]

धर्मस्तु वज्रपायं सुरत श्री महाविहार

DH 153